सूर्योदय 5:47 सूर्यास्त 7:04

आज का तापमान

शिमला	17.8 न्यू	26.4 अधि
धर्मशाला	22.6 न्यू	28.9 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,009
निफ्टी	24,366

सोना 1,52,000 चांदी 2,34,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शनिवार, 15 अगस्त 2026 | 30 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 111, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

आईजीएमसी में आउटसोर्स कर्मियों का प्रदर्शन 24 अगस्त को किया हड़ताल का ऐलान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में कार्यरत आउटसोर्स और ठेका कर्मचारियों ने शुक्रवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अस्पताल के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा, सीटू जिला महासचिव अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए समस्याओं के समाधान की मांग उठाई।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आईजीएमसी जैसे बड़े स्वास्थ्य संस्थान के संचालन में आउटसोर्स और ठेका कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अस्पताल की सफाई, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं में कर्मचारी लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें कई बुनियादी और वैधानिक सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है।

कर्मचारियों ने सम्मानजनक वेतन, सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्यस्थल और स्थायी रोजगार की मांग उठाई। मजदूर नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों को ईपीएफ, ईएसआई, बोनस, ओवरटाइम, यूनिफॉर्म, पहचान पत्र, वेतन पर्ची और चेंजिंग रूम जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जानी चाहिए।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सुरक्षा कर्मचारियों के ईपीएफ की राशि जनवरी 2026 के बाद जमा नहीं की गई है, जबकि यह राशि उनके वेतन से काटी जाती रही है।

कोटी में तिरंगा यात्रा से गूंजा देशभक्ति का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से तहसील जुन्गा के कोटी क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, युवाओं और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से पूरे क्षेत्र को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व जिला भाजपा प्रभारी सुमित शर्मा ने किया ।तिरंगा यात्रा के बाद कोटी में कसुंपटी ग्रामीण भाजपा मंडल की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला भाजपा प्रभारी सुमित शर्मा ने की। इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर संगठन की भूमिका और बूथ प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

HIMACHAL TOURISM

हिमाचल में स्वरोजगार का नया साधन बन रही होम स्टे योजना

होम स्टे योजना

- होम स्टे में अब अधिकतम छह कमरे अर्थात अधिकतम 12 बेड की सुविधा।
- इसमें इनक्रेडिबल इंडिया बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना/इनक्रेडिबल इंडिया होम स्टे के तहत पंजीकृत इकाइयों का भी हिमाचल प्रदेश होम स्टे नियम 2025 के तहत पंजीकरण अनिवार्य।
- योजना के अंतर्गत अब इसमें शहरी क्षेत्रों (नगर निगम, नगर परिषद्/पालिका, नगर पंचायत आदि) को भी शामिल किया है, ताकि स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें।
- होम स्टे पंजीकरण के लिए पोर्टल है https://homestay.hp.gov.in

योजना की विशेषताएं

- महिलाओं को 'होम स्टे' का पंजीकरण करने पर शुल्क में 5 प्रतिशत अतिरिक्त विशेष छूट।
- चम्बा जिला के पांगी उपमंडल में होम स्टे पंजीकरण का शुल्क शेष हिमाचल के क्षेत्रों के तहत पंजीकरण शुल्क का 50 प्रतिशत।
- डायमंड और गोल्ड केटेगरी में पंजीकृत होम स्टे इकाइयों के लिए बिजली-पानी का उपभोग व्यावसायिक दरों पर, जबकि सिल्वर केटेगरी में पंजीकृत होम स्टे इकाइयों के लिए बिजली-पानी के उपभोग की घरेलू दरें लागू।

केटेगरी	परिधि	होम स्टे पंजीकरण सालाना शुल्क	कमरे के किराये की दर
डायमंड केटेगरी	नगर निगम क्षेत्र	18,000 रूपए	10,000 रूपए व इससे अधिक प्रतिदिन के ठहराव के लिए (दरें, पंजीकृत कमरों में उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार)
	नगर नियोजन/नगर परिषद्/ नगर पंचायत/साडा क्षेत्र	12,000 रूपए	
	ग्राम पंचायत क्षेत्र	10,000 रूपए	
गोल्ड केटेगरी	नगर निगम क्षेत्र	12,000 रूपए	3000 रूपए से 9999 रूपए तक प्रतिदिन के ठहराव के लिए (दरें, पंजीकृत कमरों में उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार)
	नगर नियोजन/नगर परिषद्/ नगर पंचायत/साडा क्षेत्र	8000 रूपए	
	ग्राम पंचायत क्षेत्र	6000 रूपए	
सिल्वर केटेगरी	नगर निगम क्षेत्र	8000 रूपए	3000 रूपए से कम प्रति कमरा प्रतिदिन (दरें, पंजीकृत कमरों में उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार)
	नगर नियोजन/नगरपरिषद्/ नगर पंचायत/साडा क्षेत्र	5000 रूपए	
	ग्राम पंचायत क्षेत्र	3000 रूपए	

*नवीनीकरण शुल्क, पंजीकरण शुल्क के समान। पंजीकरण/नवीनीकरण एक वर्ष अथवा तीन वर्ष के लिए किया जा सकता है। एकमुश्त तीन साल के लिए पंजीकरण पर शुल्क में 10 प्रतिशत की छूट।

होम स्टे के लिए ब्याज अनुदान योजना (Interest Subvention Scheme)

प्रदेश सरकार ने होम स्टे के लिए ब्याज अनुदान योजना (Interest Subvention Scheme) भी शुरू की है ताकि लोग इस योजना का लाभ उठा कर अपनी आय के साधन भी बढ़ा सकें। यह योजना दिसंबर, 2027 तक या किसी अन्य अधिसूचित तारीख तक लागू रहेगी।

योजना के तहत डायमंड व गोल्ड केटेगरी के होम स्टे हेतु ऋण राशि अधिकतम 2 करोड़ रूपए (मूलधन राशि पर) शहरी, ग्रामीण व जनजातीय क्षेत्र में ब्याज अनुदान राशि क्रमशः 3, 4 व 5 प्रतिशत रहेगी।

ब्याज अनुदान, टर्म लोन पर पर्यटन इकाई बनाने अथवा विस्तार करने या अपग्रेड करने के लिए मिलेगा।

सिल्वर केटेगरी में ऋण सीमा एक करोड़ रूपए अथवा उससे कम रहेगी। इसमें वही इकाईयां ऋण के लिए पात्र होंगी जिनका निवेश पांच करोड़ या उससे कम का होगा।

ब्याज अनुदान स्कीम के अंतर्गत नई पर्यटन इकाई का कार्य ऋण वितरित होने के दो वर्ष के भीतर पूर्ण करना अनिवार्य है। **ब्याज अनुदान** की अवधि Moratorium सहित तीन साल के लिए है।

पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग, हिमाचल प्रदेश, शिमला-171009 | Website : https://himachaltourism.gov.in

भारतेन्दु शिखर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शिमला | शनिवार, 15 अगस्त 2026 | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

स्वतंत्रता दिवस की देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

'भारतेन्दु शिखर' परिवार की तरफ से सभी सुधि पाठकों, एजेंट मित्रों, वितरक बंधुओं और विज्ञापनदाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

अंक बंद रहेगा

स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को अवकाश रहेगा। अत: 16 अगस्त के अंक का प्रकाशन नहीं होगा। हमारा अगला अंक अब 17 अगस्त को उपलब्ध होगा। -प्रबंधक

छात्र गलत हों, तब भी उन्हें विरोध करने का है अधिकार : सीजेआई

हैदराबाद यूनिवर्सिटी में विरोध करने वाले छात्रों का पंजीयन रोकने पर बार काउंसिल को फटकार

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हैदराबाद की लॉ यूनिवर्सिटी, एनएएलएसएआर से जुड़े विवाद पर काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को फटकार लगाई। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भले ही छात्रों का फैसला गलत हो या उन्हें किसी ने गलत सलाह दी हो, फिर भी उन्हें अपनी बात रखने और विरोध करने का अधिकार है।

जस्टिस सूर्यकांत ने बीसीआई के उस सर्कुलर पर भी नाराजगी जताई, जिसमें एनएएलएसएआर के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स का वकील के तौर पर एनरोलमेंट रोकने को कहा गया था। सीजेआई ने कहा- यह मेरे और छात्रों के बीच का मामला है। इसे मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं थी। बार काउंसिल इसमें दखल देने वाला कौन होता है? सुप्रीम कोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस भी जारी किया व यूनिवर्सिटी के किसी छात्र या फैकल्टी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया। एनएएलएसएआर के करीब 450 छात्र जस्टिस सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह 2026का चीफ गेस्ट बनाए जाने का विरोध कर रहे हैं।

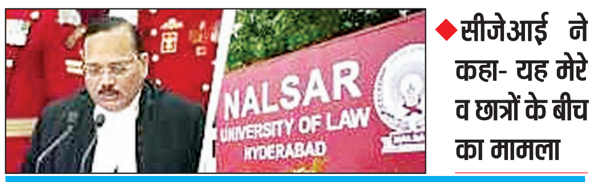

◆ **सीजेआई ने कहा- यह मेरे व छात्रों के बीच का मामला**

सीजेआई की टिप्पणी से नाराज हैं छात्र

एनएएलएसएआर यानी नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च, हैदराबाद की लॉ यूनिवर्सिटी है। यहां करीब 1,400 छात्र पढ़ते हैं। इनमें से करीब 450 छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को पत्र लिखकर सीजेआई को चीफ गेस्ट बनाने का न्योता वापस लेने की मांग की थी। समारोह की तारीख अभी तय नहीं है। छात्रों की नाराजगी सीजेआईकी पिछले महीने की एक टिप्पणी को लेकर थी। यह टिप्पणी नीट प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान की गई थी।

समय रैना समेत पांच कॉमेडियन के केस रद्द

नई दिल्ली। इंजियाज गॉट लेटेंट विवाद में यूट्यूबर और कॉमेडियन समय रैना समेत पांच कॉमेडियन के खिलाफ दर्ज केस को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। इन पर शो में दिव्यांग बच्चे पर गलत कमेंट करने का आरोप था। समय रैना के अलावा विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर उर्फ सोनाली आदित्य देसाई और निशांत जगदीश तंवर को भी राहत मिली है। मामले की सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने की। कोर्ट ने इन पांचों की ओर से दिव्यांग लोगों के लिए जागरूकता और फंड जुटाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।

उत्तराखंड के चमोली टनल में पानी भरा, 7 की मौत

सीएम धामी ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव अभियान का किया निरीक्षण

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले के मायापुर-पीपलकोटी क्षेत्र में टीएचडीसी की निर्माणाधीन सुरंग में मलबा व पानी भरने से हुए हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो गई। शेष अन्य लोगों को निकालने के लिए राहत व बचाव अभियान जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार को बेहद खराब मौसम के बीच पीपलकोटी पहुंचे।

जिला प्रशासन के अनुसार, विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टीआरटी टनल में वीरवार शाम भू-धंसाव के कारण करीब 1.50 किलोमीटर हिस्से में मलबा और पानी भर गया। टनल की कुल लंबाई करीब तीन किलोमीटर है। हादसे के बाद टनल में 22 लोगों के फंसे होने की सूचना मिली थी। जिलाधिकारी गौरव कुमार रातभर घटनास्थल पर मौजूद रहकर बचाव अभियान की निगरानी करते रहे। प्रशासन के मुताबिक बचाव अभियान में अब तक शेष लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी हैं। राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग के लिए टनल के भीतर गए छह बचावकर्मी भी सुरक्षित हैं।

◆ **खराब मौसम के बीच पीपलकोटी पहुंचे मुख्यमंत्री**

जिला प्रशासन के अनुसार, घायलों का जिला चिकित्सालय गोपेश्वर में उपचार किया जा रहा है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, पुलिस तथा अन्य तकनीकी एवं विशेषज्ञ टीमें राहत और बचाव अभियान में जुटी हैं। टनल के भीतर मलबा और पानी होने के कारण बचाव दल को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों और बचाव दलों को सभी उपलब्ध संसाधनों और तकनीकी सहायता का इस्तेमाल करते हुए फंसे लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकालने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने कहा कि अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ जारी रखा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार को बेहद खराब मौसम के बीच पीपलकोटी पहुंचे। प्रतिकूल मौसम के कारण हेलीकॉप्टर की लैंडिंग भी कठिन परिस्थितियों में हुई। मुख्यमंत्री ने टीएचडीसी की निर्माणाधीन सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए चलाए जा रहे राहत एवं बचाव अभियान का स्थलीय निरीक्षण किया।

स्वतंत्रता दिवस पर 1057 कर्मचारी वीरता और सेवा पदक से होंगे सम्मानित

एजेंसी, नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर सरकार ने पुलिस, अग्निशमन सेवा, होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा तथा सुधार सेवा के 1057 कर्मियों को वीरता और सेवा पदक से सम्मानित करने की घोषणा की।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को वीरता के 301 पदकों की सूची जारी की। इनमें पुलिसकर्मियों के लिए 272 और अग्निशमन सेवा के कर्मियों के लिए 29 पदक शामिल हैं। 301 वीरता पदकों में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के 197, जम्मू-कश्मीर के 51, पूर्वोत्तर के 12 और अन्य क्षेत्रों के 41 कर्मी शामिल हैं। कुल 92 राष्ट्रपति पदक भी प्रदान किए गए हैं। इनमें पुलिस सेवा के 83, अग्निशमन सेवा के चार, नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड सेवा के तीन तथा सुधार सेवा के दो पदक शामिल हैं। इसके अलावा 664 सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए गए हैं। इनमें पुलिस सेवा के 606, अग्निशमन सेवा के 28, नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड सेवा के 18 तथा सुधार सेवा के 12 कर्मी शामिल हैं।

हमीरपुर में खुलेगा हिमाचल का पहला साइंस कॉलेज : सुक्खू

सीएम ने कहा- सरकार उच्च शिक्षा में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए बना रही नीति

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हमीरपुर में हिमाचल प्रदेश का पहला 'साईंस कॉलेज' खोलने की घोषणा की।

इस महाविद्यालय के निर्माण पर लगभग 100 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए 80 कनाल भूमि चिन्हित की जा चुकी है और परियोजना के लिए 20 करोड़ रुपए जारी कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने हमीरपुर में एलाइड एवं स्वास्थ्य सेवा महाविद्यालय खोलने की भी घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जिले में 74 एकड़ भूमि पर एम्स स्तर का आयुर्वेदिक संस्थान भी स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री हमीरपुर स्थित राजकीय महाविद्यालय के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांगड़ा को प्रदेश की पर्यटन राजधानी का दर्जा दिया गया है जबकि हमीरपुर प्रदेश की शिक्षा राजधानी है। उन्होंने कहा कि हमीरपुर के विद्यार्थी पूरे देश में प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन गांवों में पढ़ने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उनके घर के निकट गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में 156 से अधिक सीबीएसई स्कूल खोले गए हैं। इन स्कूलों के खुलने के बाद विद्यार्थियों के नामांकन में 24,000 की वृद्धि हुई है।

जंतर-मंतर पर गोली नहीं चली : रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि जंतर-मंतर पर पुलिस ने प्रदर्शन को रोकने के लिए ज्यादा बल का प्रयोग नहीं किया। इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में रिजिजू ने कहा कि, जब हजारों की भीड़ संसद की तरफ बढ़ेगी तो सुरक्षाबल रोकने का प्रयास तो करेंगे। रिजिजू ने आगे कहा कि, विपक्ष प्रदर्शन के दौरान गोली चलने का झूठा दावा कर रहा है। जब जंतर-मंतर पर गोली चली ही नहीं, तो किसने चलाई का सवाल नहीं उठता। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान पुलिस ने पैलेट गन समेत अत्यधिक बल का इस्तेमाल किया। रिजिजू ने कहा कि अगर हजारों लोगों के प्रदर्शन में पैलेट गन चलाई गई होती तो बड़ी संख्या में लोग घायल होते।

आजादी के बाद पहली बार जनगणना में पूछी जाएगी जाति, 40 सवाल पूछेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जनगणना-2027 के लिए 40 सवालों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें लोगों से एससी, एसटी या अन्य जाति के बारे में पूछा जाएगा। आजादी के बाद यह पहली बार होगा, जब सभी समुदायों की जाति की जानकारी जनगणना में दर्ज की जाएगी।

इससे पहले 2011 की जनगणना के फॉर्म में 29 सवाल थे। इसमें जाति से जुड़ी जानकारी के लिए सिर्फ एससी/एसटी का विकल्प था। जनगणना-2027 के सवालों की लिस्ट में जाति से जुड़ा सवाल नंबर 10 पर है, जिसमें एससी/एसटी के साथ जाति शब्द भी जोड़ा गया है। खास बात यह है कि लोगों से कोविड वैक्सीन कहां लगवाई थी, यह सवाल भी पूछा जाएगा। इसके साथ मोबाइल नंबर, आधार, वोटर आईडी और बैंक अकाउंट से जुड़े सवाल भी होंगे। जनगणना में व्यक्ति का नाम, परिवार के मुखिया से संबंध, लिंग, जन्मतिथि और उम्र पूछी जाएगी।

देश की पहली होगी डिजिटल जनगणना

जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। डेटा डिजिटल माध्यम से दर्ज किया जाएगा और लोगों को खुद अपनी जानकारी देने यानी सेल्फ-एन्यूमरेशन का विकल्प भी मिलेगा। जनगणना की कानूनी प्रक्रिया सेंसस एक्ट, 1948 और सेंसस रूल्स, 1990 के तहत होगी।

जुलाई में थोक महंगाई 9.87% से घटकर 9.78% हुई

एजेंसी, नई दिल्ली। जुलाई में थोक महंगाई दर मामूली घटकर 9.78% हो गई। एक महीने पहले जून में ये 9.87% थी। जुलाई की दर जून के मुकाबले 0.09% कम रही। 14 अगस्त को सरकार ने ये आंकड़े जारी किए हैं। महंगाई दर घटकर 9.78% पर आने का मतलब यह है कि सामान सस्ता नहीं हुआ है, बल्कि उसके महंगे होने की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी है। यानी जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 109.78 का है। कीमतें नीचे गिरने के बजाय अब भी बढ़ ही रही हैं, बस उनके बढ़ने की स्पीड जून के मुकाबले जुलाई में मामूली सी सुस्त हुई है।

कांग्रेस ने सत्ता के लिए देश के किए टुकड़े : सीएम योगी

लखनऊ में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर निकाली मौन पदयात्रा

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 में विभाजन, विश्व मानवता के इतिहास में सबसे काले अध्यायों में से एक है। योगी ने कहा कि यह शर्मनाक कृत्य सत्ता के प्रति आतुर कांग्रेस ने किया। सत्ता के लिए देश के टुकड़े किए गए। योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवसर पर गांधी प्रतिमा से लोक भवन तक मौन पदयात्रा निकाली। इस अवसर पर लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में विभाजन की त्रासदी के पीड़ित परिवारों ने अपने अनुभव साझा किए। मुख्यमंत्री योगी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत का विभाजन एक त्रासदी थी। बंटवारे की कीमत आज भी देश चुका रहा है।

आरजी कर केस में गिरफ्तार पूर्व टीएमसी विधायक पर हमला; भीड़ ने पीटा, जूते-अंडे फेंके

एजेंसी, कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में गिरफ्तार पूर्व टीएमसी विधायक निर्मल घोष पर शुक्रवार को भीड़ ने हमला किया।

पुलिस उन्हें नॉर्थ 24 परगना जिले के खरदह थाने से बैरकपुर कोर्ट ले जा रही थी। इसी दौरान भीड़ ने उन्हें घेरकर लात-घूंसों से पीटा। लोगों ने जूते-चप्पल, अंडे और कीचड़ भी फेंका। दूसरे आरोपी संजीब मुखर्जी को भी भीड़ के गुस्से का सामना करना पड़ा। पुलिस और आरएएफ के जवानों ने उनके सिर पर हेलमेट लगा दिया। इसके बावजूद निर्मल घोष के कपड़ों पर कीचड़ और अंडे के निशान दिखे। बैरकपुर कोर्ट पहुंचने पर भी लोगों ने 'चोर-चोर' के नारे लगाए। पुलिस ने दोनों आरोपी को कोर्ट लॉकअप में पहुंचाया।

भारतीय व्यापार महोत्सव में शामिल हुईं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कहा-

सरकार उनके परिश्रम के साथ मजबूती से खड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को भारत मंडपम में आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 में शामिल हुईं।

उन्होंने कहा कि व्यापारी और उद्यमी देश की आर्थिक शक्ति मजबूत कर रहे हैं तथा दिल्ली सरकार उनके परिश्रम के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'स्वदेशी' आज आत्मनिर्भर भारत का आत्मविश्वास बन चुका है। व्यापारी, उद्यमी व एमएसएमई केवल कारोबार नहीं बढ़ा रहे, वे परिवारों की खुशहाली, युवाओं के रोजगार और भारत की आर्थिक शक्ति को मजबूत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार भी उनके इस परिश्रम के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो सिस्टम, सेल्फ-सर्टिफिकेशन और 'स्वचालित मंजूरी' जैसे सुधारों के जरिए पुरानी जटिल मंजूरी व्यवस्था को सरल बनाया जा रहा है, ताकि व्यापारी का समय दफ्तरों के चक्कर में नहीं, अपने कारोबार और सपनों को आगे बढ़ाने में लगे।

डॉ. धन सिंह रावत बोले, एकजुटता से द्वाराहाट में खिलेगा कमल

द्वाराहाट में भाजपा की जीत के लिए डॉ. धन सिंह रावत ने संभाली कमान

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

विकास बलोनी। अल्मोड़ा जनपद के प्रभारी मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शुक्रवार को द्वाराहाट विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं बैठकों में प्रतिभाग किया। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ आगामी कार्यक्रमों, बूथ प्रबंधन और संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी एकजुटता और समर्पण के साथ संगठन के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

डॉ. रावत ने भारतीय जनता पार्टी, द्वाराहाट मंडल के शक्ति केंद्र असगोली की बैठक में प्रतिभाग करते हुए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए आवश्यक टिप्स एवं दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि द्वाराहाट में कमल खिलाने के संकल्प के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी एकजुटता और समर्पण से कार्य करेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं के उत्साह और समर्पण को संगठन की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती का आधार बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता के साथ निरंतर संवाद है।

इसके उपरांत डॉ. रावत ने मंडल अध्यक्षों, मंडल महामंत्रियों, जिला पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं पूर्व पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकों में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं पार्टी की गतिविधियों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय, बूथ स्तर पर सक्रियता तथा आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा

दरअसल विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों के क्रम में भाजपा ने प्रदेश की उन 23 विधानसभा सीटों पर विशेष फोकस किया है, जहां वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को जीत नहीं मिली थी। इन सीटों पर चुनावी प्रबंधन को मजबूत करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को व्यक्तिगत जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को द्वाराहाट विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है।

संगठन और बूथ प्रबंधन पर मंथन

डॉ. रावत ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और जनता से निरंतर संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। इससे पहले द्वाराहाट पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने डॉ. रावत का गर्मजोशी से स्वागत किया।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

अनिल थपलियाल। एडिफाई वर्ल्ड स्कूल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की पुण्यतिथि के अवसर पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने महान समाजसेविका, कुशल प्रशासक एवं दूरदर्शी महिला नेतृत्वकर्ता के जीवन और आदर्शों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। सभा में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके राष्ट्र, समाज एवं जनकल्याण के लिए किए गए अतुलनीय कार्यों को याद किया। विद्यालय के निदेशक एडवोकेट डॉ. पंकज होलकर एवं प्रधानाचार्य प्रदीप गौर ने विद्यार्थियों को देवी अहिल्याबाई होलकर जी के प्रेरणादायी जीवन, दूरदर्शी नेतृत्व, न्यायप्रियता, सामाजिक कल्याण एवं जनसेवा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि अहिल्याबाई होलकर जी का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व सत्ता या पद से नहीं, बल्कि सेवा, करुणा, न्याय, संस्कार और समाज के कल्याण से पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने अपने जीवन में अनेक कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन किया।

रुद्रप्रयाग में मासिक अपराध समीक्षा बैठक, 27 पुलिसकर्मी सम्मानित

अनिल थपलियाल। जनपद रुद्रप्रयाग में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर की अध्यक्षता में मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में जिला अभियोजन निदेशालय, समस्त कोतवाली एवं शाखा प्रभारी तथा विवेचकों ने प्रतिभाग किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं के निस्तारण तथा केदारनाथ धाम यात्रा के दूसरे चरण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना रहा।

बैठक की शुरुआत में विगत महीनों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले 27 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए 60 और 90 दिवस से अधिक समय से लंबित मामलों तथा पार्ट-पेंडिंग विवेचनाओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने डिजिटल पुलिसिंग के तहत विभिन्न पोर्टलों की नियमित निगरानी और शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण पर भी जोर दिया। महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। नशा कारोबारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और गुमशुदा महिलाओं एवं बालिकाओं की शीघ्र तलाश के निर्देश भी दिए गए।

पौड़ी परिसर में टीबी स्क्रीनिंग शिविर, 76 लोगों के हुए एक्स-रे

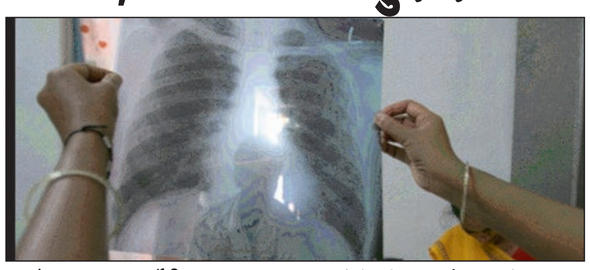

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल

स्वास्थ्य विभाग पौड़ी की ओर से टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के बीजीआर परिसर पौड़ी में स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीबी स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में परिसर के छात्रावासों में रहने वाले छात्र-छात्राओं और संबंधित कार्मिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

शुक्रवार को आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आवश्यक जांच और स्क्रीनिंग की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान विद्यार्थियों एवं कार्मिकों को टीबी के लक्षणों, बचाव, समय पर जांच तथा उपचार के महत्व की जानकारी दी गई। शिविर में कुल 76 लोगों के टीबी एक्स-रे किए गए।

परिसर निदेशक प्रो. यूसी गैरोला ने कहा कि स्वस्थ विद्यार्थी ही स्वस्थ समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य जांच को विद्यार्थियों और कार्मिकों के लिए उपयोगी पहल बताया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने टीबी से बचाव के उपायों और बीमारी के शुरुआती लक्षणों के प्रति भी जागरूक किया।

नरेंद्रनगर में आज से लगेगा जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रशिक्षण शिविर

◆ 30 बालक-बालिकाओं को मिलेगा एथलेटिक्स प्रशिक्षण

अनिल थपलियाल। टिहरी गढ़वाल के तत्वावधान में जिला क्रीड़ा विभाग नरेंद्रनगर द्वारा अनुसूचित जाति के बालक-बालिकाओं के लिए एथलेटिक्स खेल का जिला स्तरीय विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह विशेष प्रशिक्षण शिविर राजकीय इंटर कॉलेज खनाना, नरेंद्रनगर, टिहरी गढ़वाल में 15 अगस्त से 29 अगस्त, 2026 तक आयोजित होगा। शिविर में कुल 30 खिलाड़ी, जिसमें 15 बालक एवं 15 बालिकाएं प्रतिभाग करेंगे।

शिविर में प्रतिभाग करने वाले बालक-बालिकाओं को खेल विभाग के मानकों के अनुसार खेल प्रशिक्षण, भोजन, आवासीय सुविधा, आने-जाने का किराया, अनुसांगिक व्यय तथा खेल किट की सुविधा प्रदान की जाएगी। विशेष प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग करने वाले बालक-बालिकाओं को 03 सितंबर से 17 सितंबर, 2026 तक खेल विभाग की देख-रेख में रहना होगा।

स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव नहीं नए संकल्पों का अवसर: राज्यपाल

◆ राज्यपाल ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

अनिल थपलियाल। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने देश एवं प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने स्वतंत्रता संग्राम के सभी ज्ञात-अज्ञात वीर सेनानियों, अमर शहीदों और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और अदम्य साहस के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में अपने सपनों को साकार करने के लिए स्वतंत्र हैं।

राज्यपाल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को नए संकल्प और समर्पण के साथ निभाने का अवसर भी है। वर्ष 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तब तक विकसित, आत्मनिर्भर, समृद्ध और विश्व को नई दिशा देने वाले भारत के निर्माण का संकल्प साकार करना हमारा लक्ष्य होगा। इस राष्ट्रीय संकल्प की सिद्धि में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी और योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि इस स्वतंत्रता दिवस पर हमें तीन प्रमुख संकल्पों- 'राष्ट्र प्रथम', 'नशामुक्त भारत' और '2047 तक विकसित भारत' को अपने व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। 'राष्ट्र प्रथम' की भावना देश के प्रति निष्ठा, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के सम्मान, कर्तव्यों के ईमानदारी से निर्वहन, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक समरसता से जुड़ी है।

सांसद अनिल बलूनी की कार पर गिरा बोल्डर, बाल-बाल बचे

अनिल थपलियाल। चमोली के पीपलकोटी में हुए टनल हादसे का जायजा लेने जा रहे गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी की इनोवा कार पर तोताघाटी के समीप अचानक बोल्डर गिर गया। हादसे में सांसद समेत वाहन में सवार सभी लोग बाल-बाल बच गए। बोल्डर गिरने से कार को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी को चोट नहीं आई। श्रीनगर भाजपा मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल ने बताया कि वाहन की आवश्यक मरम्मत कराने के बाद सांसद बलूनी अपना दौरा जारी रखते हुए प्रभावित क्षेत्र के लिए रवाना हो गए।

पिथौरागढ़ में बारिश बनी आफत थल-मुनस्यारी सहित कई मार्ग बंद

◆ 1973 में ही पंतनगर आ चुका था, खरगे ने धामी को दिया जवाब

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में शुक्रवार सुबह से शाम चार बजे तक लगातार मूसलधार वर्षा जारी रही। करीब छह घंटे तक हुई भारी बारिश के कारण जिले में आपदा जैसे हालात बन गए। मुनस्यारी सहित क्षेत्र में गुरुवार रात से लगातार हो रही बारिश के बीच कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर सड़क पर आने से कई मोटर मार्गों पर आवाजाही प्रभावित हो गई है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

मुनस्यारी क्षेत्र में भारी बारिश के चलते थल-मुनस्यारी मोटर मार्ग के ला-झेकला क्षेत्र में जबरदस्त भूस्खलन हुआ है। पहाड़ी से मलबा और बोल्डर सड़क पर आने से मार्ग पूरी तरह प्रभावित हो गया है। ला झेकला में पहले भी भारी भूस्खलन की घटना हो चुकी है। 7 अगस्त 2009 को यहां हुए भारी भूस्खलन में 44 लोगों की मलबे में दबकर मौत हो गई थी। ऐसे में वर्तमान में दोबारा भूस्खलन होने से क्षेत्र में लोगों की चिंता बढ़ गई है।

लगातार बारिश के कारण थल-मुनस्यारी और जौलजीबी-मुनस्यारी मार्ग बंद हो गए हैं। मार्गों के बंद होने से मुनस्यारी तहसील का संपर्क प्रभावित हुआ है। क्षेत्र के सभी नदी-नाले उफान पर हैं।

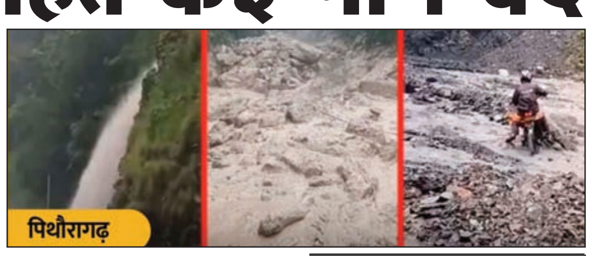

थल-मुनस्यारी मार्ग पर भूस्खलन

थल-मुनस्यारी मार्ग पर रातीगाड़ में भारी भूस्खलन के साथ नाला भी उफान पर आ गया है। इसके बावजूद कुछ लोग जान जोखिम में डालकर आवाजाही करते दिखाई दे रहे हैं। ला झेकला में बला नाले का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। जलस्तर बढ़ने और सड़क पर मलबा आने के कारण मार्ग पर आवाजाही बंद है। वहीं जौलजीबी-मुनस्यारी मार्ग घिघरानी से आगे कई स्थानों पर बंद हो चुका है। टनकपुर-तवाघाट हाईवे भी कूलागाड़ और एलागाड़ सहित कई स्थानों पर प्रभावित हुआ है। तवाघाट-लिपुलेख मार्ग भी रात से ही बंद बताया गया है। भारी बारिश के कारण मुनस्यारी तहसील सहित पूरी चीन सीमा से संपर्क प्रभावित हुआ है। क्षेत्र के सौ से अधिक गांवों का अपने तहसील मुख्यालयों से संपर्क कट गया है।

काली-गोरी नदी का जलस्तर बढ़ा

भारी बारिश के चलते काली और गोरी नदी का जलस्तर भी अत्यधिक बढ़ गया है। नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जौलजीवी पुलिस पूरी तरह सतर्क है। अपर उपनिरीक्षक महेश पंत ने आम जनता से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने लोगों से नदी किनारे जाने से बचने और बच्चों तथा बुजुर्गों को नदी-नालों से दूर रखने को कहा है। पुलिस ने लोगों से अनावश्यक रूप से जोखिम न उठाने की अपील करते हुए सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

बीएसएनएल ने उत्तराखंड में बढ़ाया 4जी नेटवर्क का दायरा

बीएसएनएल 85 नए टावरों से उत्तराखंड के दुर्गम क्षेत्रों में बढ़ाएगा कनेक्टिविटी

अनिल थपलियाल। भारत संचार निगम लिमिटेड उत्तराखंड के दूरस्थ, ग्रामीण, पहाड़ी और सीमांत क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए स्वदेशी 4जी तकनीक का तेजी से विस्तार कर रहा है। बीएसएनएल उत्तराखंड दूरसंचार परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक मनमोहन सिंह ने बताया कि पिछले दो से तीन वर्षों में प्रदेश में 1,795 नए 4जी साइट्स शुरू किए गए हैं। इनमें ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है।

भारत सरकार की 4जी सैचुरेशन परियोजना के तहत अब तक करीब 500 टावरों के माध्यम से लगभग 2,600 गांवों को बीएसएनएल के 4जी नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है। इसके अलावा करीब 85 नए टावरों के सर्वेक्षण और निर्माण का कार्य जारी है। इनके पूरा होने के बाद लगभग 200 और गांवों को 4जी नेटवर्क से जोड़ने की संभावना है।

बीएसएनएल नेटवर्क विहीन क्षेत्रों के लिए उपग्रह आधारित सैटेलाइट फोन सेवा भी उपलब्ध करा रहा है। इससे दुर्गम पहाड़ी और जंगल क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क के अभाव में भी वॉइस कॉल और एसएमएस की सुविधा मिल सकती है। अधिकारियों के अनुसार बेहतर कनेक्टिविटी से शिक्षा, स्वास्थ्य, ई-गवर्नेंस और पर्यटन को भी लाभ मिलेगा।

मास्टर करतारसिंह की 26वीं पुण्यतिथि पर 'भारत के देशभक्त' समारोह आयोजित

अनिल थपलियाल। आजादी हमें भीख में नहीं मिली थी, इसके लिए क्रांतिकारी फांसी के फंदे पर झूल गए। अंग्रेजों ने लाखों आंदोलनकारियों को मौत की नींद सुला दिया। आजाद हिंद फौज के हजारों योद्धा इस जंग में शहीद हुए। स्वतंत्रता संग्राम में लाखों सेनानियों को कैद और काला पानी की सजाएं हुईं। आजादी के योद्धाओं का बलिदान आज के राजनीतिज्ञों की संवेदनाओं को झकझोरने वाला पाठ है, जहां चरित्र, ईमानदारी, नैतिकता, आदर्श और त्याग का महत्व समझना जरूरी है।

विकास कल्जीखाल में सड़क सुधरेगी, दुगड्डा में बनेगा पुल, सरकार ने जारी किए करोड़ों रुपए

सड़क सुधार के लिए पौड़ी को मिले 6.76 करोड़ रुपए

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद पौड़ी गढ़वाल के पौड़ी और कोटद्वार विधानसभा क्षेत्रों में सड़क एवं पुल निर्माण से जुड़ी दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए कुल 6.76 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से संबंधित क्षेत्रों में सड़क संपर्क बेहतर होने के साथ ही आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित होगा। सरकार की ओर से स्वीकृत इन परियोजनाओं को जिले में सड़क एवं पुल अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पौड़ी विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड कल्जीखाल में कांसखेत-असगढ़-घंडियालधार-अलासू-कुनकुली मोटर मार्ग के किलोमीटर 13 से 17 के मध्य सुधारीकरण कार्य के लिए 3.45 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस मार्ग के सुधारीकरण से क्षेत्र के ग्रामीणों एवं स्थानीय लोगों को बेहतर यातायात सुविधा मिलने के साथ आवागमन में सुगमता आएगी। सड़क की स्थिति बेहतर होने से लोगों को आवाजाही में होने वाली परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है।

पर्वतीय क्षेत्रों में सड़कें स्थानीय लोगों के लिए जीवनरेखा का कार्य करती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्गों और बाजारों से जोड़ने के साथ ही इन सड़कों के माध्यम से लोग शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच बना पाते हैं। ऐसे में कांसखेत-असगढ़-घंडियालधार-अलासू-कुनकुली मोटर मार्ग के सुधारीकरण को स्थानीय लोगों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

क्षेत्र की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

वहीं, कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड दुगड्डा के अंतर्गत गब्बर सिंह कैंप, कोटद्वार में 36 मीटर स्पान डबल लेन सेतु के निर्माण के लिए 3.31 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। पुल के निर्माण से क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। डबल लेन सेतु बनने के बाद इस क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को और सुगम बनाने में मदद मिलेगी। पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों के बीच बेहतर संपर्क के लिए पुलों का निर्माण बेहद महत्वपूर्ण है।

स्थानीय लोगों को होगा सीधा लाभ

बरसात के मौसम में नदियों और बरसाती गदेरों के कारण कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित होता है। ऐसे में मजबूत और सुरक्षित पुल स्थानीय लोगों के लिए महत्वपूर्ण आधारभूत सुविधा साबित होते हैं। गब्बर सिंह कैंप में प्रस्तावित 36 मीटर स्पान डबल लेन सेतु के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री की ओर से स्वीकृत दोनों परियोजनाओं में से एक सड़क सुधारीकरण और दूसरी पुल निर्माण से संबंधित है।

आवागमन होगा सुगम

पर्वतीय क्षेत्रों में सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं हैं, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। गांवों को मुख्य बाजारों से जोड़ने के साथ ही सड़कें स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसरों तक लोगों की पहुंच आसान बनाती हैं। इसी दृष्टि से स्वीकृत सड़क परियोजना को क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि परियोजनाओं का कार्य निर्धारित समय में पूरा होगा और सड़क संपर्क में अपेक्षित सुधार दिखाई देगा। सड़क एवं पुल अवस्थापना के मजबूत होने से क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ ही पर्यटन और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिल सकती है। स्वीकृत परियोजनाओं से क्षेत्रवासियों में विकास कार्यों को लेकर उम्मीद बढ़ी है।

स्वतंत्रता दिवस पर साइबर ठग सक्रिय, एक क्लिक से खाली हो सकता है खाता

स्वतंत्रता दिवस पर फर्जी लिंक और संदिग्ध फाइलों से सावधान, 1930 पर तुरंत करें शिकायत

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर सोशल मीडिया और डिजिटल मंचों पर शुभकामना संदेशों की बाढ़ आ जाती है। इसी भीड़ और लोगों के भरोसे का फायदा उठाने के लिए साइबर अपराधी भी सक्रिय हो जाते हैं। रिश्तेदारों और दोस्तों से मिलने वाले बधाई संदेशों के बीच आया कोई फर्जी लिंक, लुभावना उपहार प्रस्ताव या संदिग्ध फाइल आपकी जिंदगी भर की जमा-पूंजी को खतरे में डाल सकती है। साइबर ठग ऐसे मौकों पर लोगों की भावनाओं और उत्सुकता का फायदा उठाकर उनके मोबाइल का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश करते हैं।

जान-पहचान वालों के संदेश से भी रहें सावधान : मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और साइबर विशेषज्ञों ने आम लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। पुलिस का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस या किसी अन्य त्योहार के दौरान यदि सोशल मीडिया पर मुफ्त उपहार, विशेष छूट, पुरस्कार या लकी ड्रॉ से संबंधित कोई संदेश या लिंक मिले तो उस पर बिना जांच के क्लिक न करें।

विशेषज्ञों के अनुसार संदिग्ध संदेश किसी अनजान नंबर के बजाय किसी परिचित या करीबी व्यक्ति के नंबर से भी आ सकता है। इसका कारण यह हो सकता है कि उस व्यक्ति का मोबाइल या सामाजिक मंच पहले ही साइबर अपराधियों के कब्जे में आ चुका हो। इसलिए केवल पहचान के आधार पर किसी संदेश को सुरक्षित न मानें।

एक लिंक से फैलता है साइबर ठगी का जाल : साइबर विशेषज्ञों के मुताबिक ठग राष्ट्रीय पर्वों और त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में संदेश भेजने की रणनीति अपनाते हैं। सबसे पहले किसी व्यक्ति के मोबाइल या खाते को निशाना बनाया जाता है। इसके बाद उसके संपर्क में मौजूद लोगों को आकर्षक संदेशों के साथ फर्जी लिंक भेजे जाते हैं।

चूंकि संदेश परिचित के नंबर से आता है, इसलिए लोग उस पर आसानी से भरोसा कर लेते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति लिंक खोलता है या उसमें दिए निर्देशों का पालन करता है, उसके मोबाइल में हानिकारक सॉफ्टवेयर पहुंच सकता है। इसके बाद ठग निजी जानकारी, संदेश, बैंकिंग संबंधी विवरण और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री तक पहुंच बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

पीडीएफ और एपीके फाइल में अंतर समझें : साइबर सेल के विशेषज्ञों ने लोगों को विशेष रूप से एपीके फाइलों से सावधान रहने की सलाह दी है। आम तौर पर पीडीएफ एक दस्तावेज फाइल होती है, जबकि एपीके मोबाइल में किसी एप्लीकेशन को स्थापित करने वाली फाइल होती है। संदिग्ध एपीके फाइल खोलने या स्थापित करने पर मोबाइल में हानिकारक एप्लीकेशन पहुंच सकती है।

ऐसी स्थिति में अपराधी मोबाइल में मौजूद निजी जानकारी, संदेश, तस्वीरों और बैंकिंग संबंधी गतिविधियों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर सकते हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि शादी के डिजिटल निमंत्रण, त्योहार की शुभकामनाओं, उपहार और अन्य आकर्षक प्रस्तावों के नाम पर भेजी जाने वाली संदिग्ध फाइलों से भी सावधान रहना चाहिए।

ठगी होने पर तुरंत करें शिकायत : यदि किसी व्यक्ति ने गलती से संदिग्ध लिंक खोल लिया है या उसके साथ साइबर ठगी हो गई है तो उसे तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। खासकर वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति में राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल शिकायत करने की सलाह दी गई है।

रक्षाबंधन पर छुट्टियों में भी खुलेंगे बठिंडा के छह डाकघर

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा

रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुए डाक विभाग ने लोगों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की है। बठिंडा मंडल के छह प्रमुख डाकघर 15 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक प्रत्येक रविवार और सरकारी अवकाश के दिन भी खुले रहेंगे। इस दौरान लोग राखी, पार्सल और अन्य जरूरी डाक सामग्री आसानी से भेज सकेंगे।

बठिंडा मंडल के अधीक्षक डाकघर महेश बिंदल ने बताया कि बठिंडा प्रधान डाकघर, बठिंडा सिटी उप डाकघर, मानसा उप डाकघर, रामपुरा फूल उप डाकघर, बुढलाडा उप डाकघर और रामा उप डाकघर निर्धारित अवधि में छुट्टियों के दिन भी आम लोगों के लिए खुले रहेंगे।

इन डाकघरों में सेवाओं का समय सुबह नौ बजे से शाम साढ़े चार बजे तक रहेगा। विभाग के इस फैसले से नौकरीपेशा लोगों और अन्य व्यस्त नागरिकों को भी छुट्टी के दिन डाक सेवाओं का लाभ उठाने की सुविधा मिलेगी।

छुट्टियों के दिन खुले रहने वाले इन डाकघरों में स्पीड पोस्ट, अंतरराष्ट्रीय डाक बुकिंग, पार्सल बुकिंग और पार्सल पैकिंग जैसी प्रमुख सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा आधार नामांकन और आधार में सुधार से संबंधित सुविधाएं भी जारी रहेंगी। लोगों को गंगाजल वितरण की सेवा भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

रक्षाबंधन के दौरान बड़ी संख्या में लोग डाक के माध्यम से अपने भाई-बहनों को राखियां भेजते हैं। इसे देखते हुए डाक विभाग ने राखियों और अन्य सामान को सुरक्षित भेजने के लिए विशेष जलरोधक लिफाफे और डिब्बे भी उपलब्ध करवाए हैं। बारिश के मौसम में इनका उपयोग राखियों और अन्य डाक सामग्री को नमी से बचाने में मदद करेगा।

न्यूज ब्रीफ

चंडीगढ़ के सरकारी स्कूलों में बनेंगे नेटबॉल कोर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सरकारी स्कूलों में खेल सुविधाओं को मजबूत करने और विद्यार्थियों को नेटबॉल के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराने की दिशा में चंडीगढ़ शिक्षा विभाग और नेटबॉल स्पोर्ट्स प्रमोशन एसोसिएशन चंडीगढ़ के बीच समझौता ज्ञापन हुआ। सेक्टर-19 स्थित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में हुए इस समझौते के तहत दो सरकारी स्कूलों में नेटबॉल कोर्ट उपलब्ध कराए जाएंगे। समझौते पर जिला शिक्षा अधिकारी बीना रानी ने शिक्षा विभाग की ओर से हस्ताक्षर किए। वहीं एसोसिएशन की ओर से महासचिव प्रभजीत सिंह लांबा और संयुक्त सचिव निखिल यादव ने हस्ताक्षर किए। इसके तहत गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-20डी और सेक्टर-19सी को शामिल किया गया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि समर्पित नेटबॉल कोर्ट बनने से विद्यार्थियों को नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास का अवसर मिलेगा।

पंजाब कांग्रेस में हलचल तेज, राहुल गांधी के दौरे की संभावना

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़ । पंजाब कांग्रेस में चल रही अंदरूनी खींचतान के बीच पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की सक्रियता बढ़ गई है। विधानसभा चुनाव से पहले संगठन के मतभेद सुलझाने की कोशिशों के बीच राहुल गांधी इसी महीने के अंत में पंजाब का दौरा कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार उनके अमृतसर पहुंचने की संभावना है, जहां वह श्री हरमंदिर साहिब में नतमस्तक हो सकते हैं। राहुल गांधी के संभावित दौरे को लेकर पंजाब कांग्रेस के नेताओं में हलचल तेज हो गई है। उनके दौरे के दौरान वरिष्ठ नेताओं और राज्य इकाई के पदाधिकारियों के साथ बैठकें होने की संभावना भी जताई जा रही है। हालांकि, अभी अंतिम कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संगठन और गुटबाजी से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर रहे हैं। हाल ही में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने राहुल गांधी से मुलाकात की और पंजाब के विधायकों की बैठक के लिए समय मांगा।

बठिंडा में 9 अक्टूबर तक कई गतिविधियों पर सख्त पाबंदियां

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा । बठिंडा जिला मजिस्ट्रेट राजेश धीमान ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जिले में विभिन्न पाबंदियां लागू की हैं, जो 9 अक्टूबर तक प्रभावी रहेंगी। एयरपोर्ट के दो किलोमीटर के दायरे में लालटेन पतंग और अन्य खतरनाक पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिले में पीजी मालिकों के लिए पंजीकरण और विद्यार्थियों व किरायेदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य किया गया है। पीजी में अग्निशमन यंत्र और सीसीटीवी कैमरे लगाना भी जरूरी होगा। विवाह व अन्य समारोहों में पटाखे, आतिशबाजी और हवाई फायरिंग पर रोक रहेगी।

बेसुध युवक की बाइक और मोबाइल चोरी सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना । मॉडल टाउन फाटक के पास अचानक चक्कर आने से सड़क पर बेसुध होकर गिरे व्यक्ति की बाइक और मोबाइल चोरी होने का मामला सामने आया है। थाना डिवीजन नंबर पांच की पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में शिकायतकर्ता अभिषेक ने बताया कि आठ मई को वह काले और काले-चांदी रंग की मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा था। मॉडल टाउन फाटक पार करते समय उसे अचानक तेज चक्कर आया और वह बाइक समेत सड़क पर गिरकर बेहोश हो गया। एक अज्ञात व्यक्ति उसे इलाज के लिए दीपक अस्पताल ले गया। उपचार के बाद होश में आने पर अभिषेक घटनास्थल पर पहुंचा तो उसकी मोटरसाइकिल और उसमें रखा मोबाइल फोन गायब था।

चंडीगढ़ में डिजिटल रुपए से मिलेगा अब राशन, नई व्यवस्था हुई लागू

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

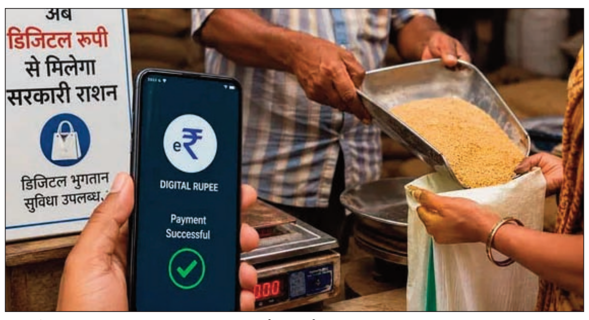

स्मार्टसिटी चंडीगढ़ में अब पात्र लाभार्थियों को राशन की सब्सिडी डिजिटल रुपये के माध्यम से मिलेगी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत यह नई व्यवस्था स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले शुक्रवार से शुरू कर दी गई है। चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली देश के पहले केंद्र शासित प्रदेश हैं, जहां योजना के सभी पात्र लाभार्थियों के लिए डिजिटल रुपये के माध्यम से सब्सिडी की व्यवस्था पूरी तरह लागू की जा रही है।

नई व्यवस्था के तहत पात्र लाभार्थियों को सब्सिडी की राशि सामान्य बैंक खाते में भेजने के बजाय भारतीय रिजर्व बैंक की डिजिटल मुद्रा डिजिटल रुपया के रूप में मिलेगी। यह राशि लाभार्थियों के डिजिटल रुपये वाले सीबीडीसी बटुए में जमा की जाएगी। इसके बाद लाभार्थी इस राशि का उपयोग निर्धारित खाद्य सामग्री खरीदने के लिए कर सकेंगे।

डिजिटल भुगतान को मिलेगा बढ़ावा : इस व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी योजनाओं में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना और लाभार्थियों तक सब्सिडी की राशि सीधे तथा पारदर्शी तरीके से पहुंचाना है। डिजिटल रुपये के माध्यम से भुगतान होने से लेनदेन की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित होने की उम्मीद है। साथ ही योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि के इस्तेमाल की निगरानी भी बेहतर तरीके से की जा सकेगी।

अधिकारियों के अनुसार डिजिटल मुद्रा आधारित व्यवस्था से सरकारी सहायता को निर्धारित उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करने में मदद मिलेगी। लाभार्थियों को अपने सीबीडीसी बटुए में प्राप्त डिजिटल राशि के माध्यम से निर्धारित खाद्य सामग्री खरीदने की सुविधा दी जाएगी। चंडीगढ़ में इस व्यवस्था की शुरुआत को डिजिटल प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अंबाला में सिख संगत पर पुलिस कार्रवाई से जत्थेदार नाराज, जताई कड़ी आपत्ति

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने अंबाला में शांतिपूर्ण धरना दे रही सिख संगत पर हरियाणा पुलिस की कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। उन्होंने पुलिस की ओर से लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे जाने को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। जत्थेदार ने कहा कि जब सरकार और सिख नेताओं के बीच बातचीत चल रही थी, उसी दौरान बल प्रयोग करना उचित नहीं था।

जत्थेदार के अनुसार पुलिस कार्रवाई में हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झींडा सहित कई सदस्य और कर्मचारी, सिख संगत तथा पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। उन्होंने झींडा से फोन पर बातचीत कर उनका और अन्य घायल सिखों का हाल जाना। बातचीत के दौरान झींडा ने भी पुलिस कार्रवाई को गलत बताया।

ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने कहा कि यदि सरकार चाहती तो मामले को बातचीत और सूझबूझ के माध्यम से आसानी से सुलझाया जा सकता था। जब दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही थी तो अचानक पुलिस कार्रवाई क्यों की गई, इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

उन्होंने आशंका जताई कि कहीं शांतिपूर्ण धरने को बदनाम करने के लिए किसी शरारती तत्व ने प्रदर्शन में घुसकर माहौल खराब करने का प्रयास तो नहीं किया। उन्होंने इस पहलू की भी जांच कराने की मांग की है।

जत्थेदार ने हरियाणा सरकार से धरने के दौरान गिरफ्तार किए गए युवाओं को तुरंत रिहा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को सिख नेताओं के साथ बातचीत के माध्यम से पूरे मामले का समाधान निकालना चाहिए और टकराव की स्थिति पैदा करने से बचना चाहिए।

उन्होंने गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब में प्रकाश गुरुपर्व के दौरान संगत पर गाड़ी चढ़ाने के आरोपितों को गिरफ्तार करने की भी मांग की।

नांदेड़ हमले में घायल इंस्पेक्टर का अस्पताल पहुंचकर हरसिमरत कौर ने जाना हाल

संतोष केंद्रे से मिलीं हरसिमरत, सुखबीर की जान बचाने पर बहादुर इंस्पेक्टर को सलाम

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हुए जानलेवा हमले के दौरान उनकी जान बचाने वाले महाराष्ट्र पुलिस के विशेष सुरक्षा दल के इंस्पेक्टर संतोष वैजनाथ केंद्रे से बठिंडा की सांसद और सुखबीर बादल की पत्नी हरसिमरत कौर ने मुलाकात की। शुक्रवार को हरसिमरत कौर अस्पताल पहुंचीं और इंस्पेक्टर का हाल जाना। उन्होंने उनकी बहादुरी और तत्परता के लिए आभार भी जताया।

हरसिमरत कौर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इंस्पेक्टर संतोष केंद्रे के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा कि वह महाराष्ट्र पुलिस के विशेष सुरक्षा दल के इंस्पेक्टर को सलाम करती हैं। उन्होंने कहा कि नांदेड़ में हुए हमले के दौरान संतोष केंद्रे ने जिस साहस और तत्परता का परिचय दिया, उससे सुखबीर सिंह बादल की जान बच सकी। उन्होंने इंस्पेक्टर के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए अस्पताल के चिकित्सकों और पूरे स्टाफ का भी धन्यवाद किया।

खंजर से किया गया था हमला : सुखबीर सिंह बादल पर वीरवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित सचखंड श्री हजूर साहिब परिसर के निकट जानलेवा हमला किया गया था। सुखबीर अपने परिवार के साथ गुरुद्वारा माता साहिब दीवान जी मुगत परिसर से बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान उनके साथ चल रहे एक व्यक्ति ने निहंग के वेश में अचानक खंजर से हमला करने का प्रयास किया।

सुखबीर के मीडिया सलाहकार राज्यदीप के अनुसार हमलावर ने उनके सीने पर वार करने की कोशिश की। खतरा भांपते हुए सुखबीर ने अपना दायां हाथ आगे कर दिया, जिससे खंजर उनके हाथ में लगा और उन्हें गहरी चोट आई। सुरक्षा कर्मियों की तत्परता से हमलावर को तुरंत काबू करने का प्रयास किया गया। इस दौरान विशेष सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात इंस्पेक्टर संतोष केंद्रे भी घायल हुए।

पुलिस ने हमले के आरोपी पुणे निवासी 62 वर्षीय जसपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि वह करीब दो वर्ष पहले तक वकालत करता था और बाद में गुरुद्वारे में सेवा कर रहा था। पुलिस अब हमले के पीछे की वजह और आरोपी की गतिविधियों की जांच कर रही है।

सुखबीर के हाथ की हुई सर्जरी : हमले के बाद सुखबीर सिंह बादल को तत्काल नांदेड़ के यशोसाई अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उनके हाथ की सर्जरी की और घाव पर टांके लगाए। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं। हरसिमरत कौर भी हमले के समय उनके साथ थीं और सुरक्षित हैं।

दो साल में दूसरी बार हमला : जेड प्लस सुरक्षा प्राप्त सुखबीर सिंह बादल पर पिछले दो वर्षों में यह दूसरा हमला है। इससे पहले चार दिसंबर 2024 को अमृतसर स्थित श्री हरिमंदिर साहिब परिसर के बाहर उन पर हमला हुआ था।

मेक्सिको में फंसे पंजाबी युवक का दर्द छलका, डंकी रूट से बचने की अपील

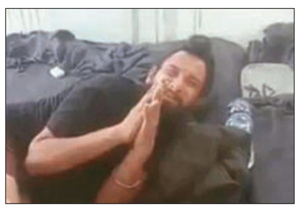

डंकी रूट से मेक्सिको पहुंचे युवक ने एजेंटों से बचने की दी भावुक चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के एक सिख युवक का सोशल मीडिया पर रोते हुए वीडियो सामने आया है। युवक के मेक्सिको में फंसे होने का दावा किया जा रहा है। वीडियो में वह लोगों से मेक्सिको न आने और विदेश भेजने वाले एजेंटों के झांसे में न फंसने की अपील करता नजर आ रहा है। युवक हाथ जोड़कर अपनी आपबीती बताते हुए काफी परेशान दिखाई दे रहा है।

डंकी रूट से मेक्सिको पहुंचने का दावा : वीडियो में युवक ने अपना नाम नहीं बताया है। उसका दावा है कि वह डंकी रूट के जरिए मेक्सिको पहुंचा था। युवक के अनुसार वहां पहुंचने के बाद उसने वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन उसके साथ मारपीट की गई। वह दावा करता है कि मारपीट के कारण उसकी हालत खराब हो गई और वह ठीक से चल भी नहीं पा रहा है।

रोते हुए युवाओं को दी चेतावनी: वीडियो में युवक रोते हुए हाथ जोड़कर अन्य लोगों से मेक्सिको नहीं आने की अपील करता है। वह कहता है कि किसी भी एजेंट के बहकावे में आकर विदेश जाने का फैसला न लें। युवक अपनी स्थिति का हवाला देते हुए कहता है कि उसने जो गलती की, उसे कोई दूसरा व्यक्ति न दोहराए।

युवक वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की ओर इशारा करते हुए दावा करता है कि यही व्यक्ति उसे यहां तक लेकर आया था। इसके बाद वह अपनी परेशानी बताते हुए मदद की गुहार लगाता दिखाई देता है। वीडियो के अंत में युवक हाथ जोड़कर माफी मांगता है। हालांकि, वीडियो में किए गए दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

पंजाब पुलिस के 12 जांबाजों को स्वतंत्रता दिवस पर मिलेगा राष्ट्रपति पदक सम्मान

कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 12 पुलिसकर्मियों को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पंजाब पुलिस के 12 अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। इनमें एक पुलिस अधिकारी को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक और 11 अधिकारियों व कर्मचारियों को राष्ट्रपति का सराहनीय सेवा पदक प्रदान किया जाएगा। इन पदकों की घोषणा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर की गई है। पंजाब पुलिस के लिए यह सम्मान गौरव का विषय माना जा रहा है।

पुलिस सेवा में उत्कृष्ट योगदान और विशिष्ट सेवाओं के लिए निरीक्षक बलजीत सिंह को राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक के लिए चुना गया है। यह सम्मान उन पुलिस अधिकारियों को दिया जाता है जिन्होंने लंबे समय तक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए उल्लेखनीय और विशिष्ट सेवाएं प्रदान की हों। बलजीत सिंह का चयन पंजाब पुलिस के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

11 अधिकारियों को सराहनीय सेवा पदक : राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक के लिए पंजाब पुलिस के 11 अधिकारियों और कर्मचारियों का चयन किया गया है। इनमें पुलिस महानिरीक्षक बाबू लाल मीणा, पुलिस महानिरीक्षक एस. भूपति, उप पुलिस अधीक्षक सुभाष चंद और उप पुलिस अधीक्षक जसवीर सिंह शामिल हैं।

इसके अलावा उप पुलिस अधीक्षक करनैल सिंह, उप पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त गगनदीप सिंह, सहायक उप निरीक्षक निर्मल सिंह, निरीक्षक निर्मल सिंह, निरीक्षक राशपाल सिंह और पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह विर्क को भी राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक के लिए चुना गया है।

इन अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुलिस सेवा के दौरान अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी का परिचय दिया है। उनके कार्यों को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया जाएगा।

लंबे समय की सेवाओं का सम्मान : राष्ट्रपति पुलिस पदक पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की दीर्घकालीन, उत्कृष्ट तथा सराहनीय सेवाओं को मान्यता देने के लिए प्रदान किए जाते हैं। इन पदकों के माध्यम से पुलिस सेवा में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाता है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पंजाब पुलिस के 12 अधिकारियों और कर्मचारियों का चयन विभाग के लिए विशेष उपलब्धि है। एक अधिकारी को विशिष्ट सेवा पदक और 11 को सराहनीय सेवा पदक मिलने से पुलिस विभाग के उन कर्मियों की सेवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, जिन्होंने अपने दायित्वों का लगातार निर्वहन किया है।

पुलिस विभाग में खुशी का माहौल : पदकों की घोषणा के बाद पंजाब पुलिस विभाग में खुशी का माहौल है। अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक हासिल करना प्रतिष्ठित उपलब्धि मानी जाती है। यह सम्मान न केवल चयनित पुलिसकर्मियों के व्यक्तिगत योगदान को पहचान देता है, बल्कि अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान चयनित अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान उनकी सेवाओं और योगदान को विशेष रूप से याद किया जाएगा। पंजाब पुलिस के लिए यह सम्मान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पुलिसकर्मी कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध पर नियंत्रण करने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भाभी को पत्नी दिखाकर लिया सरकारी फ्लैट , जांच में खुली फर्जीवाड़े की पोल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में सरकारी फ्लैट की अलॉटमेंट को लेकर फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। आरोप है कि दस्तावेजों में एक व्यक्ति की भाभी को उसकी पत्नी दर्शाकर सरकारी फ्लैट हासिल कर लिया गया। चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (सीएचबी) की जांच में मामला सामने आने के बाद सेक्टर-3 थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला धनास स्थित सरकारी फ्लैट से जुड़ा है। ललिता देवी ने आरोप लगाया है कि वह रामानंद की पत्नी हैं, लेकिन फ्लैट की अलॉटमेंट के दौरान रामानंद के बड़े भाई देव नारायण की पत्नी रेटा देवी को रामानंद की पत्नी के तौर पर दर्शाया गया। आरोप है कि इसके लिए गलत और कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया।

ललिता देवी के मुताबिक अलॉटमेंट प्रक्रिया के समय वह बीमार थीं और अपने पैतृक गांव में मौजूद थीं। इसी दौरान उनकी जानकारी के बिना रेटा देवी से संबंधित दस्तावेज रामानंद के रिकॉर्ड के साथ लगाए गए और उन्हें पत्नी बताया गया। इसके बाद रामानंद और रेटा देवी के नाम पर सरकारी फ्लैट की अलॉटमेंट करवा ली गई।

सीएचबी के रिकॉर्ड के अनुसार पांच सितंबर 2014 को धनास का यह फ्लैट रामानंद और रेटा देवी के नाम पर चंडीगढ़ स्माल फ्लैट्स योजना-2006 के तहत 20 साल के लाइसेंस पर अलॉट किया गया था। शिकायत मिलने के बाद सीएचबी की इंफोर्समेंट शाखा ने एक मई 2025 को फ्लैट का निरीक्षण किया। इस दौरान रेटा देवी अपने परिवार के साथ फ्लैट में रहती मिलीं। इसके बाद बोर्ड ने अलॉटी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

21 जुलाई 2025 को हुई सुनवाई में रामानंद और ललिता देवी बोर्ड के समक्ष पेश हुए। रामानंद ने बताया कि आवेदन फॉर्म में रेटा देवी का नाम दर्ज था और इसी आधार पर उसने फ्लैट का लाइसेंस बनवाया था। उसने रेटा देवी के साथ फोटो भी खिंचवाई थी। सीएचबी की शिकायत और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

कर्मफल के सिद्धांत से जीवन को सही दिशा और सदाचार की प्रेरणा देता शनिवार

डॉ. अवनीश कुमार
सह-प्रोफैसर, सोलन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतातल, कुमारहट्टी

भारतीय संस्कृति में सप्ताह के प्रत्येक दिन का अपना विशेष धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। इन्हीं दिनों में शनिवार का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। यह दिन न्याय के देवता भगवान शनिदेव को समर्पित है। मान्यता है कि शनिदेव प्रत्येक व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं। इसलिए शनिवार केवल पूजा-अर्चना का दिन नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, अनुशासन, सेवा और सद्कर्मों का संदेश देने वाला दिन भी है। यह दिन हमें यह प्रेरणा देता है कि जीवन में ईमानदारी, सत्य, परिश्रम और धैर्य का मार्ग अपनाकर ही स्थायी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

हिंदू धर्मग्रंथों में भगवान शनिदेव को सूर्यदेव और माता छाया का पुत्र बताया गया है। उन्हें न्यायप्रिय, निष्पक्ष और कर्मफलदाता देवता माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि शनिदेव किसी के साथ अन्याय नहीं करते, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को उसके अच्छे और बुरे कर्मों के अनुसार ही फल देते हैं। यही कारण है कि लोग शनिवार के दिन विशेष रूप से भगवान शनिदेव की पूजा-अर्चना करते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की कामना करते हैं। शनिदेव का स्वरूप हमें यह शिक्षा देता है कि जीवन में कर्म सबसे बड़ा धर्म है और उसका परिणाम अवश्य मिलता है।

शनिवार के दिन देशभर के शनि मंदिरों में श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ देखने को मिलती है। लोग सुबह स्नान करके भगवान शनिदेव की पूजा करते हैं, सरसों का तेल अर्पित करते हैं तथा तिल, उड़द की दाल और काले वस्त्रों का दान करते हैं। पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक जलाने और हनुमान चालीसा का पाठ करने की भी परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन गरीबों, जरूरतमंदों और असहाय लोगों की सहायता करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। सेवा और दान का महत्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शनिवार का वास्तविक संदेश केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है। यह दिन हमें अपने व्यवहार और कर्मों का मूल्यांकन करने की प्रेरणा देता है। यदि हम सत्य, ईमानदारी, परिश्रम और अनुशासन के साथ जीवन व्यतीत करें, तो किसी भी प्रकार का भय या चिंता हमारे जीवन में स्थान नहीं बना सकती। शनिदेव का न्याय हमें यह सिखाता है कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय, छल, कपट या अहंकार का व्यवहार अंततः दुख का कारण बनता है, जबकि सच्चाई और सदाचार हमेशा सम्मान दिलाते हैं।

आधुनिक जीवन की भागदौड़ में शनिवार का दिन लोगों के लिए मानसिक विश्राम का अवसर भी बन गया है। अनेक लोग इस दिन परिवार के साथ समय बिताते हैं, अधूरे कार्य पूरे करते हैं, सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते हैं या आध्यात्मिक चिंतन के लिए समय निकालते हैं। व्यस्त जीवनशैली के बीच यह दिन आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है। यदि व्यक्ति सप्ताह में एक दिन अपने जीवन, व्यवहार और लक्ष्यों का शांत मन से मूल्यांकन करे, तो वह अपने जीवन को अधिक संतुलित और सफल बना सकता है।

पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी शनिवार का विशेष महत्व माना जाता है। पीपल के वृक्ष की पूजा करने की परंपरा प्रकृति के प्रति सम्मान और संरक्षण का संदेश देती है। आज जब पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, तब हमें धार्मिक परंपराओं के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण का संकल्प भी लेना चाहिए। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता जैसे कार्य समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दर्शाते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि शनिवार को केवल अंधविश्वास या भय से जोड़कर न देखा जाए, बल्कि इसे कर्म, अनुशासन, सेवा और आत्मचिंतन के पर्व के रूप में अपनाया जाए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सैकड़ों यात्रियों की जिंदगी से खिलवाड़ नहीं, सुरक्षा में शून्य लापरवाही जरूरी

प्रमोद कुमार हर्ष
कोठी, सरकाघाट, जिला मंडी

हवाई यात्रा को दुनिया के सबसे सुरक्षित परिवहन साधनों में माना जाता है। इसकी सुरक्षा व्यवस्था कई स्तरों पर निर्भर करती है, लेकिन जब विमान उड़ाने की जिम्मेदारी संभालने वाला पायलट ही नशे की हालत में पाया जाए तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सैकड़ों यात्रियों की जिंदगी के साथ गंभीर खिलवाड़ है। ऐसी घटनाएं पूरे विमानन सुरक्षा तंत्र पर सवाल खड़े करती हैं। हवाई यात्रा में यात्रियों का भरोसा इस बात पर टिका होता है कि विमान का संचालन करने वाला प्रत्येक व्यक्ति पूरी तरह सजग, सक्षम और अपनी जिम्मेदारी के प्रति गंभीर है। ऐसे में पायलट का नशे की हालत में ड्यूटी पर पहुंचना बेहद गंभीर विषय है।

पायलट के लिए मानसिक सतर्कता, शारीरिक फिटनेस और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता अत्यंत आवश्यक होती है। उड़ान के दौरान मौसम में अचानक बदलाव, तकनीकी समस्या, हवाई यातायात से जुड़े निर्देश या किसी आपात स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी परिस्थितियों में पायलट का पूरी तरह सजग और सक्षम होना अनिवार्य है। नशे का प्रभाव निर्णय लेने की क्षमता, प्रतिक्रिया की गति और परिस्थितियों को समझने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। विमान उड़ाते समय कुछ सेकंड का विलंब भी गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है। इसलिए पायलट की मानसिक और शारीरिक स्थिति का सामान्य से बेहतर होना जरूरी है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि यदि कोई पायलट नशे की हालत में विमान उड़ाने की कोशिश करता है तो इसका खतरा केवल उसके अपने जीवन तक सीमित नहीं रहता। विमान में बैठे प्रत्येक यात्री और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा भी दांव पर लग जाती है। इसलिए ऐसे मामलों को सामान्य अनुशासनहीनता मानकर छोड़ना खतरनाक हो सकता है। विमान में यात्रा करने वाले यात्री अपने जीवन की सुरक्षा पूरी तरह चालक दल और पायलट के भरोसे छोड़ते हैं। इस भरोसे को बनाए रखना विमानन क्षेत्र की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है। किसी पायलट की व्यक्तिगत लापरवाही का असर बड़ी संख्या में लोगों पर पड़ सकता है।

विमानन क्षेत्र में सुरक्षा नियमों का उद्देश्य ही यह सुनिश्चित करना है कि उड़ान से पहले चालक दल के सदस्य पूरी तरह फिट हों। इसके बावजूद यदि जांच व्यवस्था को चकमा देकर कोई व्यक्ति नशे की हालत में ड्यूटी तक पहुंच जाता है, तो यह व्यवस्था की कमजोरी का संकेत है। केवल पायलट पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं होना चाहिए; यह भी जांच होनी चाहिए कि सुरक्षा जांच के निर्धारित चरणों में चूक कहां हुई। यदि कहीं जांच में लापरवाही हुई है तो उसके लिए जिम्मेदारी तय करना भी उतना ही आवश्यक है। सुरक्षा व्यवस्था तभी प्रभावी मानी जा सकती है जब उसके प्रत्येक स्तर पर नियमों का ईमानदारी से पालन हो।

ऐसे मामलों में नियमित और प्रभावी जांच व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता है। उड़ान से पहले होने वाली जांच निष्पक्ष, अनिवार्य और पर्याप्त रूप से सख्त होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही को नजरअंदाज करने के बजाय जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। साथ ही विमानन कंपनियों को अपने कर्मचारियों में सुरक्षा संस्कृति और जिम्मेदारी की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। सुरक्षा केवल कागजों पर बनाए गए नियमों से सुनिश्चित नहीं हो सकती। इसके लिए अधिकारियों, विमानन कंपनियों, पायलटों और पूरे चालक दल को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी।

यह भी जरूरी है कि पायलटों पर अनावश्यक दबाव न हो। अत्यधिक काम का बोझ, पर्याप्त आराम का अभाव और लगातार बदलती ड्यूटी जैसी परिस्थितियां भी उड़ान सुरक्षा को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए नियमों के पालन के साथ-साथ पायलटों के पर्याप्त विश्राम और कार्य-समय की निगरानी भी महत्वपूर्ण है। पायलट को पर्याप्त नींद और आराम मिलने से उसकी कार्यक्षमता बेहतर रहती है और आपात स्थिति में वह अधिक प्रभावी ढंग से निर्णय ले सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

जनसंख्या संतुलन जरूरी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल की ओर से हिंदू समाज की घटती आबादी को लेकर दिए गए बयान ने एक बार फिर जनसंख्या, परिवार और सामाजिक संतुलन से जुड़े विषयों पर बहस को तेज कर दिया है। उनका कहना है कि प्रत्येक परिवार में कम से कम तीन संतान होनी चाहिए और संभव हो तो चार-पांच संतानों का भी विचार किया जा सकता है। उनके अनुसार वर्तमान समय में हिंदू समाज की जनसंख्या में गिरावट चिंता का विषय बन सकती है। संघ के अन्य वरिष्ठ नेताओं की ओर से भी समय-समय पर जनसंख्या वृद्धि और सामाजिक संतुलन से जुड़े विचार सामने आते रहे हैं। ऐसे बयानों को केवल राजनीतिक या सामाजिक बहस के रूप में देखने के बजाय देश की बदलती जनसांख्यिकीय परिस्थितियों के व्यापक संदर्भ में समझना आवश्यक है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जनसंख्या का विषय अत्यंत संवेदनशील है। यहां अलग-अलग समुदायों, क्षेत्रों और सामाजिक समूहों की जनसंख्या वृद्धि दर में अंतर रहा है। ऐसे में किसी एक समुदाय की जनसंख्या बढ़ाने का आह्वान व्यापक जनसंख्या नीति और सामाजिक संतुलन के प्रश्न से अलग करके नहीं देखा जा सकता। जनसंख्या किसी भी देश की ताकत हो सकती है, लेकिन तभी जब उसके अनुरूप शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, खाद्य सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था हो। केवल संख्या बढ़ना विकास का प्रमाण नहीं है। वास्तविक विकास तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक जीवन, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार के अवसर उपलब्ध हों।

यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत की कुल जनसंख्या वृद्धि दर पिछले दशकों की तुलना में लगातार कम हुई है। परिवारों में बच्चों की संख्या घटने के पीछे शिक्षा का विस्तार, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, शहरीकरण, विवाह की बदलती उम्र, आर्थिक परिस्थितियां और परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता जैसे अनेक कारण हैं। इसलिए जनसंख्या में होने वाले बदलाव को केवल धार्मिक या सामुदायिक दृष्टिकोण से समझना उचित नहीं होगा। इसके पीछे सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किसी भी नीति या सामाजिक अपील को तैयार करते समय इन सभी पहलुओं का वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक है।

जनसंख्या वृद्धि के पक्ष में दिए जाने वाले तर्कों में भविष्य की कार्यशील आबादी का प्रश्न प्रमुख है। यदि किसी देश में लंबे समय तक जन्मदर बहुत कम रहती है तो भविष्य में बुजुर्ग आबादी का अनुपात बढ़ सकता है और कामकाजी लोगों की संख्या घट सकती है। इससे सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था और पेंशन जैसी व्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। कई विकसित देशों में कम जन्मदर और तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी आज गंभीर चुनौती बन चुकी है। इसलिए भारत के लिए भी भविष्य की जनसंख्या संरचना को लेकर अभी से गंभीर विचार करना आवश्यक है।

लेकिन दूसरी ओर अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि भी अनेक चुनौतियां पैदा कर सकती है। यदि रोजगार के अवसरों की तुलना में काम करने वाली आबादी बहुत तेजी से बढ़ती है तो बेरोजगारी और आर्थिक असमानता बढ़ सकती है। शहरों में आवास की कमी, यातायात का दबाव, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ तथा प्राकृतिक संसाधनों की मांग भी बढ़ती है। जल, भूमि और ऊर्जा जैसे संसाधन सीमित हैं। इसलिए जनसंख्या और संसाधनों के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी सरकार के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

भारत की परिस्थितियों को देखते हुए यह प्रश्न भी उठता है कि क्या परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करना उचित नीति हो सकती है। इसका उत्तर सरल नहीं है। परिवार का आकार तय करने का अधिकार अंततः परिवार और माता-पिता के पास होना चाहिए। बच्चों की संख्या का निर्णय परिवार की आर्थिक स्थिति, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास और भविष्य की योजनाओं को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। किसी भी समुदाय या वर्ग पर अधिक बच्चे पैदा करने का सामाजिक दबाव नहीं होना चाहिए। जनसंख्या से जुड़े विषय पर चर्चा करते समय महिलाओं के स्वास्थ्य और अधिकारों को भी सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए।

यदि सरकार या समाज जनसंख्या के संतुलन को लेकर चिंतित है तो उसका समाधान केवल अधिक बच्चों के आह्वान तक सीमित नहीं रहना चाहिए। बेहतर नीति वह होगी जिसमें परिवारों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा मिले। जिन परिवारों में बच्चों की संख्या अधिक है, उनके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और रोजगार की सुविधाएं सुनिश्चित करना जरूरी है। इसी तरह कम बच्चे रखने वाले परिवारों को भी किसी प्रकार के सामाजिक भेदभाव या दबाव का सामना नहीं करना चाहिए।

जनसंख्या का सवाल केवल हिंदू समाज तक सीमित करना भी व्यापक समाधान नहीं दे सकता। भारत की पूरी आबादी एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। किसी भी समुदाय में जन्मदर, शिक्षा, स्वास्थ्य या आर्थिक स्थिति में बदलाव का प्रभाव व्यापक सामाजिक व्यवस्था पर पड़ता है। इसलिए जनसंख्या नीति का आधार धर्म नहीं, बल्कि समान नागरिक अधिकार, वैज्ञानिक आंकड़े और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित होने चाहिए।

-शिवांश धाकड़

कविता

तिरंगा हमारी शान है

(पूजा सूद), प्रिंसिपल बी एस सी नर्सिंग कॉलेज टांडा

तिरंगा हमारी शान है,
समृद्ध भारत की पहचान है,
वीरों के बलिदान से ,
रोशन मेरा हिंदुस्तान है।
किसी ने घर छोड़ा ,
किसी ने अपना बचपन ,
किसी ने मां की गोद छोड़ी,
किसी ने दे दिया अपना जीवन।
उन्हीं वीरों के खून से, लिखी आज हमारी पहचान है ,
उनके त्याग और बलिदान से, आज आज़ाद हिंदुस्तान हैं।
तिरंगा केवल हाथ में लेकर , तस्वीर ही नहीं खिंचवानी है,
इसके तीनों रंगों की सीख, हर कदम पर निभानी है।
केसरिया से मिले हिम्मत,
सफेद सच्चाई सिखाएं ,
हरा समृद्धि की राह दिखाएं , अशोक चक्कर निरन्तर आगे बढ़ाना बताएं। आओ आज संकल्प करें ,
हर दिल में इंसानियत जगाएं ,
प्रेम ,एकता और विश्वास से ,
भारत को और मजबूत बनाएं।
आजादी हमें यूं ही नहीं मिली , इसके पीछे शहीदों का बलिदान है, अब संभालना इसे हमारा फर्ज़ है, यही उनके सपनों का हिंदुस्तान है।
किसी ने अपना लाल खोया, किसी ने अपना संसार,
उन्हीं के त्याग से आज,
लहराता है तिरंगा बारम्बार।
यही शहीदों के सच्चे बलिदान का सम्मान है, यही तिरंगे की सच्ची शान है, मेरा भारत मेरी पहचान है ,
भारत माता पर अभिमान है।

आजादी से आत्मनिर्भरता तक : 80 वर्षों की विकास यात्रा और विकसित भारत का बड़ा संकल्प

तुलसी राम डोगरा
(स्वतंत्र लेखक),पालमपुर।

स्वतंत्रता के 80 वर्ष किसी भी राष्ट्र के लिए केवल समय की गणना नहीं, बल्कि आत्ममंथन, उपलब्धियों के मूल्यांकन और भविष्य की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर होते हैं। भारत ने 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद अनेक कठिन परिस्थितियों के बीच अपनी विकास यात्रा शुरू की थी। उस समय देश के सामने गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, कमजोर औद्योगिक आधार, सीमित संसाधन और सामाजिक असमानता जैसी अनेक चुनौतियां थीं। आज आठ दशक बाद भारत विश्व मंच पर अपनी अलग पहचान बना चुका है। लोकतंत्र की मजबूती, आर्थिक विकास, विज्ञान और तकनीक में प्रगति, कृषि क्षेत्र में परिवर्तन, अंतरिक्ष अनुसंधान, डिजिटल व्यवस्था और वैश्विक कूटनीति में बढ़ती भूमिका भारत की यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। अब लक्ष्य केवल विकास तक सीमित नहीं, बल्कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है।

स्वतंत्रता के शुरुआती वर्षों में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती राष्ट्र निर्माण की थी। देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रदान करना आसान काम नहीं था। अनेक भाषाओं, संस्कृतियों, क्षेत्रों और सामाजिक विविधताओं के बावजूद भारत ने लोकतंत्र को अपनी विकास यात्रा का आधार बनाया। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार और स्वतंत्रता प्रदान की। समय के साथ चुनाव व्यवस्था मजबूत हुई और सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण भारतीय लोकतंत्र की महत्वपूर्ण पहचान बना। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि स्वतंत्रता के समय दुनिया के कई देशों को लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

कृषि के क्षेत्र में भी भारत ने लंबा सफर तय किया है। स्वतंत्रता के बाद देश खाद्यान्न की कमी और आयात पर निर्भरता जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। हरित क्रांति ने कृषि उत्पादन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भारत अनेक कृषि उत्पादों के मामले में विश्व के प्रमुख उत्पादक देशों में शामिल है। हालांकि बदलती जलवायु, पानी की कमी, छोटे जोत वाले किसानों की समस्याएं और बाजार की चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। इसलिए आने वाले वर्षों में कृषि को आधुनिक तकनीक, बेहतर सिंचाई, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण और बाजार की मजबूत व्यवस्था से जोड़ना जरूरी होगा।

औद्योगिक और आर्थिक क्षेत्र में भी भारत की तस्वीर काफी बदली है। उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने वैश्विक बाजार के साथ तेजी से जुड़ना शुरू किया। सेवा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और डिजिटल अर्थव्यवस्था ने देश की आर्थिक क्षमता को नई दिशा दी। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और वैश्विक कंपनियां भारत को बड़े बाजार तथा निवेश के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में देखती हैं। फिर भी आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी होगा जब इसके लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचें और रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा हों।

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान से लेकर डिजिटल भुगतान तक भारत ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम ने देश को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाया है। उपग्रह प्रक्षेपण, चंद्र और मंगल अभियानों तथा अंतरिक्ष अनुसंधान में मिली सफलताओं ने नई पीढ़ी में वैज्ञानिक सोच और आत्मविश्वास पैदा किया है। दूसरी ओर डिजिटल तकनीक ने बैंकिंग, भुगतान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी सेवाओं को आम नागरिक तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत बनाने के लिए नई पीढ़ी को निभानी होगी अहम भूमिका

बृज भूषण गांव हनोगी (456), डा. महोगी, त. औट (मंडी)

भारत की स्वतंत्रता केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं है, बल्कि यह करोड़ों भारतीयों के संघर्ष, त्याग, तपस्या और बलिदान की अमूल्य विरासत है। 15 अगस्त हमारे लिए केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि उस संकल्प को दोहराने का अवसर है जिसके कारण भारत ने लंबे संघर्ष के बाद पराधीनता की बेड़ियों को तोड़ा। स्वतंत्रता संग्राम में अनगिनत लोगों ने अपना जीवन देश के लिए समर्पित किया। अनेक परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, युवाओं ने अपना भविष्य दांव पर लगाया और असंख्य लोगों ने कठिन यातनाएं सहकर भी स्वतंत्रता की लौ को बुझने नहीं दिया। आज स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में प्रवेश करते हुए यह विचार करना आवश्यक है कि हमने इस विरासत को कितना समझा है और इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए हमारी जिम्मेदारी क्या है।

स्वतंत्रता सेनानियों का सपना केवल अंग्रेजी शासन से मुक्ति प्राप्त करना नहीं था। वे ऐसे भारत की कल्पना करते थे जहां नागरिकों को सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार मिले, समाज में समानता हो, किसी व्यक्ति के साथ जन्म, भाषा, क्षेत्र या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव न हो और हर व्यक्ति को अपनी प्रतिभा के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर मिले। आजादी के बाद भारत ने इन उद्देश्यों की दिशा में लंबी यात्रा तय की है। लोकतंत्र की मजबूत नींव, संविधान की व्यवस्था, शिक्षा का विस्तार, वैज्ञानिक प्रगति, कृषि में आत्मनिर्भरता, औद्योगिक विकास और तकनीकी क्षेत्र में बढ़ती क्षमता भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं।

भारत आज विश्व में अपनी अलग पहचान बना चुका है। अंतरिक्ष विज्ञान से लेकर डिजिटल तकनीक तक देश ने अपनी क्षमता साबित की है। करोड़ों लोगों तक बैंकिंग और डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ी है। सड़क, रेल, हवाई संपर्क और संचार के क्षेत्र में भी बड़े बदलाव आए हैं। देश के युवाओं ने विज्ञान, खेल, उद्योग, कला, शिक्षा और उद्यमिता सहित अनेक क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। यह उपलब्धियां बताती हैं कि स्वतंत्र भारत ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद लगातार आगे बढ़ने का प्रयास किया है। लेकिन विकास की इस यात्रा को अंतिम उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। अभी भी हमारे सामने कई ऐसी चुनौतियां हैं जिनका समाधान आने वाली पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं है।

आज भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। युवा केवल देश की वर्तमान शक्ति नहीं बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाली शक्ति भी हैं। आज का युवा तकनीक से जुड़ा हुआ है, नई जानकारी हासिल करने के लिए उसके पास अनेक साधन हैं और दुनिया के किसी भी हिस्से से संवाद करने की क्षमता रखता है। लेकिन तकनीक और आधुनिक सुविधाएं तभी सार्थक हैं जब उनका इस्तेमाल रचनात्मक उद्देश्यों के लिए किया जाए। युवाओं को अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता और समाज सेवा के क्षेत्र में लगाना होगा। व्यक्तिगत सफलता महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि उस सफलता का लाभ समाज और देश को भी मिले तो उसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

नई पीढ़ी के सामने रोजगार और कौशल विकास भी बड़ी चुनौती है। बदलती तकनीक के कारण रोजगार के स्वरूप में तेजी से बदलाव हो रहा है। आने वाले समय में वही समाज आगे बढ़ेगा जो अपने युवाओं को केवल पारंपरिक शिक्षा तक सीमित नहीं रखेगा बल्कि उन्हें नए कौशल, वैज्ञानिक सोच और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप तैयार करेगा। युवाओं को नौकरी की तलाश करने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए। छोटे व्यवसाय, नए उद्यम, स्थानीय उत्पाद, कृषि आधारित उद्योग और तकनीकी नवाचार देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं।

आजादी की विरासत को मजबूत करने के लिए शिक्षा की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना या नौकरी हासिल करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा व्यक्ति में विवेक, जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करे, यही उसकी वास्तविक सफलता है। बच्चों और युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से परिचित कराना आवश्यक है ताकि वे समझ सकें कि आज जो अधिकार उन्हें सहज रूप से प्राप्त हैं, उनके पीछे कितने लोगों का संघर्ष छिपा है। इतिहास केवल तारीखों और घटनाओं का संग्रह नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सीख का माध्यम है।

स्वतंत्रता का अर्थ अधिकारों के साथ कर्तव्यों को समझना भी है। नागरिकों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ अपने दायित्वों का पालन भी करना चाहिए। कानून का सम्मान, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, पर्यावरण संरक्षण, मतदान के अधिकार का जिम्मेदारी से प्रयोग, करों का ईमानदारी से भुगतान और जरूरतमंद लोगों के प्रति संवेदनशीलता एक जिम्मेदार नागरिक की पहचान है। देश के विकास में सरकारों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन नागरिकों की भागीदारी के बिना कोई भी विकास स्थायी नहीं हो सकता। भारत की विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है। अलग-अलग भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और जीवनशैलियां भारत को एक विशेष पहचान देती हैं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के लोगों ने एकजुट होकर विदेशी शासन के खिलाफ संघर्ष किया था। आज भी उसी एकता की आवश्यकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

भारतीय सिनेमा में नतालिया कौर

नतालिया कौर भारतीय मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बनाने वाली मॉडल और अभिनेत्री हैं। उनका जन्मदिन **15 अगस्त 1990** को हुआ था। और इस अवसर पर उनके प्रशंसक उनके जीवन और करियर से जुड़ी उपलब्धियों को याद करते हैं। ब्राजील में जन्मीं नतालिया ने भारतीय मनोरंजन जगत में कदम रखकर अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और प्रतिभा से पहचान बनाई। उनका सफर इस मायने में भी खास है कि विदेशी पृष्ठभूमि से आने के बावजूद उन्होंने भारतीय सिनेमा और मॉडलिंग की दुनिया में अपनी जगह बनाई।

नतालिया कौर
जन्म : 15 अगस्त 1990

नतालिया कौर का जन्म रियो डी जेनेरियो, ब्राजील में हुआ था। उनके जन्म वर्ष को लेकर अलग-अलग स्रोतों में मतभेद मिलता है, इसलिए उनके जन्मदिन के संदर्भ में मुख्य रूप से 15 अगस्त की तारीख ही स्वीकार की जाती है। उन्होंने कम उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और धीरे-धीरे फैशन तथा विज्ञापन जगत में अपनी पहचान बनानी शुरू की। कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास और आकर्षक व्यक्तित्व उनकी लोकप्रियता का प्रमुख कारण रहा।

भारतीय मनोरंजन जगत में नतालिया कौर को वर्ष 2012 में विशेष पहचान मिली, जब उन्होंने राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'डिपार्टमेंट' में काम किया। इस फिल्म में उनकी मौजूदगी ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया और इसके बाद उन्हें भारतीय सिनेमा में कई अन्य अवसर मिले। उन्होंने हिंदी के साथ दक्षिण भारतीय फिल्मों में भी काम किया। उनकी प्रमुख फिल्मों में 'डिपार्टमेंट', 'कमांडो', 'रॉकी हैंडसम' और 'गन्स ऑफ बनारस' जैसी फिल्में शामिल हैं।

नतालिया ने अपने करियर में केवल फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। मॉडलिंग, विज्ञापन और मनोरंजन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में भी उन्होंने काम किया। उनके लिए भारतीय मनोरंजन उद्योग एक नया अनुभव था, लेकिन उन्होंने समय के साथ यहां की कार्यशैली और दर्शकों की पसंद को समझते हुए अपने करियर को आगे बढ़ाया। उनका सफर यह भी दर्शाता है कि किसी नए क्षेत्र में पहचान बनाने के लिए निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास बेहद जरूरी होते हैं।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

देश के विभाजन के दौरान विस्थापित परिवारों की पीड़ा को याद कीजिए : स्वतंत्र देव सिंह

एजेंसी, वाराणसी। वाराणसी में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों और विस्थापित परिवारों की पीड़ा को याद किया। मौन जुलूस में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 में भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी जान गंवाई और लाखों परिवार विस्थापित हुए। उन्होंने कहा कि विभाजन की त्रासदी को याद करने से आज भी लोगों की रूह कांप उठती है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि उस समय जिन लोगों के पास महल और संपत्ति थी, वे कुछ ही समय में शरणार्थी बन गए। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाजन के दौरान हिंदुओं पर अत्याचार हुए और पाकिस्तान से भारत आने वाले परिवारों को आजादी के बाद भी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि विस्थापित लोगों को लंबे समय तक आसरे और पुनर्वास के लिए संघर्ष करना पड़ा।

खरगे के कार्यक्रम के बाद मंच शुद्धिकरण पर मायावती नाराज, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

एजेंसी, लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम के बाद कथित तौर पर मंच के शुद्धिकरण की घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने इसे सामाजिक समानता और दलित सम्मान से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए उत्तराखंड सरकार से तत्काल जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। मायावती ने कहा कि दलित होने के कारण खरगे के कार्यक्रम के बाद मंच का शुद्धिकरण किए जाने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने इसे अत्यंत निंदनीय और चिंताजनक बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में भेदभाव की मानसिकता को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने जातिवादी और सामंती सोच रखने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मायावती ने आरक्षण से जुड़े मुद्दे पर भी गंभीरता से विचार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सामाजिक भेदभाव और समानता के सवालों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

नागपंचमी पर गोरखनाथ मंदिर में होगी दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता

एजेंसी, गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर परिसर में नागपंचमी के अवसर पर होने वाली पारंपरिक कुश्ती प्रतियोगिता इस बार 16 और 17 अगस्त को आयोजित होगी। प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार और वीर अभिमन्यु के खिताब के लिए करीब 325 पहलवान हिस्सा लेंगे। जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष एवं अंतरराष्ट्रीय पहलवान दिनेश सिंह ने बताया कि खिताब के विजेताओं को 1.01 लाख रुपये नकद और गदा प्रदान की जाएगी। उपविजेताओं को 51 हजार रुपये तथा तीसरे स्थान पर रहने वाले दो-दो पहलवानों को 25-25 हजार रुपये मिलेंगे। इसके अलावा प्रत्येक कुश्ती मुकाबले में पहलवानों को 500 रुपये की राशि दी जाएगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन 16 अगस्त दोपहर 12:30 बजे होगा। समापन और पुरस्कार वितरण 17 अगस्त दोपहर तीन बजे होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे और विजेताओं को सम्मानित करेंगे।

लखीमपुर में चोरी की घटनाओं का हुआ खुलासा, तीन शातिर चोर गिरफ्तार

एजेंसी, लखीमपुर खीरी। फरधान थाना पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो बाल अपचारियों को संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के मशीनरी पार्ट्स, लोहे-पीतल के टुकड़ों से भरी पांच बोरियां और 1,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर अमानलाला मोड़ के पास घेराबंदी कर पांचों को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपितों ने तीन दिन पहले गुमचीनी स्थित गुप्ता कॉटेज उद्योग से मशीनरी पार्ट्स चोरी करने की बात स्वीकार की।

योगी बोले- कांग्रेस ने सत्ता के लिए देश के टुकड़े किए, विभाजन की त्रासदी आज भी जारी

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सत्ता और वोटबैंक की राजनीति के कारण देश को विभाजन का दर्द झेलना पड़ा

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 में हुआ देश का विभाजन विश्व मानवता के इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। योगी ने आरोप लगाया कि सत्ता की लालसा में कांग्रेस ने देश के टुकड़े किए और करोड़ों लोगों को विस्थापन तथा हिंसा की पीड़ा झेलनी पड़ी।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में गांधी प्रतिमा से लोक भवन तक मौन पदयात्रा निकाली। इसके बाद लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में विभाजन की त्रासदी झेलने वाले परिवारों ने अपने अनुभव साझा किए। योगी ने कहा कि भारत का विभाजन केवल राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि मानवता की भीषण त्रासदी थी। बंटवारे की कीमत देश आज भी चुका रहा है। योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के लिए सत्ता और वोटबैंक प्रमुख रहे। उन्होंने कहा कि विभाजन के दौरान करोड़ों हिंदुओं को अपनी मातृभूमि और जन्मभूमि से विस्थापित होना पड़ा।

बड़ी संख्या में हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन समुदाय के लोगों को हिंसा और अत्याचार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि उस समय पीड़ितों की सुनवाई करने वाला कोई नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस केवल अतीत को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि उससे सीख लेने की प्रेरणा भी देता है। इतिहास केवल परीक्षा का विषय नहीं होता, बल्कि गौरवशाली क्षणों को याद करने और अतीत की गलतियों से सीखने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि यह समझना जरूरी है कि विभाजन की परिस्थितियां क्यों बनीं और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका क्या थी। योगी ने आरोप लगाया कि सिंध और पंजाब के कई हिस्सों को भी विभाजन के दौरान पाकिस्तान में शामिल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आज भी सीमा क्षेत्रों में विभाजन की पीड़ा के निशान दिखाई देते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे वर्तमान और आने वाली पीढ़ी को विभाजन की त्रासदी के बारे में जागरूक करें।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने स्वतंत्रता आंदोलन में बलिदान दिया, उनके संघर्ष के बावजूद देश को विभाजन का दर्द झेलना पड़ा। महात्मा गांधी, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, राजगुरु, राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद, रानी लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को उनके संघर्ष से प्रेरणा लेनी चाहिए। योगी ने पड़ोसी देशों में पीड़ित हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध परिवारों के मुद्दे पर भी विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवारों को भारत में रहने और जीवनयापन का अवसर देने के प्रयासों का भी विरोध किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाजन की त्रासदी को याद रखना और समाज को जागरूक करना जरूरी है, ताकि इतिहास की गलतियों को दोहराया न जाए।

अवैध संबंध का राज छिपाने के लिए मां ने प्रेमी संग मिलकर बेटी को बनाया शिकार

एजेंसी, सिद्धार्थनगर

उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मां पर आरोप है कि उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म कराया, ताकि उसके कथित अवैध संबंधों की जानकारी परिवार और समाज तक न पहुंच सके। मामले में न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने मां और उसके प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से न्याय नहीं मिला तो अदालत पहुंचे पिता, मां-प्रेमी पर मुकदमा दर्ज।

जानकारी के अनुसार, मिश्रौलिया थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग ने अपने पिता को घटना की जानकारी दी। आरोप है कि उसकी मां के एक व्यक्ति से कथित रूप से संबंध थे। इन संबंधों की जानकारी बेटी को हो गई थी। आरोप है कि मामले को छिपाने और बेटी को चुप कराने के उद्देश्य से मां ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना कराई। घटना के बाद नाबालिग ने अपने पिता को पूरी बात बताई। पिता ने मामले की शिकायत पुलिस से की और कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि पुलिस स्तर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के बाद पीड़ित परिवार ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। न्यायालय के आदेश के बाद मिश्रौलिया थाना पुलिस ने नाबालिग के पिता की तहरीर के आधार पर मां और उसके कथित प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पुलिस अब पूरे प्रकरण की जांच कर रही है और घटना से जुड़े तथ्यों एवं साक्ष्यों को जुटाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नाबालिग के बयान और अन्य साक्ष्यों को भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

चमोली में बादल फटने का असर कानपुर में फिर बढ़ा गंगा का जलस्तर

एजेंसी, कानपुर

24 घंटे में आठ सेंटीमीटर बढ़ा गंगा का पानी, खेतों में पहुंचा बाढ़ का पानी।

चमोली में बादल फटने के बाद गंगा नदी के जलस्तर में फिर बढ़ोतरी होने लगी है। कानपुर में चार दिन तक जलस्तर घटने के बाद अब दोबारा पानी बढ़ने से प्रशासन और सिंचाई विभाग सतर्क हो गए हैं। शुक्लागंज में 24 घंटे के भीतर गंगा का जलस्तर आठ सेंटीमीटर बढ़ा है। बुधवार को शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर 112.08 मीटर दर्ज किया गया था, जो गुरुवार को बढ़कर 112.20 मीटर पहुंच गया। गंगा का जलस्तर अब चेतावनी बिंदु 113 मीटर से महज 80 सेंटीमीटर नीचे है। अधिकारियों ने जलस्तर में और वृद्धि की आशंका जताई है। गंगा के बढ़ते पानी का असर कटरी क्षेत्र के गांवों में दिखाई देने लगा है।

कई स्थानों पर खेतों में पानी पहुंचने से फसलें प्रभावित हुई हैं। शुक्लागंज में गांवों की तरफ भी जलस्तर बढ़ रहा है। इसके चलते बिठूर से सटे गंगा किनारे बसे गांवों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत, साथी घायल

एजेंसी, अमेठी। अमेठी जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र में प्रयागराज-सुल्तानपुर हाईवे पर शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा दुर्गापुर स्थित चौधरी फिलिंग स्टेशन के सामने हुआ। जानकारी के अनुसार रेवड़ा गांव निवासी शिवम वर्मा (35) अपने साथी सुमित वर्मा के साथ बुलेट से सुल्तानपुर की ओर से आ रहे थे। इसी दौरान चौधरी फिलिंग स्टेशन के सामने तेज रफ्तार अनियंत्रित पिकअप कथित तौर पर रॉन्ग साइड में पहुंच गई और बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस तथा परिजनों को जानकारी दी। पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल सुल्तानपुर भेजा। बताया गया कि शिवम वर्मा की इलाज के दौरान मौत हो गई।

सिंधु जल संधि पर उमर अब्दुल्ला का पाकिस्तान पर तीखा हमला

एजेंसी, जम्मू

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस समझौते में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण जम्मू-कश्मीर को लंबे समय तक नुकसान उठाना पड़ा। उमर ने कहा कि क्षेत्र की नदियों और जल संसाधनों पर सबसे पहला अधिकार यहां के लोगों का होना चाहिए।

उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान की ओर से कश्मीरियों के प्रति जताई जाने वाली सहानुभूति पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जब पानी और जल संसाधनों की बात आती है तो पाकिस्तान की हमदर्दी दिखाई नहीं देती। उन्होंने सवाल किया कि जब जम्मू-कश्मीर अपनी ही नदियों के पानी का पूरी तरह इस्तेमाल नहीं कर पा रहा था,

तब पाकिस्तान की सहानुभूति कहां थी।

मुख्यमंत्री ने सिंधु जल संधि के प्रभावों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समझौते की वजह से जम्मू-कश्मीर को अपनी जल क्षमता का पूरा लाभ उठाने में कई तरह की सीमाओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने इसे क्षेत्र के हितों के लिए नुकसानदायक बताते हुए कहा कि यहां के लोगों को अपनी नदियों के पानी के इस्तेमाल का प्राथमिक अधिकार मिलना चाहिए।

युवक की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या, आठ के खिलाफ मुकदमा

एजेंसी, शाहजहांपुर

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में शराब बिक्री के विरोध को लेकर हुए विवाद में एक युवक की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। तिलहर थाना क्षेत्र के शहवेगपुर गांव में गुरुवार देर रात दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान 35 वर्षीय सुरेंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) भंवरे दीक्षा ने शुक्रवार को बताया कि विवाद के दौरान सुरेंद्र कुमार के सिर पर लाठी से गंभीर चोट लगी थी। परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि सुरेंद्र कुमार और उनका परिवार गांव में कथित रूप से शराब की बिक्री का विरोध करता था। इसी बात को लेकर प्रधान पति उनसे नाराज चल रहा था।

आरोप है कि प्रधान पति ने सुरेंद्र को घर बुलाया और अपने साथियों के साथ मिलकर उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण उनकी हालत बिगड़ गई। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामले में दो आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश में दबिश दे रही है। एएसपी ने बताया कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी जमीन को अपना बताकर बेचता था राशन डीलर, फर्जी पट्टों से करोड़ों की ठगी

एजेंसी, मथुरा

राशन डीलर ने साथियों संग सरकारी जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाकर ग्राहकों को ठगा।

मथुरा में सरकारी जमीन के फर्जी पट्टे तैयार कर उन्हें बेचने के मामले का खुलासा हुआ है। आरोप है कि एक राशन डीलर अपने साथियों के साथ मिलकर कागजों में सरकारी भूमि को निजी संपत्ति दर्शाकर लोगों से लाखों-करोड़ों रुपये की ठगी कर रहा था। मामले की जानकारी सामने आने के बाद प्रशासन और संबंधित विभागों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, आरोपित मौके पर सरकारी जमीन से कोई छेड़छाड़ या निर्माण नहीं करता था। इसके बजाय वह कागजों में दूसरे लोगों के नाम फर्जी पट्टे तैयार करवाता था।

इसके बाद इन जमीनों को अपने नाम एग्रीमेंट कराकर ग्राहकों को बेचने का प्रयास करता था। जमीन को अपनी संपत्ति बताकर ग्राहकों से सौदे किए जाते थे। प्रारंभिक जांच में ऐसे कई मामलों के सामने आने की आशंका है। अधिकारियों की जांच अब आधा दर्जन से अधिक गांवों तक पहुंच सकती है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपितों ने अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह सरकारी जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर लोगों को ठगा है।

कोसीखुर्द और रसूलपुर गांवों में भी फर्जी नकल-खतौनी और पट्टे तैयार कर सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिश का मामला सामने आया है। जांच के दौरान दस्तावेजों की सत्यता, जमीन के वास्तविक स्वामित्व और किए गए सौदों की जानकारी जुटाई जा रही है। प्रशासन अब पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रहा है। दोषियों की भूमिका की भी जांच जारी है।

बेटी ने मां संग मिलकर पिता की हत्या करके शव दफनाया, गिरफ्तार

एजेंसी, रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में रिश्तों को झकझोर देने वाला हत्या का मामला सामने आया है। हरचंदपुर थाना क्षेत्र के बराईंन गांव में एक बेटी ने अपनी मां के साथ मिलकर पिता की हत्या कर दी और शव को घर से करीब 50 मीटर दूर गड्ढे में दफना दिया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर शव का कंकाल बरामद किया है। अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार सिंह ने बताया कि गांव निवासी छोटेलाल (50) अपनी पत्नी केशकली और बेटी छाया के साथ रहते थे। उनका बेटा सतीश मुंबई में नौकरी करता है। 17 जुलाई को केशकली ने सतीश को बताया था कि उसके पिता नाराज होकर घर से कहीं चले गए हैं। कई दिन बीतने के बाद भी जब छोटेलाल वापस नहीं लौटे तो सतीश गांव पहुंचा और उनकी तलाश शुरू की।

पिता के बारे में कोई जानकारी नहीं मिलने पर सतीश ने पुलिस को गुमशुदगी की सूचना दी। जांच के दौरान पुलिस को बेटी छाया पर शक हुआ। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसके पिता उसके प्रेम प्रसंग में बाधा बन रहे थे। इसी कारण उसने अपनी मां के साथ मिलकर पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने मां-बेटी की निशानदेही पर घर के पास गड्ढे से छोटेलाल का कंकाल बरामद किया। पुलिस ने पंचनामा भरकर अवशेष पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। दोनों आरोपितों से पूछताछ जारी है और पुलिस हत्या से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए मां-बेटी ने घर से कुछ दूरी पर गड्ढा खोदकर उसे दफना दिया था। पुलिस अब हत्या में इस्तेमाल सामान और अन्य साक्ष्यों की तलाश कर रही है।

पीएम पैकेज कर्मचारियों को घर से काम का आदेश नहीं, डिवकाम ने किया स्पष्ट

एजेंसी, श्रीनगर

कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच प्रशासन ने पीएम पैकेज के कर्मचारियों के लिए घर से काम करने के किसी भी आदेश की बात से साफ इनकार किया है। डिवकाम कश्मीर अंशुल गर्ग ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि पीएम पैकेज कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने के संबंध में कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी सूचना पर भरोसा करने से पहले उसकी पुष्टि आधिकारिक स्रोतों से जरूर करें। प्रशासन की ओर से कहा गया कि सरकारी विभागों से संबंधित आदेश और महत्वपूर्ण सूचनाएं केवल अधिकृत माध्यमों के जरिए ही सार्वजनिक की जाती हैं। दरअसल, कश्मीरी हिंदू कर्मचारियों को कथित धमकियों के बीच सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर पीएम पैकेज कर्मचारियों के लिए घर से काम करने का आदेश जारी होने की चर्चा सामने आई थी। इसको लेकर कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच भी असमंजस की स्थिति बनने लगी थी। अब डिवकाम की सफाई के बाद प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट कर दी है।

अंशुल गर्ग ने कहा कि लोगों को अपुष्ट खबरों और सोशल मीडिया पर प्रसारित संदेशों के आधार पर निर्णय नहीं लेना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से सरकारी और प्रशासनिक चैनलों से जारी जानकारी को ही सही मानने की अपील की। इस बीच स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी की गई है। प्रमुख स्थानों, सरकारी प्रतिष्ठानों और आयोजन स्थलों पर सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई गई है।

यात्रा

हल्की बारिश और ठंडी हवाओं के बीच 14 हजार श्रद्धालुओं ने कराया पंजीकरण

ठंडी हवाओं और बारिश के बीच भी जारी रही मां वैष्णो देवी यात्रा

एजेंसी, श्रीनगर

ठंडी हवाओं और बीच-बीच में हो रही हल्की बारिश के बावजूद मां वैष्णो देवी की यात्रा शुक्रवार को पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ जारी रही। मौसम में बदलाव के कारण श्रद्धालुओं को कुछ परेशानी जरूर हुई, लेकिन उनकी आस्था और उत्साह पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ा। सुबह से ही आधार शिविर कटड़ा में श्रद्धालुओं की चहल-पहल बनी रही और बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के भवन की ओर रवाना होते दिखाई दिए।

शुक्रवार शाम तक करीब 14 हजार श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी की यात्रा के लिए पंजीकरण करवाया। स्वतंत्रता दिवस और अन्य त्योहारों के चलते आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसे देखते हुए यात्रा मार्ग और आधार शिविर में व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मौसम खराब होने के बावजूद यात्रा के सभी प्रमुख मार्ग सुचारु रहे। बैटरी कार मार्ग भी श्रद्धालुओं के लिए खुला रहा। इससे बुजुर्गों, बच्चों और ऐसे श्रद्धालुओं को राहत मिली, जिन्हें पैदल यात्रा करने में परेशानी होती है। बैटरी कार के अलावा घोड़ा, पिट्ठू और पालकी जैसी सेवाएं भी उपलब्ध रहीं।

यात्रा मार्ग पर श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए माता के भवन की ओर बढ़ते रहे। ठंडी हवाओं और बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। कई श्रद्धालु बारिश से बचने के लिए छाते और बरसाती का सहारा लेते हुए यात्रा करते नजर आए।

त्रिकूट पर्वत पर शुक्रवार को लगातार बादलों का जमावड़ा बना रहा। इसके चलते हेलीकॉप्टर सेवा प्रभावित हुई। बीच-बीच में मौसम साफ होने पर हेलीकॉप्टर सेवा संचालित की गई, लेकिन अधिकांश समय इसे मौसम के कारण स्थगित रखना पड़ा। हेलीकॉप्टर सेवा पर निर्भर श्रद्धालुओं को मौसम साफ होने का इंतजार करना पड़ा।

प्रशासन और संबंधित विभाग मौसम की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। मौसम अनुकूल होने पर हेलीकॉप्टर सेवा को सामान्य रूप से संचालित करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, पैदल मार्ग और अन्य उपलब्ध सेवाओं के सुचारु रहने से अधिकांश श्रद्धालु अपनी यात्रा जारी रख सके।

स्वतंत्रता दिवस के चलते वैष्णो देवी यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या में हल्की बढ़ोतरी देखी जा रही है। कटड़ा के आधार शिविर से लेकर भवन परिसर तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालु विश्राम करते और मौसम का आनंद लेते भी दिखाई दिए।

श्रद्धालुओं का कहना है कि मौसम में बदलाव के बावजूद माता के दर्शन की इच्छा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है। ठंडी हवाओं और हल्की बारिश को वे यात्रा का हिस्सा मानकर पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर प्रशासन की ओर से निगरानी जारी है। मौसम को देखते हुए मार्गों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। किसी भी तरह की परेशानी सामने आने पर आवश्यक कदम उठाने की तैयारी रखी गई है। श्रद्धालुओं को भी मौसम के अनुसार सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। विशेष रूप से बुजुर्गों और बच्चों के साथ यात्रा करने वाले परिवारों से मौसम की स्थिति को ध्यान में रखकर आगे बढ़ने की अपील की जा रही है।

कानपुर में छह माह की गर्भवती अविवाहित युवती का बगीचे में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी, कानपुर

कानपुर के पतारा क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक बगीचे में छह माह की गर्भवती अविवाहित युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवती की पहचान रेनू के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

अविवाहित युवती की मांग में सिंदूर और पैरों में मिली बिछिया, जांच में जुटी पुलिस।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के पतारा स्थित एक बगीचे में सुबह लोगों ने युवती का शव पड़ा देखा। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। युवती करीब छह माह की गर्भवती बताई जा रही है। सबसे हैरान करने वाली बात यह थी कि अविवाहित होने के बावजूद उसकी मांग में सिंदूर था। इसके अलावा उसके पैरों में बिछिया और माथे पर बिंदी भी लगी हुई थी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस युवती की मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

शव मिलने से इलाके में सनसनी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार।

शव की परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। युवती की मौत स्वाभाविक है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इसका पता जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने घटनास्थल से उपलब्ध साक्ष्यों को भी जुटाना शुरू कर दिया है। युवती के गर्भवती होने और मांग में सिंदूर तथा पैरों में बिछिया मिलने के कारण मामला कई सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवती के साथ कोई व्यक्ति संपर्क में था या नहीं और वह बगीचे तक कैसे पहुंची।

फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के वास्तविक कारणों का पता चलने की उम्मीद है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस युवती की पहचान और उसके संपर्क में रहे लोगों की जानकारी जुटा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के कारणों का खुलासा होने की उम्मीद है।

हरियाणा कैबिनेट का बड़ा फैसला, कोचिंग संस्थानों के लिए पंजीकरण और एनओसी होगी अनिवार्य

कैबिनेट बैठक में 5714.80 करोड़ रुपए के वाटर सिक्योर हरियाणा कार्यक्रम को मिली मंजूरी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में वीरवार को हुई हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में कोचिंग संस्थानों के संचालन को लेकर नए नियम तय करने के साथ जल सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं, महिला स्टार्टअप्स और शहरी विकास से जुड़े फैसले लिए गए। सरकार ने कोचिंग संस्थानों के लिए पंजीकरण और अनापत्ति प्रमाणपत्र सहित कई शर्तें लागू करने का निर्णय लिया है।

कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण अनिवार्य

दिल्ली और लखनऊ में कोचिंग सेंटरों में हुए हादसों से सबक लेते हुए सरकार ने प्रदेश में निजी कोचिंग संस्थानों के लिए नियम कड़े किए हैं। नौकरियों, पेशेवर पाठ्यक्रमों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले सभी निजी कोचिंग संस्थानों को अब निर्धारित पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा।

संस्थानों को संचालन से पहले जरूरी मंजूरियां और अनापत्ति प्रमाणपत्र भी प्राप्त करने होंगे। सरकार का उद्देश्य कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ भवन, प्रवेश-निकास, अग्नि सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करना है। नए नियमों के तहत संस्थानों की जवाबदेही तय करने पर भी जोर दिया गया है।

5714.80 करोड़ का वाटर सिक्योर हरियाणा कार्यक्रम

कैबिनेट ने विश्व बैंक से वित्त पोषित वाटर सिक्योर हरियाणा प्रोग्राम को भी मंजूरी दी। इस कार्यक्रम की अनुमानित लागत 5714.80 करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य प्रदेश में जल सुरक्षा को मजबूत करना और पानी के बेहतर प्रबंधन की दिशा में काम करना है। कार्यक्रम के माध्यम से जल संसाधनों के संरक्षण, उपलब्धता और प्रबंधन को बेहतर बनाने पर जोर दिया जाएगा।

रिहायशी क्षेत्रों में खुल सकेंगे नर्सिंग होम

बैठक में रिहायशी कॉलोनियों में लीज पर नर्सिंग होम खोलने से संबंधित प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। इससे शहरी और रिहायशी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होने की उम्मीद है। निर्धारित नियमों और शर्तों के तहत नर्सिंग होम के संचालन की अनुमति दी जाएगी। हरियाणा सरकार ने महिला उद्यमियों और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना को भी स्वीकृति दी।

अंबाला में बवाल के बाद 400 लोगो पर एफआईआर, पुलिस बोली- बड़ी साजिश थी

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

अंबाला में प्रदर्शन के दौरान हुए बवाल के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बलदेव नगर और पंजोखरा थाने में दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए हैं। दोनों मामलों में करीब 200-200 लोगों को आरोपित किया गया है। पुलिस ने हत्या के प्रयास, घातक हथियारों से चोट पहुंचाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है।

अंबाला के पुलिस अधीक्षक के अनुसार प्रदर्शन के दौरान सड़क पर जाम लग गया था। इसी दौरान जाम में एक गैस टैंकर फंस गया। पुलिस का दावा है कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने टैंकर को अपने कब्जे में ले लिया था। पुलिस को आशंका थी कि टैंकर के साथ बड़ी शरारत की जा सकती है। स्थिति को नियंत्रित करने और टैंकर को सुरक्षित निकालने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसके साथ ही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। पुलिस के मुताबिक मामले में नामजद और अन्य आरोपितों की पहचान की जा रही है। एसपी का दावा है कि एफआईआर में शामिल ज्यादातर आरोपी गुरुद्वारा कमेटी से जुड़े हुए हैं। पुलिस घटनास्थल के वीडियो और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

वहीं, गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। प्रधान का कहना है कि मुख्यमंत्री की ओर से फोन आने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। उनका आरोप है कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण था और पुलिस ने अचानक कार्रवाई की। फिलहाल पुलिस और प्रदर्शनकारियों के दावों में अंतर है। पूरे घटनाक्रम की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। प्रशासन ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया है। जांच में सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

जीटी रोड पर देर रात 30 लाख की लूट स्कॉर्पियो सवार बदमाशों पर आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। जीटी रोड पर बसताड़ा गांव के समीप बुधवार देर रात 30 लाख रुपये की लूट की वारदात सामने आई है। आरोप है कि स्कॉर्पियो सवार पांच बदमाशों ने कार को रोककर पिस्टल के बल पर कार सवार युवक से 30 लाख रुपये लूट लिए। शिकायतकर्ता के अनुसार, बदमाशों ने उसके सिर पर पिस्टल के बट से हमला भी किया। बताया गया कि जिस कार में युवक सवार था, उसमें तीन अन्य लोग भी मौजूद थे। हालांकि, वारदात के दौरान वे कार से बाहर नहीं निकले। घटना की सूचना मिलते ही मधुबन थाना पुलिस और सीआइए की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है कि वास्तव में लूट हुई है या घटना के पीछे कोई अन्य वजह है। पुलिस ने शिकायतकर्ता और अन्य लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है।

जीवन कुंडू हत्याकांड में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर किसानों ने सात टोल बंद रखे

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। हिसार में डेयरी संचालक जीवन कुंडू हत्याकांड के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर किसानों और खाप प्रतिनिधियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान सात टोल प्लाजा करीब तीन घंटे तक बंद रहे। प्रदर्शनकारियों ने टोल की लेन में दरी बिछाकर बैठकर विरोध जताया और किसानों ने हुक्का रखकर वाहनों की आवाजाही रोक दी। कई स्थानों पर वाहन चालकों से हाथ जोड़कर वापस लौटने की अपील की गई। प्रदर्शन के चलते टोल पर वाहनों की कतारें लग गईं और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। किसानों और खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि जब तक हत्याकांड के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जाता, उनका विरोध जारी रहेगा। हालांकि, दोपहर करीब दो बजे के बाद सभी सातों टोल प्लाजा खोल दिए गए और यातायात सामान्य होने लगा। प्रदर्शन के दौरान प्रशासन और पुलिस की टीमें स्थिति पर नजर बनाए रहीं।

नारनौल की बेटी इशिता यादव भारतीय टीम में शामिल, 15 देशों के खिलाड़ी होंगे आमने-सामने

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। नारनौल की पुरानी मंडी निवासी युवा स्केटिंग खिलाड़ी इशिता यादव का चयन एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप-2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है। प्रतियोगिता का आयोजन 17 से 20 अगस्त तक उत्तराखंड के देहरादून में किया जाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में करीब 15 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारतीय टीम में चयन होने से इशिता के परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इशिता ने अपनी मेहनत और लगातार अभ्यास के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। अब वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। प्रतियोगिता में एशियाई देशों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल होंगे, जिससे मुकाबला काफी चुनौतीपूर्ण रहने की उम्मीद है। इशिता के चयन से स्थानीय खेल प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहन मिला है। परिजनों और खेल प्रेमियों ने उन्हें आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

गुरुद्वारे में दो ट्रस्टियों के बीच हाथापाई, कमरा खोलने और सामान निकालने पर बढ़ा विवाद

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद के थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित संतो के गुरुद्वारे में दो ट्रस्टियों के बीच विवाद के बाद हाथापाई हो गई। बताया गया कि कमरा खोलने और सामान निकालने को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। मौके पर मौजूद महिला और अन्य लोगों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को संभाला। दोनों पक्षों ने पुलिस को शिकायत दी है, जिसके आधार पर मामले की जांच की जा रही है। शिकायतकर्ता हरीश अरोड़ा ने आरोप लगाया कि उनके पिता मनोहर लाल लंबे समय से गुरुद्वारे की देखरेख करते आ रहे हैं।

यमुनानगर : घर में अकेली महिला की हत्या कर फरार हुआ आरोपी

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

शिवनगर खड्डा कॉलोनी में गुरुवार देर रात घर में अकेली 56 वर्षीय महिला की हत्या से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान पुष्पा रानी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी भारी वस्तु से सिर पर वार कर उनकी हत्या की गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुष्पा रानी अपने छोटे बेटे दीपक के साथ रहती थीं। उनके पति का कई वर्ष पहले निधन हो चुका है। बड़ा बेटा पवन अपनी पत्नी और बच्चों के साथ पास के मकान में रहता है। पुलिस के अनुसार दीपक एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। गुरुवार रात करीब आठ बजे ड्यूटी खत्म कर दीपक घर पहुंचा तो मुख्य दरवाजा खुला मिला। अंदर जाने पर उसने मां को कमरे में खून से लथपथ हालत में पड़ा देखा। उसने उन्हें उठाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसी दौरान बहन पूजा का फोन आया।

घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाती पुलिस और सीआईए टीम

दीपक ने रोते हुए उसे घटना की जानकारी दी। शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और सीआइए की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। एसपी कमलदीप गोयल और डीएसपी रजत गुलिया ने भी मौके का निरीक्षण किया।

भिवानी में अध्यापिका की मौत पर सीबीआई ने दाखिल की क्लोजर रिपोर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा के भिवानी में पिछले वर्ष संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली 19 वर्षीय अध्यापिका मनीषा की मौत के मामले में सीबीआई ने करीब आठ माह की जांच के बाद पंचकूला स्थित विशेष अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है। सीबीआई ने गुरुवार रात मृतका के पिता को इसकी जानकारी दी। 11 अगस्त 2025 को मनीषा घर से स्कूल और नर्सिंग कॉलेज जाने के लिए निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। 13 अगस्त को सिंघानी गांव के खेतों में उसका शव मिला था। स्थानीय पुलिस ने शुरुआती जांच में इसे आत्महत्या बताया था, जिसका परिजनों और ग्रामीणों ने विरोध किया। इसके बाद सरकार ने जांच सीबीआई को सौंप दी थी। सीबीआई ने जांच पूरी कर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 193 के तहत अंतिम रिपोर्ट अदालत में दाखिल की है।

वर्ष 2011 से पहले संचालित स्कूलों को एक्जिस्टिंग मानने की उठी मांग

फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन ने की शिक्षा मंत्री व निकाय मंत्री से बैठक

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन, हरियाणा ने निजी स्कूलों से जुड़े विभिन्न मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा और स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल से मुलाकात की। एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलभूषण शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने स्कूलों की समस्याओं से मंत्रियों को अवगत कराया और जल्द समाधान की मांग रखी।

फेडरेशन ने मांग की कि वर्ष 2011 से पहले संचालित निजी स्कूलों को एक्जिस्टिंग स्कूल माना जाए। इसके अलावा तकनीकी खामियों, पोर्टल की समस्या या अन्य अनजाने कारणों से निर्धारित सीटें लॉक नहीं कर पाने वाले स्कूलों पर लगाए गए जुर्माने को पूरी तरह माफ किया जाए। फेडरेशन ने कहा कि जानबूझकर नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर ही कार्रवाई होनी चाहिए। शिक्षा मंत्री ने इस मामले में सकारात्मक रुख अपनाते हुए समाधान का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने 134-ए के तहत वर्ष 2015 से लंबित भुगतान, आरटीई के तहत देय राशि, चिराग योजना और कक्षा नौवीं से 12वीं तक 134-ए के तहत पढ़ाए गए विद्यार्थियों का भुगतान शीघ्र जारी करने की मांग की। फेडरेशन के अनुसार, करीब 15 वर्षों से भुगतान लंबित रहने के कारण निजी स्कूलों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है, जिसका असर शिक्षा की गुणवत्ता पर भी पड़ रहा है। फेडरेशन ने उच्च न्यायालय में विभाग की ओर से दिए गए शपथ-पत्र के अनुरूप आरटीई की निर्धारित दरों पर भुगतान की मांग भी रखी।

साथ ही 2011 से पहले संचालित गैर-मान्यता प्राप्त स्कूलों को राहत देने, पुराने अस्थायी स्कूलों को स्थायी मान्यता प्रदान करने और पोर्टल की तकनीकी समस्या के कारण विद्यार्थियों को खेल प्रतियोगिताओं से वंचित न करने की मांग की गई। शिक्षा मंत्री ने खेल पोर्टल की समस्या दूर करने और प्लेज मनी कम करने का आश्वासन दिया। स्थानीय निकाय मंत्री से स्वीकृत कॉलोनियों में स्थित स्कूलों को अनधिकृत नहीं दर्शाने तथा कमर्शियल टैक्स के बजाय इंस्टीट्यूशनल श्रेणी में शुल्क लेने की मांग की गई।

2012 के दुलीना वैन हत्याकांड का फैसला पहचान और सबूतों में खामियों के कारण 16 बरी

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर

हरियाणा के बहुचर्चित दुलीना वैन हत्याकांड में झज्जर की अतिरिक्त सत्र अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी समेत 16 आरोपितों को बरी कर दिया है। यह मामला वर्ष 2012 का है, जब पुलिस वैन में ले जाए जा रहे चार बंदियों की हत्या कर दी गई थी। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने कहा कि चारों बंदियों की हत्या होना चिकित्सीय और वैज्ञानिक साक्ष्यों से साबित है, लेकिन अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि हत्या करने वाले आरोपी यही 16 लोग थे।

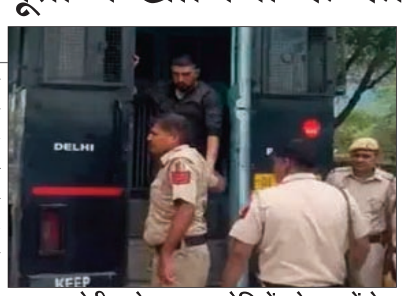

काला जठेड़ी समेत 16 आरोपियों को सबूतों के अभाव में मिली बड़ी राहत।

अतिरिक्त सत्र अदालत के न्यायाधीश सुखप्रीत सिंह ने 106 पृष्ठों के फैसले में अभियोजन के साक्ष्यों और गवाहियों का विस्तृत परीक्षण किया। अदालत के फैसले के बाद काला जठेड़ी सहित सभी आरोपितों को राहत मिली है। इस मामले में काला जठेड़ी के अलावा अनिल उर्फ छिप्पी, राजू बसौदी और नरेश उर्फ शेट्टी समेत अन्य आरोपी भी शामिल थे। बताया गया कि 10 मार्च 2012 को दुलीना क्षेत्र में पुलिस वैन को रोककर चार बंदियों को निशाना बनाया गया था।

इस वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी और पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। लंबे समय तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद अब अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। आरोपितों की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता सुधीर मोहन के अनुसार, अभियोजन के मामले में कई महत्वपूर्ण कमियां सामने आईं। आरोपितों की पहचान को लेकर खामियां थीं और शिनाख्त परेड भी नहीं कराई गई थी। इसके अलावा स्वतंत्र गवाहों की कमी तथा इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को पेश करने और साबित करने में कानूनी कमियां भी अदालत के सामने आईं। अदालत ने इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आरोपितों को संदेह का लाभ दिया। हालांकि अदालत ने चार बंदियों की हत्या की घटना को साक्ष्यों से प्रमाणित माना, लेकिन आरोपितों की संलिप्तता साबित नहीं हो सकी।

इस फैसले के साथ 14 साल पुराने दुलीना वैन हत्याकांड की सुनवाई में एक अहम पड़ाव आया है। फैसले के बाद मामले से जुड़े पक्षों में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं। अदालत के निर्णय ने एक बार फिर आपराधिक मामलों में ठोस साक्ष्यों, विश्वसनीय पहचान और कानूनी प्रक्रिया की अहमियत को उजागर किया है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

हरियाणा-यूपी में आतंक फैलाने वाला कुख्यात डकैत धारा सिंह गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स की गुरुग्राम सेंट्रल यूनिट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बावरिया गैंग के कुख्यात डकैत धारा सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था। दोनों राज्यों में उसके खिलाफ दर्ज मामलों को देखते हुए उस पर कुल एक लाख पांच हजार रुपये का इनाम घोषित था।

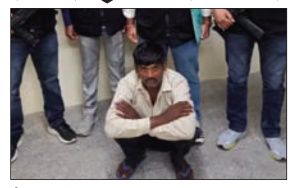

एसटीएफ के अनुसार धारा सिंह को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस से बचने के लिए आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पिछले कुछ समय से उसने भिवानी जिले के जुई गांव को अपना ठिकाना बना रखा था। यहां वह अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था और पुलिस की नजर से बचने का प्रयास कर रहा था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के नौहझील थाना क्षेत्र के रायपुर वांगर गांव का रहने वाला है। बावरिया गैंग से जुड़े होने के कारण उसका नाम कई आपराधिक मामलों में सामने आया है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। एसटीएफ को आरोपी के भिवानी में छिपे होने की सूचना मिली थी।

इसके बाद टीम ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की और पुख्ता जानकारी जुटाने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसियां अब उसके आपराधिक रिकॉर्ड, गैंग के अन्य सदस्यों और पूर्व में की गई वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही हैं। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी ने भिवानी में किसकी मदद से ठिकाना बनाया था। पूछताछ के आधार पर आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। पुलिस आरोपी के नेटवर्क और अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग जुटाने में लगी है।

'लाशों से भरी ट्रेन' ने बदला माहौल, 95 वर्षीय बुजुर्ग ने सुनाई विभाजन की दर्दनाक कहानी

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

भारत के विभाजन को भले ही 79 वर्ष बीत चुके हों, लेकिन उस दौर की भयावह यादें आज भी उन लोगों के जेहन में ताजा हैं, जिन्होंने अपनी आंखों से वह समय देखा था। भिवानी के 95 वर्षीय मनोहर लाल भाटिया भी उन प्रत्यक्षदर्शियों में शामिल हैं। उन्होंने 1947 के विभाजन के दौरान पैदा हुए डर, अविश्वास और हिंसा के दौर को याद करते हुए बताया कि किस तरह एक खबर ने वर्षों से साथ रह रहे लोगों के बीच भरोसा तोड़ दिया था।

1947 के विभाजन के दौरान देखे भयावह दौर को याद करते 95 वर्षीय मनोहर लाल भाटिया।

मनोहर लाल भाटिया बताते हैं कि वर्ष 1947 में उनकी उम्र महज 14 वर्ष थी। उस समय वह अपने नाना के घर फरमाना गांव में रह रहे थे। बामला सहित आसपास के कई गांवों में हिंदू और मुस्लिम परिवार लंबे समय से मिल-जुलकर रहते थे। लोगों के बीच आपसी संबंध सामान्य थे और किसी को यह अंदाजा नहीं था कि हालात इतनी तेजी से बदल जाएंगे। इसी दौरान पाकिस्तान की ओर से लाशों से भरी ट्रेन आने की खबर गांवों तक पहुंची। इस खबर ने लोगों के मन में भय पैदा कर दिया। देखते ही देखते आपसी विश्वास कमजोर होने लगा। जिन गांवों में लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होते थे, वहां संदेह और तनाव का माहौल बन गया।

मनोहर लाल के अनुसार, आसपास के क्षेत्रों में मारकाट शुरू होने के बाद ग्रामीणों ने रात में जागकर पहरा देना शुरू कर दिया। हर व्यक्ति अपने परिवार और गांव की सुरक्षा को लेकर चिंतित था। बच्चों और महिलाओं को घरों के भीतर सुरक्षित रखने की कोशिश की जाती थी। रातें डर और अनिश्चितता में गुजरती थीं। करीब एक सप्ताह बाद सैन्य बलों के पहुंचने से स्थिति को नियंत्रित करने में मदद मिली।

धीरे-धीरे तनाव कम हुआ और लोग घरों से बाहर निकलने लगे। मनोहर लाल बताते हैं कि इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे से मिलना शुरू किया और माहौल में फिर से भरोसा लौटने लगा। उनके लिए 1947 केवल आजादी का वर्ष नहीं था, बल्कि ऐसा दौर भी था जिसने समाज को भय, बिछड़ने और हिंसा का दर्द दिया। विभाजन की त्रासदी ने मनोहर लाल के मन में आज भी उस दौर की भयावह यादें जिंदा रखी हैं।

विभाजन की त्रासदी से जूझे 100 वर्षीय महाराज कृष्ण पुरी, संघर्ष से बने सफल उद्योगपति

1947 की भयावह यादें आज भी ताजा, महाराज कृष्ण पुरी ने बताया कैसे विपरीत परिस्थितियों में संवारा अपना भविष्य

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

भारत-पाकिस्तान विभाजन की त्रासदी ने लाखों लोगों की जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया था। अपने घर, कारोबार और संपत्ति को पीछे छोड़कर हजारों परिवारों को अनजान जगहों पर शरण लेनी पड़ी। इन्हीं पीड़ितों में यमुनानगर के मॉडल टाउन निवासी 100 वर्षीय महाराज कृष्ण पुरी भी शामिल हैं। उन्होंने विभाजन के दर्द को करीब से देखा और बेहद कठिन परिस्थितियों में भारत आकर अपने जीवन की नई शुरुआत की।

महाराज कृष्ण पुरी ने विभाजन के उन भयावह दिनों को याद करते हुए बताया कि वर्ष 1947 में वह पाकिस्तान के गुजरात में रहते थे। उनके पिता प्रताप चंद पुरी वहां प्रसिद्ध वकील थे। वह स्वयं बीए की पढ़ाई कर रहे थे। परिवार का जीवन सामान्य रूप से चल रहा था, लेकिन देश के विभाजन की घोषणा के बाद अचानक परिस्थितियां बदल गईं। विभाजन के दौरान सांप्रदायिक तनाव बढ़ने लगा और लोगों के सामने अपनी जान बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। ऐसे कठिन समय में उन्हें पाकिस्तान छोड़कर भारत आना पड़ा। महाराज कृष्ण पुरी के अनुसार, उस समय उनके पास सिर्फ 10 रुपये और तीन जोड़ी कपड़े थे। जो परिवार कभी संपन्न जीवन जी रहा था, उसे सब कुछ पीछे छोड़कर नए सिरे से जिंदगी शुरू करनी पड़ी। भारत पहुंचने के बाद उन्होंने परिस्थितियों के सामने हार नहीं मानी। यमुनानगर को उन्होंने अपना नया ठिकाना बनाया।

यहां जीवन आसान नहीं था। परिवार और भविष्य की जिम्मेदारियों के बीच उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उन्होंने दिन में काम किया और रात में पढ़ाई जारी रखी। कठिन परिश्रम और शिक्षा के सहारे उन्होंने धीरे-धीरे अपने लिए रास्ता बनाया। महाराज कृष्ण पुरी ने बताया कि विभाजन के बाद नए भारत में बसना उनके लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। सीमित साधनों के बावजूद उन्होंने अपने भीतर आगे बढ़ने का विश्वास बनाए रखा। समय के साथ मेहनत रंग लाई और उन्होंने कारोबार के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। आज उनका नाम यमुनानगर के प्रमुख उद्योगपतियों में लिया जाता है। सफलता मिलने के बाद भी उन्होंने समाज से अपना जुड़ाव नहीं छोड़ा। समाजसेवा और राष्ट्रहित के कार्यों में उनकी सक्रियता लगातार बनी रही। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी लंबे समय से जुड़े रहे हैं और सामाजिक गतिविधियों में योगदान देते रहे हैं।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर अपनी कहानी साझा करते हुए महाराज कृष्ण पुरी ने कहा कि उस दौर की यादें आज भी उनके मन में ताजा हैं। उन्होंने बताया कि विभाजन ने केवल जमीन और संपत्ति का बंटवारा नहीं किया, बल्कि करोड़ों लोगों को अपने घरों से दूर कर दिया। कई परिवारों ने अपनों को खोया और नए स्थानों पर शून्य से जीवन शुरू किया। महाराज कृष्ण पुरी की जिंदगी इस बात की मिसाल है कि कठिन परिस्थितियां इंसान का रास्ता रोक सकती हैं, लेकिन हौसला और मेहनत उसे आगे बढ़ने से नहीं रोक सकते।

पाकिस्तान से महज 10 रुपये और तीन कपड़ों के साथ भारत पहुंचे इस बुजुर्ग ने संघर्ष के बल पर न केवल अपना भविष्य बनाया, बल्कि समाजसेवा को भी अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बना लिया। उनके अनुभव आज की पीढ़ी के लिए विभाजन की पीड़ा और संघर्ष के साथ-साथ हिम्मत, मेहनत और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरक कहानी हैं।आज भी महाराज कृष्ण पुरी विभाजन के उन दिनों को याद कर भावुक हो जाते हैं। उनका कहना है कि उस समय लोगों के सामने केवल अपनी जान बचाने और परिवार को सुरक्षित रखने की चिंता थी। भारत पहुंचने के बाद उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद परिस्थितियों का डटकर सामना किया। उन्होंने मेहनत को अपना आधार बनाया और शिक्षा को आगे बढ़ने का माध्यम बनाया। समय बीतने के साथ उन्होंने कारोबार में सफलता हासिल की और यमुनानगर में अपनी अलग पहचान बनाई।

कैथल में पुलिस पर झूठे शराब केस में फंसाने का आरोप, एसएचओ और आईओ का तबादला

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

कैथल जिले के चीका में पुलिस पर एक व्यक्ति को कथित तौर पर झूठे शराब तस्करी के मामले में फंसाने का गंभीर आरोप लगा है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जांच की जिम्मेदारी डीएसपी गुहला रमेश गुलिया को सौंपी गई है। वहीं, मामले में चीका थाना प्रभारी और जांच अधिकारी का तबादला कर दिया गया है। चीका निवासी बुटा सिंह ने पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसे एक झगड़े से जुड़े मामले में समझौता नहीं करने के कारण शराब तस्करी के झूठे केस में फंसाया गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि उसकी कार में शराब रखकर उसे आरोपी बनाने की कोशिश की गई। मामले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद शिकायत ने गंभीर रूप ले लिया।

शिकायत के आधार पर एसपी ने मामले की जांच डीएसपी गुहला को सौंप दी है। साथ ही चीका थाना प्रभारी एसआइ प्रवीन का तबादला स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट में कर दिया गया है। मामले के जांच अधिकारी एएसआइ विकास को भी चीका थाने से सिटी थाना स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा जिले में 20 से अधिक पुलिस कर्मचारियों के तबादले किए गए हैं। हालांकि इन सभी तबादलों को सीधे तौर पर इसी मामले से जोड़कर नहीं देखा जा रहा है, लेकिन कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में चर्चा तेज हो गई है। बुटा सिंह ने मामले को लेकर पुलिस महानिदेशक, पुलिस अधीक्षक और मानवाधिकार आयोग को भी शिकायत भेजी है। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट होगी। डीएसपी स्तर की जांच में सीसीटीवी फुटेज, शिकायतकर्ता के आरोपों और पुलिस की कार्रवाई से जुड़े तथ्यों को देखा जाएगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। जांच के दौरान पुलिस की कार्रवाई, सीसीटीवी फुटेज और शिकायतकर्ता के बयानों का बारीकी से परीक्षण किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार किसी भी कर्मचारी की भूमिका सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। वहीं, शिकायतकर्ता ने निष्पक्ष जांच की मांग दोहराते हुए कहा कि उसे न्याय मिलने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

मेरठ के नंगली किठौर की बड़ी उपलब्धि यूपी का पहला तंबाकू मुक्त गांव बना

एजेंसी ,नई दिल्ली । मेरठ के माछरा ब्लॉक स्थित नंगली किठौर ग्राम पंचायत ने उत्तर प्रदेश का पहला तंबाकू मुक्त गांव बनकर इतिहास रच दिया है। गांव की एकजुटता, जागरूकता और सामूहिक प्रयासों से तंबाकू सेवन के खिलाफ अभियान को सफलता मिली। इस उपलब्धि को पूरे प्रदेश के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मिसाल माना जा रहा है। नंगली किठौर की सफलता से प्रेरित होकर अब मेरठ जिला प्रशासन ने जिले के 18 अन्य गांवों को भी तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया है। इन गांवों को मार्च 2027 तक तंबाकू मुक्त करने की योजना है।अभियान के तहत ग्रामीणों को तंबाकू और उससे होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के प्रति जागरूक किया जाएगा। लोगों को तंबाकू उत्पादों से दूरी बनाने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ गांवों में जागरूकता गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी। नंगली किठौर की उपलब्धि के पीछे ग्राम पंचायत, ग्रामीणों और प्रशासन के संयुक्त प्रयास को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गांव ने सामूहिक भागीदारी के जरिए यह साबित किया कि स्थानीय स्तर पर मजबूत इच्छाशक्ति और जागरूकता से तंबाकू जैसी गंभीर समस्या के खिलाफ प्रभावी बदलाव लाया जा सकता है। प्रशासन का उद्देश्य नंगली किठौर के मॉडल को दूसरे गांवों तक पहुंचाना है। यदि यह अभियान सफल रहता है तो मेरठ के कई गांव तंबाकू मुक्त बन सकते हैं और इसका सकारात्मक प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ेगा।

नोएडा से दिल्ली जाने वालों के लिए जरूरी खबर रात 10 बजे से बदलेगा रूट

एजेंसी ,नई दिल्ली । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले में होने वाले ध्वजारोहण और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देखते हुए नोएडा से दिल्ली जाने वाले भारी वाहनों के लिए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए रात 10 बजे से भारी वाहनों का डायवर्जन शुरू होगा। यातायात पुलिस के अनुसार, यह डायवर्जन स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम समाप्त होने तक लागू रहेगा। इस दौरान नोएडा से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा। इसका उद्देश्य दिल्ली की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम करना और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है। स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले के आसपास बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना रहती है। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों और यातायात पुलिस ने पहले से ही व्यापक तैयारियां की हैं। भारी वाहनों के प्रवेश पर नियंत्रण इसी सुरक्षा योजना का हिस्सा है। यात्रियों और वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे घर से निकलने से पहले यातायात व्यवस्था और डायवर्जन की जानकारी जरूर लें। विशेष रूप से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन चालक वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें और यातायात पुलिस के निर्देशों का पालन करें। डायवर्जन लागू रहने के दौरान सामान्य वाहनों की आवाजाही पर भी कुछ स्थानों पर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए दिल्ली जाने वाले लोगों को अतिरिक्त समय लेकर निकलने और संभावित ट्रैफिक जाम से बचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। यातायात पुलिस का कहना है कि कार्यक्रम समाप्त होने और स्थिति सामान्य होने के बाद यातायात व्यवस्था को पहले की तरह बहाल कर दिया जाएगा। सुरक्षा और सुगम यातायात के लिए वाहन चालकों से सहयोग की अपील की गई है।

आजमगढ़ में पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई, मुठभेड़ में दो गिरफ्तार

एजेंसी ,नई दिल्ली । आजमगढ़ के तरवां थाना क्षेत्र में गुरुवार को पुलिस और अंतरजनपदीय टप्पेबाजों व चोरों के बीच मुठभेड़ हो गई। कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद दोनों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से संबंधित सामान और अन्य जानकारी जुटाने के लिए पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान गाजीपुर के भांवरकोल थाना क्षेत्र के सुखडेहरा निवासी 25 वर्षीय मुकेश यादव, पुत्र अनिल यादव, के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे मौके से घायल अवस्था में गिरफ्तार किया और उपचार के लिए अस्पताल भेजा। उसका साथी कुसमपुरा निवासी कमलेश, पुत्र स्वर्गीय फतींगन, को भी पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि आरोपियों का एक अन्य साथी विकास यादव अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस ने आसपास के थानों को सतर्क कर दिया। इसी दौरान उसकी घेराबंदी के लिए मेंहनगर पुलिस ने अभियान चलाया।

गाजियाबाद में बनेगी नई एयरोसिटी, तीन गांवों की जमीन पर होगा बड़ा विकास

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) राजनगर एक्सटेंशन में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के पास करीब 230 हेक्टेयर जमीन पर एयरोसिटी नाम से आधुनिक कमर्शियल टाउनशिप विकसित करने की तैयारी कर रहा है। यह योजना अटौर, मोरटी और मेवला अगरी गांवों की करीब 230.22 हेक्टेयर जमीन पर प्रस्तावित है। प्राधिकरण को योजना के लिए करीब 200.25 हेक्टेयर जमीन की जरूरत है। इसमें अटौर की लगभग 108.26 हेक्टेयर, मोरटी की 51.98 हेक्टेयर और मेवला अगरी की 40.02 हेक्टेयर भूमि शामिल है।

बाकी जमीन पहले से प्राधिकरण के पास मौजूद है या बंजर और झील क्षेत्र में आती है। जीडीए इस परियोजना के लिए लैंड पूलिंग को प्राथमिकता दे रहा है। इस व्यवस्था के तहत किसानों से जमीन लेकर टाउनशिप विकसित की जाएगी और योजना पूरी होने के बाद किसानों को उनकी जमीन के बदले 25 प्रतिशत विकसित भूमि वापस दी जाएगी। किसान इस विकसित जमीन का इस्तेमाल निर्धारित लैंडयूज के अनुसार कर सकेंगे। प्राधिकरण ने किसानों को योजना और लैंड पूलिंग के फायदे समझाने के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया है। इसके लिए एक वीडियो भी तैयार किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि किसानों की सहमति से योजना को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि, यदि किसान लैंड पूलिंग के लिए तैयार नहीं होते हैं तो जीडीए के पास दो अन्य विकल्प भी हैं।

कुतुबमीनार से दोगुना ऊंचा होगा दिल्ली का नया सचिवालय, 50 मंजिला टावर बनाने की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार राजधानी में नया सचिवालय भवन बनाने की योजना पर काम कर रही है। प्रस्तावित सचिवालय भवन को करीब 50 मंजिला बनाने पर विचार किया जा रहा है। इसकी संभावित ऊंचाई लगभग 150 मीटर हो सकती है। यदि यह प्रस्ताव अंतिम रूप लेता है तो नया सचिवालय भवन कुतुबमीनार से करीब दोगुना ऊंचा होगा। कुतुबमीनार की ऊंचाई लगभग 72.5 मीटर है। इस लिहाज से प्रस्तावित सचिवालय दिल्ली की सबसे ऊंची इमारतों में शामिल हो सकता है।

प्रस्तावित भवन को आईटीओ क्षेत्र में विकसित करने की योजना है। हालांकि, अभी भवन की अंतिम ऊंचाई, डिजाइन और अन्य तकनीकी पहलुओं को मंजूरी नहीं मिली है। सरकार की ओर से परियोजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अध्ययन कराया जा रहा है। इसके लिए विशेषज्ञों की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। तीन दिन पहले हुई समीक्षा बैठक में प्रस्तावित सचिवालय भवन को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

बैठक में करीब 50 मंजिल वाले टावर की संभावित ऊंचाई से जुड़ी तकनीकी और नियामकीय चुनौतियों पर विचार किया गया। अधिकारियों और विशेषज्ञों के सामने यह सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती होगी कि इतनी ऊंची इमारत सभी सुरक्षा मानकों को पूरा करे।

इतने ऊंचे भवन के निर्माण में संरचनात्मक सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक होगी। दिल्ली भूकंपीय गतिविधियों की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में आती है, इसलिए प्रस्तावित भवन का डिजाइन भूकंपरोधी मानकों के अनुरूप तैयार करना होगा। भवन की नींव, ढांचे और निर्माण सामग्री की मजबूती का भी विस्तृत परीक्षण किया जाएगा। इसके अलावा आग से सुरक्षा के लिए आधुनिक अग्निशमन व्यवस्था विकसित करना जरूरी होगा।

प्रयागराज में मनसैता नाले पर बनेंगी 8 स्थायी पुलिया, खर्च होंगे 20 करोड़

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज के संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं और कल्पवासियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए महत्वपूर्ण योजना तैयार की गई है। लोक निर्माण विभाग की ओर से मनसैता नाले पर आठ स्थायी पुलिया का निर्माण कराया जाएगा। इस परियोजना पर करीब 20 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। स्थायी पुलिया बनने के बाद माघ मेला और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। संगम क्षेत्र में हर वर्ष माघ मेला, महाकुंभ सहित अन्य बड़े आयोजनों के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस दौरान मनसैता नाला श्रद्धालुओं के आवागमन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

अभी तक नाले को पार करने के लिए अस्थायी पीपा पुलिया का निर्माण कराया जाता रहा है। मेला समाप्त होने के बाद इन अस्थायी पुलों को हटा दिया जाता है। इससे हर वर्ष दोबारा पुलिया तैयार करने की आवश्यकता पड़ती है। अब लोक निर्माण विभाग ने इस अस्थायी व्यवस्था से स्थायी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया है। प्रस्तावित योजना के तहत मनसैता नाले पर आठ स्थायी पुलिया बनाई जाएंगी।

प्रत्येक पुलिया के निर्माण पर करीब 2.50 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। इस तरह पूरी परियोजना की लागत लगभग 20 करोड़ रुपये होगी। स्थायी पुलिया बनने से श्रद्धालुओं को केवल मेला अवधि में ही नहीं, बल्कि पूरे साल आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। इससे संगम क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों को मौसम या आयोजन के अनुसार अस्थायी पुलों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। साथ ही हर वर्ष पीपा पुलिया बनाने और हटाने पर होने वाला खर्च तथा प्रशासनिक मेहनत भी कम हो सकती है। प्रस्तावित पुलिया धार्मिक आयोजनों के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो सकती हैं। अलग-अलग स्थानों पर स्थायी पुल उपलब्ध होने से श्रद्धालुओं के आवागमन को बेहतर तरीके से व्यवस्थित किया जा सकेगा।

नोएडा स्कूलों में स्क्रीन टाइम की सीमा तय, प्राथमिक कक्षाओं के लिए 30 मिनट

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा स्कूलों में स्मार्ट क्लास का स्क्रीन टाइम सीमित किया गया

गौतमबुद्धनगर में स्मार्ट क्लास के नाम पर बच्चों के लंबे समय तक स्क्रीन देखने की शिकायतों के बाद प्रशासन ने स्कूलों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कई स्कूलों में बच्चों को स्मार्ट बोर्ड और डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से रोजाना कई घंटे पढ़ाए जाने की बात सामने आई थी। इसको लेकर बच्चों के स्वास्थ्य और आंखों पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को ध्यान में रखते हुए स्क्रीन टाइम को सीमित करने की व्यवस्था की गई है। प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, प्राथमिक कक्षाओं में स्मार्ट क्लास या डिजिटल स्क्रीन के इस्तेमाल की अवधि अधिकतम 30 मिनट तक रखने को कहा गया है।

वहीं उच्च प्राथमिक कक्षाओं में स्क्रीन के इस्तेमाल की सीमा 60 मिनट निर्धारित की गई है। इसका उद्देश्य बच्चों को जरूरत से ज्यादा स्क्रीन के संपर्क में आने से बचाना है। बताया गया कि डिजिटल माध्यम से पढ़ाई आज के समय में शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल सामग्री और वीडियो के जरिए बच्चों को विषय समझाने में आसानी होती है। हालांकि, लगातार और लंबे समय तक स्क्रीन देखने से बच्चों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका रहती है।

इसी वजह से प्रशासन ने डिजिटल शिक्षा और बच्चों के स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया है। निर्देशों में स्कूलों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि स्मार्ट क्लास का इस्तेमाल केवल आवश्यक शैक्षणिक गतिविधियों के लिए किया जाए। शिक्षकों को भी बच्चों की उम्र और कक्षा के अनुसार डिजिटल सामग्री का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। स्क्रीन आधारित पढ़ाई के अलावा बच्चों को सामान्य शिक्षण गतिविधियों, किताबों और अन्य शैक्षणिक माध्यमों से भी पढ़ाने पर जोर दिया गया है। प्रशासन का मानना है कि तकनीक का इस्तेमाल शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए, लेकिन इसके कारण बच्चों का स्क्रीन टाइम अनावश्यक रूप से नहीं बढ़ना चाहिए।

आगरा में सिपाही पर किशोरी से अश्लील हरकत करने का आरोप, 13 दिन बाद केस दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली

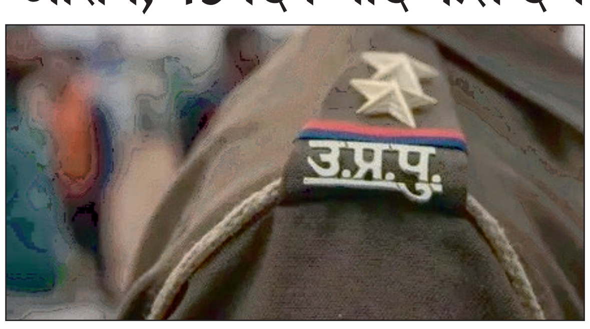

आगरा के अछनेरा क्षेत्र में एक सिपाही पर किशोरी के साथ कथित तौर पर अश्लील हरकत और अभद्र व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगा है। मामले में पुलिस आयुक्त के निर्देश के बाद सिपाही के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि घटना 31 जुलाई को कुकथला चौकी के पास हुई थी। घटना के बाद किशोरी के परिजन कार्रवाई की मांग को लेकर लगातार थाने के चक्कर लगाते रहे।

जानकारी के अनुसार, कुकथला चौकी के पास रहने वाले एक सिपाही पर आरोप है कि उसने किशोरी के साथ कथित रूप से अश्लील हरकत की और उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। घटना के बाद किशोरी ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद परिजन मामले की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। परिजनों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद तत्काल मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। वे कई दिनों तक थाने में कार्रवाई की उम्मीद लेकर जाते रहे। मामले में करीब 13 दिन बाद पुलिस आयुक्त के निर्देश पर मुकदमा दर्ज किया गया। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अब घटना से जुड़े तथ्यों और आरोपों की जांच कर रही है। इसके साथ ही किशोरी और उसके परिजनों से भी आवश्यक जानकारी ली जा रही है। आरोपी सिपाही की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर भी चर्चा है। पुलिसकर्मी पर लगे आरोपों के कारण मामला गंभीर माना जा रहा है। परिजनों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। फिलहाल मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस जांच में जुटी है।

रेलवे में जूनियर इंजीनियर बनने के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रेलवे में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने जूनियर इंजीनियर (जेई) भर्ती 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस भर्ती अभियान के तहत जूनियर इंजीनियर समेत संबंधित तकनीकी पदों पर कुल 4098 रिक्तियों को भरा जाना है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार 14 अगस्त 2026 से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 13 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। रेलवे की तकनीकी सेवाओं में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवारों के लिए यह भर्ती महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही है। चयनित अभ्यर्थियों को भारतीय रेलवे के विभिन्न विभागों और इकाइयों में तकनीकी जिम्मेदारियां संभालने का अवसर मिलेगा।

दिल्ली क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई पैरोल जंपर कलीम शेख दबोचा गया

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मासूम बच्चे के अपहरण और हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक पैरोल जंपर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कलीम शेख के रूप में हुई है, जो दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके का रहने वाला बताया गया है। आरोपी पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद तय समय पर वापस नहीं लौटा था और फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, कलीम शेख एक मासूम बच्चे के अपहरण और हत्या के मामले में दोषी ठहराया जा चुका है। अदालत ने उसे इस गंभीर अपराध में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

सजा के दौरान उसे पैरोल दी गई थी, लेकिन पैरोल की अवधि समाप्त होने के बाद उसने जेल में वापस लौटने के बजाय फरार होने का रास्ता चुना। इसके बाद वह पुलिस की नजरों से बचता रहा। पैरोल जंप करने के बाद आरोपी की तलाश लगातार की जा रही थी। क्राइम ब्रांच की टीम को उसकी गतिविधियों और संभावित ठिकाने के बारे में जानकारी जुटाने के लिए लगाया गया था। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि पैरोल की अवधि खत्म होने के बाद वह कहां-कहां रहा और किन लोगों के संपर्क में था।

पुलिस उसके फरार रहने के दौरान की गतिविधियों की भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पैरोल पर रिहा होने वाले कैदियों को निर्धारित शर्तों का पालन करना होता है और अवधि पूरी होने पर जेल में वापस लौटना जरूरी होता है। तय समय पर वापस नहीं लौटने वाले कैदियों को पैरोल जंपर माना जाता है और उनकी तलाश शुरू कर दी जाती है। कलीम शेख की गिरफ्तारी को क्राइम ब्रांच की महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। पुलिस अब आरोपी को आगे की कानूनी प्रक्रिया के तहत संबंधित अदालत के समक्ष पेश करेगी।

साथ ही उसके फरार रहने की पूरी अवधि और इस दौरान की गतिविधियों की जांच की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि गंभीर अपराधों में सजा काट रहे और पैरोल की शर्तों का उल्लंघन कर फरार होने वाले आरोपियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

मासूम अपहरण-हत्या का दोषी पैरोल जंपर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा में बड़ा हादसा टला, ग्राम सचिवालय की छत अचानक गिरी

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र स्थित डुंढेरा गांव में ग्राम सचिवालय के मुख्य हाल की छत अचानक भरभराकर गिर गई। छत गिरने की घटना से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि हादसे के समय ग्राम सचिवालय के मुख्य हाल में कोई ग्रामीण, बच्चा या कर्मचारी मौजूद नहीं था। इसके चलते एक बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना के बाद ग्रामीणों में रोष है और उन्होंने भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

जानकारी के अनुसार, डुंढेरा गांव में ग्रामीणों की सुविधा और प्रशासनिक कार्यों के लिए ग्राम सचिवालय का निर्माण कराया गया था। सचिवालय के मुख्य हाल का इस्तेमाल ग्रामीणों से जुड़े विभिन्न कार्यों और बैठकों के लिए किया जाता है। बताया जा रहा है कि कुछ समय से भवन की स्थिति को लेकर ग्रामीणों में चिंता थी। इसी बीच मुख्य हाल की छत अचानक गिर गई। छत गिरने के बाद मौके पर मलबा फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने बताया कि यदि घटना के समय सचिवालय के अंदर लोग मौजूद होते तो जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था। खासतौर पर मुख्य हाल में ग्रामीणों और बच्चों की आवाजाही रहती है, इसलिए हादसे की गंभीरता और भी बढ़ जाती है।

घटना को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका आरोप है कि भवन के निर्माण या मरम्मत कार्य में इस्तेमाल की गई सामग्री और काम की गुणवत्ता की उचित जांच नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी भवन की छत का इस तरह अचानक गिर जाना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से यह भी मांग की है कि ग्राम सचिवालय के पूरे भवन की तकनीकी जांच कराई जाए। उनका कहना है कि केवल गिरी हुई छत की मरम्मत कराने के बजाय पूरे भवन की मजबूती का परीक्षण जरूरी है, ताकि भविष्य में कोई बड़ा हादसा न हो। यदि भवन के किसी अन्य हिस्से में भी कमजोरी है तो उसे समय रहते ठीक किया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने निर्माण और मरम्मत कार्य से जुड़े जिम्मेदार लोगों की भूमिका की भी जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जांच में लापरवाही या घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल सामने आता है तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

दिल्ली में बम धमकी से हड़कंप, हाई कोर्ट और एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ाई गई

15 अगस्त से पहले दिल्ली में खौफ, बम धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस से ठीक एक दिन पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बम धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। दिल्ली हाई कोर्ट और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे समेत कई महत्वपूर्ण स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। संदेश में दिल्ली के महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों को निशाना बनाने की बात कही गई थी। दिल्ली हाई कोर्ट तथा एयरपोर्ट जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों का नाम सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इसे गंभीरता से लिया। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें सक्रिय हो गईं और संबंधित परिसरों में सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई। दिल्ली हाई कोर्ट परिसर के आसपास भी सुरक्षा बढ़ा दी गई। पुलिस और सुरक्षा कर्मचारियों ने आने-जाने वाले लोगों तथा वाहनों की जांच तेज कर दी। परिसर में किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की तलाश की गई। इसी तरह एयरपोर्ट पर भी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया। यात्रियों, कर्मचारियों और सामान की जांच में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। धमकी मिलने के बाद बम निरोधक दस्तों और अन्य सुरक्षा टीमों को भी सक्रिय किया गया। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि धमकी वाला ई-मेल किसने भेजा और इसका उद्देश्य क्या था।

ई-मेल के स्रोत और तकनीकी जानकारी की जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि धमकी के पीछे कोई वास्तविक खतरा है या केवल लोगों में डर पैदा करने की कोशिश की गई है। स्वतंत्रता दिवस के कारण दिल्ली में पहले से ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। राजधानी में प्रमुख सरकारी इमारतों, बाजारों, सार्वजनिक स्थानों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है। पुलिस की गश्त बढ़ाई गई है और संदिग्ध लोगों तथा वस्तुओं की जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए पूरी तैयारी में हैं। इस घटना के बाद लोगों से भी सावधानी बरतने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दी जानी चाहिए। बिना पुष्टि के किसी संदेश या खबर को आगे न भेजने की सलाह भी दी गई है।

गौरतलब है कि दिल्ली में इससे पहले भी स्कूलों, अस्पतालों, अदालतों और हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। कई मामलों में जांच के दौरान कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली और धमकियां झूठी साबित हुईं। इसके बावजूद सुरक्षा एजेंसियां ऐसी हर सूचना को गंभीरता से लेती हैं, क्योंकि स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसर पर सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा सकती। फिलहाल दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां धमकी की जांच में जुटी हैं। हाई कोर्ट, एयरपोर्ट और अन्य संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि धमकी के पीछे कौन था और उसका वास्तविक उद्देश्य क्या था।

15 अगस्त से पहले दिल्ली में बम धमकी, हाई अलर्ट

हरियाली तीज पर महिलाओं ने मनाया उत्सव

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। महिला मोर्चा जिला शिमला की ओर से जिला अध्यक्ष रीना शर्मा की अध्यक्षता में हरियाली तीज के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से तीज का पर्व मनाया और एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान महिलाओं ने तीज के पारंपरिक रंग में रंगते हुए उत्सव का आनंद लिया। जिला अध्यक्ष रीना शर्मा ने कहा कि हरियाली तीज भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से महिलाओं को अपनी संस्कृति और रीति-रिवाजों से जुड़ने का अवसर मिलता है। साथ ही आपसी मेल-जोल और भाईचारे की भावना भी मजबूत होती है। कार्यक्रम में सुधा भारद्वाज, पूर्व शिमला मेयर सत्याकौंडल, पूर्व सक्षम गुड़िया बोर्ड उपाध्यक्ष रूपा शर्मा, प्रेम चौहान, लता शर्मा, अनिता सूद, बृज सूद, मीनाक्षी गोयल, रंजना गंगटा, डिंपल चंदेल, नेहा ठाकुर, पार्षद रचना शर्मा, निशा ठाकुर, आशा शर्मा, किमी सूद, बिंदु सूद, संजना चौहान, अमृता चौहान और प्रज्वल सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

तिरंगा स्वतंत्रता, एकता व गौरव का प्रतीक : अनुराग

हमीरपुर में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, हजारों जेन जी बच्चों ने लिया हिस्सा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर हमीरपुर में शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। भोटा चौक से शुरू होकर गांधी चौक तक पहुंची इस यात्रा में हजारों जेन जी बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। यात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर, विधायक इंद्रदत्त लखनपाल एवं आशीष शर्मा, पूर्व विधायक राजिंदर सिंह राणा, विजय अग्निहोत्री, कमलेश कुमारी एवं डॉ. अनिल धीमान, पार्टी के जिला और मंडलों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।

यात्रा के दौरान भारत माता की जय और 'तिरंगे के सम्मान में, जेन जी मैदान में' के नारों से माहौल गूंज उठा। अनुराग सिंह के साथ बच्चों ने पूरे जोश के साथ नारे लगाए और भारत माता तथा तिरंगे के प्रति अपने प्रेम और सम्मान का प्रदर्शन किया। बच्चों की भारी भागीदारी ने तिरंगे के प्रति नई पीढ़ी के जुड़ाव और राष्ट्रभक्ति की भावना को उजागर किया।

अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा देश की स्वतंत्रता, एकता और गौरव का प्रतीक है। तिरंगा हमें भारत की सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता की याद दिलाता है। इसे फहराना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और सम्मान की बात है। तिरंगा केवल हमारे राष्ट्र की पहचान नहीं, बल्कि हमें अपनी जिम्मेदारियों और देशभक्ति की भावना को और मजबूत करने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चल रहे हर घर तिरंगा अभियान से जुड़कर हम सभी अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और राष्ट्रभक्ति के इस महाअभियान का हिस्सा बनें।

उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और जेन जी से आह्वान किया कि वे तिरंगे के सम्मान को अपने जीवन में सर्वोच्च स्थान दें और देश के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। अनुराग ने कहा कि आज विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर हम उन सभी पीड़ित परिवारों के साहस व संघर्ष को नमन करते हैं, जो देश के निर्मम विभाजन से प्रभावित हुए। लाखों लोग बेघर हुए, अनेकों ने अपने प्राण गंवाए व अनगिनत परिवारों ने अपने पिता, पुत्र, मां, बहन, बेटियों और अपने प्रियजनों को खोया।

मल्लिकार्जुन खड़गे के मंच के 'शुद्धिकरण' को लेकर रोष

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उत्तराखंड के हल्द्वानी में रैली के बाद मंच पर कथित तौर पर कराए गए 'शुद्धिकरण' हवन को लेकर कांगड़ा कांग्रेस ने कड़ा रोष जताया है। कांगड़ा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नागेश्वर मनकोटिया और एपीएमसी अध्यक्ष नरेंद्र मोंगरा ने इस घटना को निंदनीय बताते हुए इसे दलित विरोधी मानसिकता करार दिया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि खरगे देश के प्रमुख विपक्षी दल के अध्यक्ष हैं और उनके मंच का शुद्धिकरण कराया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की घटना दलितों और पिछड़ों के प्रति असम्मानजनक सोच को दर्शाती है।

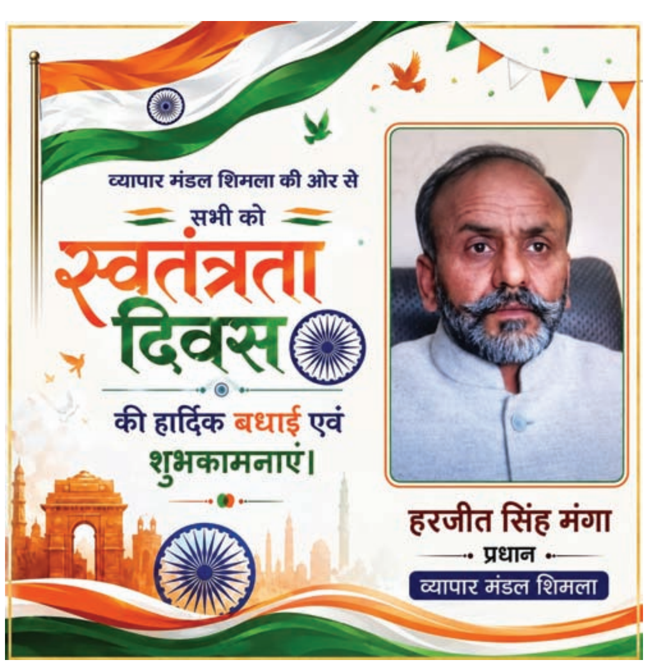

मुख्यमंत्री सुक्खू ने हमीरपुर के लिए 35 इलेक्ट्रिक बसों को किया रवाना

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हमीरपुर जिला के परिवहन निगम के विभिन्न डिपुओं के लिए 35 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य बनाने और प्रदेश के बहुमूल्य पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में सरकार ई-वाहनों को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहन दे रही है।

प्रदेश सरकार ने हाल ही में परिवहन निगम के बेड़े में 297 इलेक्ट्रिक बसें शामिल की हैं। मुख्यमंत्री ने कृषि उप-निदेशक कार्यालय परिसर में 8.64 करोड़ रुपये की लागत से बनी अत्याधुनिक एसआरटी लैब, हमीरपुर डिग्री कॉलेज में 1.50 करोड़ रुपये की सीबीटी लैब और डिग्री कालेज में 70 टैब्ज वाली लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। उन्होंने डिग्री कालेज में 9 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले छात्राओं के आवास का भी शिलान्यास और जिला पुस्तकालय में किताबी कॉर्नर का उद्घाटन भी किया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश फसल विविधिकरण प्रोत्साहन परियोजना चरण-2 के अंतर्गत 3.05 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित विभिन्न उठाऊ सिंचाई योजनाओं का लोकार्पण किया। इनमें नादौन क्षेत्र की 57 लाख रुपये की लागत से निर्मित उठाऊ सिंचाई योजना बसोल, 39 लाख रुपये की उठाऊ सिंचाई योजना जसोह, 47 लाख रुपए की उठाऊ सिंचाई योजना खटरोड, सुजानपुर क्षेत्र की 43 लाख रुपए की उठाऊ सिंचाई योजना घराट, हमीरपुर क्षेत्र की 46 लाख रुपये की उठाऊ सिंचाई योजना डखोल तथा बड़सर क्षेत्र में लाख रुपये की उठाऊ सिंचाई योजना थौन शामिल हैं। इन योजनाओं से लगभग 320 किसान परिवार लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से 5 करोड़ रुपए की लागत से सैनिक स्कूल सुजानपुर टीहरा में बने हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। कृषि मंत्री चंद्र कुमार, विधायक सुरेश कुमार, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष, राज्य परिवहन निगम अजय वर्मा, तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

◆ हमीरपुर को शिक्षा, कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्र में मिली करोड़ों की सौगात

हमीरपुर में सीएम सुक्खू ने दी करोड़ों की विकास परियोजनाओं की सौगात

3.05 करोड़ की उठाऊ सिंचाई योजनाओं से 320 किसान परिवार होंगे लाभान्वित

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हमीरपुर में कृषि उप-निदेशक कार्यालय परिसर में 8.64 करोड़ रुपए की लागत से बनी अत्याधुनिक एसआरटी लैब, हमीरपुर डिग्री कॉलेज में 1.50 करोड़ रुपए की सीबीटी लैब और डिग्री कालेज में 70 टैब्ज वाली लाइब्रेरी का उद्घाटन किया।

उन्होंने डिग्री कालेज में 9 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले छात्राओं के आवास का भी शिलान्यास और जिला पुस्तकालय में किताबी कॉर्नर का उद्घाटन भी किया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश फसल विविधिकरण प्रोत्साहन परियोजना चरण-2 के अंतर्गत 3.05 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित विभिन्न उठाऊ सिंचाई योजनाओं का लोकार्पण किया। इनमें नादौन क्षेत्र की 57 लाख रुपए की लागत से निर्मित उठाऊ सिंचाई योजना बसोल, 39 लाख रुपए की उठाऊ सिंचाई योजना जसोह, 47 लाख रुपए की उठाऊ सिंचाई योजना खटरोड, सुजानपुर क्षेत्र की 43 लाख रुपए की उठाऊ सिंचाई योजना घराट, हमीरपुर क्षेत्र की 46 लाख रुपए की उठाऊ सिंचाई योजना डखोल तथा बड़सर क्षेत्र में लाख रुपए की उठाऊ सिंचाई योजना थौन शामिल हैं। इन योजनाओं से लगभग 320 किसान परिवार लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से 5 करोड़ रुपए की लागत से सैनिक स्कूल सुजानपुर टीहरा में बने हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। कृषि मंत्री चंद्र कुमार, विधायक सुरेश कुमार, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष, राज्य परिवहन निगम अजय वर्मा, अध्यक्ष, हिप्र भवन व अन्य सर्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड नरदेव कंवर, हिप्र ओबीसी वित्त एवं विकास निगम के उपाध्यक्ष डॉ. मोहन लाल, चेयरमैन कांगड़ा कॉपरेटिव प्राइमरी कृषि व ग्रामीण विकास बैंक राम चंद्र पठानिया, चेयरमैन हिमाचल प्रदेश मार्किटिंग बोर्ड कुलदीप पठानिया, नशा निवारण बोर्ड के समन्वयक नरेश कुमार, एपीएमसी के अध्यक्ष अजय शर्मा, चेयरमैन, हिमाचल प्रदेश भूतपूर्व सैनिक निगम कर्नल मनीष कुमार, जिला कांग्रेस कमेटी हमीरपुर के अध्यक्ष सुमन भारती, कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र वर्मा और सुभाष ढटवालिया, मुख्यमंत्री के सचिव आशीष सिंहमार तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से ग्रामीण कनेक्टिविटी को मिली नई गति: पठानिया

भारतेनदु संवाददाता, धर्मशाला। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।

तीन नई इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी तथा लोगों को अधिक बेहतर, सुरक्षित और सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। यह बात शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने एसडीएम कार्यालय परिसर से इन तीन इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाने के मौके पर कही। इन बसों का संचालन धर्मशाला से तत्वानी, बंडी, रेहलू, लंज, हरनेरा और भलेड़ सहित विभिन्न ग्रामीण रूटों पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन नई बस सेवाओं से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन में सुविधा प्राप्त होगी। विशेष रूप से उन क्षेत्रों के निवासियों को राहत मिलेगी, जहां सार्वजनिक परिवहन के सीमित विकल्प उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू व उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार परिवहन व्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। 297 इलेक्ट्रिक बसें एचआरटीसी के बेड़े में शामिल की जा चुकी हैं जो हिमाचल में स्वच्छ एवं हरित परिवहन को नई दिशा प्रदान करेंगी। इलेक्ट्रिक बसों का प्रमुख लाभ पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा है। इनके संचालन से प्रदूषण और ईंधन की खपत में कमी आएगी तथा यात्रियों को अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

जुब्बल में प्रदेश के पहले गर्ल्स स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स का शिक्षा मंत्री ने किया शुभारंभ, 2.78 करोड़ के भवन की रखी आधारशिला

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने जुब्बल में ठाकुर रामलाल गर्ल्स स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के अतिरिक्त भवन के निर्माण कार्य की आधारशिला भी रखी, जिस पर 2 करोड़ 78 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह संस्थान प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने और छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि यह प्रदेश का पहला ऐसा स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स है, जहां छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं के साथ आठ अलग-अलग खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पहले यह संस्थान ठाकुर रामलाल कन्या खेल छात्रावास के नाम से जाना जाता था। उन्होंने बताया कि विद्यालय के लिए 32 नए पद स्वीकृत किए गए हैं। छात्राओं के लिए 20 लाख रुपए के खेल उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं, जबकि जल्द ही 72 लाख रुपए के अतिरिक्त उपकरण भी जारी किए जाएंगे। रोहित ने कहा कि सरकार खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के साथ खिलाड़ियों को बेहतर अवसर देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। खिलाड़ियों की डाइट मनी 120 रुपये से बढ़ाकर 220 रुपये की गई है। उन्होंने बताया कि इस छात्रावास की छह छात्राओं का चयन चीन में होने वाली वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल चैंपियनशिप-2026 के लिए भारतीय गर्ल्स वॉलीबॉल टीम में हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 11 खेल संस्थान हैं और जुब्बल का कन्या खेल विद्यालय इनमें सबसे बड़ा है। शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कोटखाई में केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति, सरस्वती नगर में चार वर्षीय एकीकृत बीपीएड कोर्स तथा डकईढ़ में करीब 20 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने केक काटकर शिक्षा मंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, छात्राएं और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री बड़सर में करेंगे राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की अध्यक्षता

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू शनिवार 15 अगस्त को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बड़सर में राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता करेंगे। वह शनिवार सुबह 11 बजे ध्वजारोहण करेंगे और भव्य परेड की सलामी लेंगे।

राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की परेड में हिमाचल प्रदेश पुलिस की छठी इंडियन रिजर्व बटालियन धौलाकुआं, तृतीय आईआरबी पंडोह, द्वितीय आईआरबी (महिला) सकोह और हमीरपुर जिला पुलिस और सेंट्रल रेंज मंडी की ट्रैफिक पुलिस की टुकड़ियों के अलावा महिला एवं पुरुष होमगार्ड्स, हरियाणा पुलिस और क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों व कालेजों की टुकड़ियां भी भाग ले रही हैं। हिमाचल प्रदेश पुलिस की उत्तरी रेंज की स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट वीआईपी सिक्योरिटी पर विशेष डैमो प्रस्तुत करेगी। भव्य मार्चपास्ट की सलामी लेने के बाद मुख्यमंत्री प्रदेशवासियों के नाम अपना संदेश देंगे। इसके बाद प्रदेश के विभिन्न जिलों और बड़सर क्षेत्र के स्कूलों के सांस्कृतिक दल देशभक्ति एवं लोक संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद मुख्यमंत्री विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करेंगे तथा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड की लाभार्थी महिलाओं को चेक वितरित करेंगे। परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। समारोह के समापन के बाद मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों का अवलोकन भी करेंगे।

श्री साई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स ने निकाली तिरंगा यात्रा

तिरंगा देश की शान और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक: इंजीनियर एसके पुंज

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। श्री साई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स बधानी कॉलेज से तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा बुंगल गांव और बधानी गांव तक गई।

ग्रुप के चेयरमैन इंजीनियर एसके पुंज, एमडी तृप्ता पुंज, सीएमडी कंवर तुषार पुंज और रिया पुंज के नेतृत्व में बड़ी संख्या में स्टाफ और विद्यार्थियों ने भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर प्रतिभागियों ने 'हिंदुस्तान जिंदाबाद', 'भारत माता की जय' और 'भारतीय सेना जिंदाबाद' के नारे लगाए। चेयरमैन इंजीनियर एसके पुंज ने कहा कि तिरंगा देश की शान, मान और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है।

तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को सलाम करने के लिए निकाली गई। इस अवसर पर श्री साई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स बधानी कॉलेज की 7 पंजाब बटालियन एनसीसी (आर्मी) के कैडेट्स ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में डायरेक्टर रणजीत सिंह, डी.एस. ठाकुर (सेवानिवृत्त), डॉ. राजेश गुप्ता, मुकेश गुप्ता, डॉ. विपिन गुप्ता, डॉ. दिनेश महाजन, डॉ. नवदीप सवेल, संजय पंडित, श्रीमती पुनीत सवेल, सुलक्ष्य कुमार मुर्गई, अश्वनी शर्मा, हरमोहिंदर सिंह, पुरुषोत्तम पठानिया सहित स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निजी कोचिंग संस्थानों को पंजीकरण करवाना अनिवार्य : उपनिदेशक

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। उपनिदेशक उच्च शिक्षा (माध्यमिक) कांगड़ा अजय सिंह सम्बयाल ने बताया कि जिले में संचालित सभी पात्र निजी कोचिंग संस्थानों को पंजीकरण करवाना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप प्रदेश सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश निजी कोचिंग केंद्र (पंजीकरण और विनियमन) नियम-2026 लागू किए गए हैं। उपायुक्त हेमराज बैरवा इस जिला स्तरीय निजी कोचिंग केंद्र समिति कांगड़ा के अध्यक्ष हैं। उप निदेशक ने बताया कि जिले में संचालित ऐसे सभी निजी कोचिंग संस्थान, जहां 50 या उससे अधिक विद्यार्थी कोचिंग प्राप्त कर रहे हैं, निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना पंजीकरण करवाएं। जिन संस्थानों ने अभी तक पंजीकरण नहीं करवाया है अथवा आवेदन प्रस्तुत नहीं किया है, वे बिना किसी विलंब के निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन प्रस्तुत करें।

एनएसएस ने बिलासपुर कॉलेज परिसर में तिरंगा रैली का आयोजन किया

'देश का मान बढ़ाएंगे, हर घर तिरंगा फहराएंगे'

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर की एनएसएस इकाई द्वारा महाविद्यालय प्राचार्य की अध्यक्षता में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने एनएसएस स्वयंसेवियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को तिरंगे के इतिहास, महत्व और सम्मान के विषय में चर्चाओं का वातावरण बनाए ताकि हर एक विद्यार्थी अपने इतिहास को सही से समझने में सक्षम हो सकें। उन्होंने 'हर घर तिरंगा' अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाने में अपना योगदान देने का आह्वान किया। आप सभी वॉलंटियर्स हर घर तिरंगा अभियान कोद्ध जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। इसके उपरांत स्वयंसेवियों ने महाविद्यालय परिसर में रैली निकाली। रैली का उद्देश्य एनएसएस स्वयंसेवियों और विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की भावना कोद्ध जागृत करना, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को बढ़ावा देना था।

रैली में एनएसएस स्वयंसेवियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए और पूरे उत्साह के साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान का संदेश दिया। स्वयंसेवियों ने जोश के साथ यह नारा भी लगाया— 'देश का मान बढ़ाएंगे, हर घर तिरंगा फहराएंगे ', जिससे पूरा परिसर देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।स्वयंसेवियों ने राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा एवं सम्मान के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया। साथ ही उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वे समाज में देशप्रेम की भावना को निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे। इस अवसर पर एनएसएस के नोडल अधिकारी डॉ. अजीत कुमार एवं प्रो. अनुप्रिया शर्मा उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत देहरा हटवाड
विकास खंड घुमारवीं, जिला बिलासपुर (हि.प्र.)

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत देहा हटवाड विकास खण्ड घुमारवीं जिला बिलासपुर हि0प्र0 द्वारा वित् वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न विकास कार्यों के निष्पादन हेतु आवश्यकता अनुसार अधिकृत विक्रेताओं से मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है । निविदाएं दिनाक 23/8/2026 को पुवार्हन 11 बजे तक पंचायत में पहुंच जानी चहिये । निविदाएं इसी दिनांक को पुवार्हन 11.30 बजे ग्राम पंचायत की निर्माण कमेटी व निविदादाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी । **सामग्री का विवरण-** 1 रेता क्रशर, 2. रेता उना, 3. बजरी 20एमएम क्रशर, 4. बजरी 10एमएम क्रशर 5. बजरी 40एमएम क्रशर, 6. सोलिग / बोल्डर, 7. पत्थर (कट स्टोन), 8. पक्की इंटे, 9. सामग्री ढुलान ट्रेक्टर /जीप / अन्य वाहन आदि घुमारवीं से देहरा हटवाड सिमेंट, 10. शटरिंग, 11. दीवार लेखनी, 12. पानी टेंकर **नियम व शर्ते :-** 1) निविदादाता के पास अपना पंजीकरण GST नम्बर साथ में लगाना होगा GST/ फार्म पेड पर ही कुटेशन दी जाये। 2) सामग्री की आपूर्ति लोकनिर्माण विभाग के स्पेसिफिकेशन के अनुरूप होगी । 3) दरे अंको व शब्दों दोनों में लिखी होनी चहिये ।4) निर्माण सामग्री कार्यस्थल / सडक तक उपलब्ध करवानी होगी । 5) पारित निविदादाता को मु0 20000 रूपये धरोहर / सुरक्षित राशी के रूप में ग्राम पंचायत के पास जमा करवानी होगी । 6) ग्राम पंचायत क्षेत्राधिकार में एक ही मूल्य देय होगा अस्वीकृत सामग्री की अदायगी देय नहीं होगी । 7) निविदादाता यदि सामग्री की आपूर्ति समयानुसार नही कर पता है तो उसकी गत समय में दी गई सामग्री की देय राशी का भुगतान नहीं किया जायेगा और न ही अग्रिम /सुरक्षित राशी वापिस नही होगी । 8) किसी भी निविदा को विना कारण बताए स्वीकृत / अस्वीकृत करने, सशर्ते निविदा समान दर रहने की स्थिति में एक या एक से अधिक निविदादाताओ की लिए कार्य आदेश निर्गत करने सामग्री की गुणवता के चयन तथा निविदाएँ किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा । 9) सामग्री रेता, बजरी, उन्ना व् क्रेशर, बोल्डर, पत्थर, इंटे, एक ही व्यकित की पास होगी । 10) सामग्री की अदायगी मूल्याकन /MB या विभाग की Justification उपरान्त ही किया जायेगा ।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत देहरा हटवाड
विकास खंड घुमारवीं, जिला बिलासपुर (हि.प्र.)

हाइडी क्लम खूबसूरत अंदाज में

जर्मनी। हाइडी क्लम जर्मनी की प्रसिद्ध एथलीट, अभिनेत्री और टेलीविजन हस्ती हैं। उन्होंने खेल जगत में अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। वह कई लोकप्रिय कार्यक्रमों से जुड़ी रही हैं और अपनी रचनात्मकता व व्यक्तित्व के लिए जानी जाती हैं।

बेन शेल्टन ने लगातार दूसरी बार कनाडा ओपन जीतकर रचा इतिहास

कनाडा ओपन पर फिर शेल्टन का कब्जा, दिग्गजों के क्लब में बनाई जगह

दूसरा एटीपी मास्टर्स खिताब जीतकर बढ़ाया कद

एजेंसी, नई दिल्ली

मॉन्ट्रियल, अमेरिका के युवा टेनिस स्टार बेन शेल्टन ने कनाडा ओपन का खिताब सफलतापूर्वक बचाते हुए लगातार दूसरी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। मॉन्ट्रियल में खेले गए फाइनल मुकाबले में शेल्टन ने अपने ही देश के ब्रैंडन नाकाशिमा को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(4) से हराकर अपने करियर का दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता।

23 वर्षीय शेल्टन के लिए यह जीत ऐतिहासिक रही, क्योंकि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया। उन्होंने शानदार लय में रहते हुए हर मुकाबले में अपने प्रतिद्वंदियों को दबाव में रखा। फाइनल में भी शेल्टन ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 6-3 से जीत दर्ज की। दूसरे सेट में नाकाशिमा ने कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन शेल्टन ने टाईब्रेक में 7-4 से जीत हासिल करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ ही शेल्टन ने कनाडा ओपन का खिताब लगातार दूसरी बार अपने नाम किया। वह इस सदी में कनाडा ओपन का खिताब लगातार दो बार बचाने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। इससे पहले एंडी मरे, नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल जैसे दिग्गज खिलाड़ी यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। शेल्टन की यह सफलता उन्हें विश्व टेनिस के शीर्ष खिलाड़ियों की श्रेणी में तेजी से आगे बढ़ा रही है।

शेल्टन के नाम अब 2026 सीजन में कुल चार और करियर में सात एटीपी टूर खिताब हो चुके हैं। कनाडा ओपन में उनकी लगातार दूसरी सफलता ने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया है। पूरे टूर्नामेंट में बिना एक भी सेट गंवाए खिताब जीतना उनके शानदार प्रदर्शन और निरंतरता को दर्शाता है।

फाइनल मुकाबले में शेल्टन ने अपनी सर्विस, आक्रामक खेल और महत्वपूर्ण मौकों पर धैर्य का बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं नाकाशिमा ने दूसरे सेट में मुकाबले को बराबरी पर लाने की पूरी कोशिश की, लेकिन निर्णायक क्षणों में शेल्टन ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत सुनिश्चित कर ली।

अपनी जीत के बाद शेल्टन ने सफलता का श्रेय मानसिक मजबूती और कड़ी मेहनत को दिया। लगातार दूसरी बार कनाडा ओपन जीतना उनके करियर के लिए बड़ी उपलब्धि है। युवा अमेरिकी खिलाड़ी की यह सफलता बताती है कि वह आने वाले समय में विश्व टेनिस में लंबे समय तक अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

भारत का रिकॉर्ड शानदार, फिर गॉल में क्यों बदल जाता पूरा खेल?

श्रीलंका पर भारी भारत की गॉल में होगी परीक्षा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज से गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र का हिस्सा है। भारत इस मुकाबले में जीत के साथ अभियान की मजबूत शुरुआत करना चाहेगा।

भारत का श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट रिकॉर्ड शानदार रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक 46 टेस्ट खेले गए हैं, जिनमें भारत ने 22 मुकाबले जीते हैं, जबकि श्रीलंका को सात मैचों में जीत मिली है। श्रीलंकाई जमीन पर भी भारत का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है और टीम ने पिछली पांच टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज की है। हालांकि गॉल का मैदान भारत के लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। यहां भारत ने अब तक पांच टेस्ट खेले हैं, जिनमें उसे दो मुकाबलों में जीत मिली है। इसके बावजूद पिछले मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 304 रन से हराया था। 2017 में खेले गए उस मैच में शिखर धवन ने 190 और चेतेश्वर पुजारा ने 153 रन बनाए थे, जबकि विराट कोहली ने नाबाद 103 रन की पारी खेली थी।

गॉल की परिस्थितियां स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती हैं। ऐसे में भारतीय टीम अपने स्पिन आक्रमण पर काफी निर्भर रह सकती है। जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी के कारण तेज गेंदबाजी विभाग के सामने भी चुनौती रहेगी। भारत के लिए यह मुकाबला नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में टेस्ट अभियान को मजबूत करने का अवसर भी है। टीम प्रबंधन को उम्मीद होगी कि बल्लेबाज और स्पिन गेंदबाज मिलकर श्रीलंका के खिलाफ दबदबा कायम रखेंगे। वहीं मेजबान टीम घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर भारत को कड़ी चुनौती देने की कोशिश करेगी।

स्पोर्ट्स विंडो

पिता के निधन के चार दिन बाद मैदान पर लौटे लियोनल मेसी

एजेंसी, मियामी। दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी ने पिता के निधन के महज चार दिन बाद मैदान पर वापसी की। उनके पिता का आठ अगस्त को लंबी बीमारी के बाद निधन हुआ था। इस गहरे दुख के बावजूद मेसी 12 अगस्त को लियोन के खिलाफ लीग्स कप मुकाबले में इंटर मियामी की ओर से खेलने उतरे। मैच में मेसी को मध्यांतर के बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर उतारा गया। हालांकि उनकी वापसी टीम के लिए जीत नहीं ला सकी और इंटर मियामी को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। मैदान पर लौटने से पहले मेसी ने अपने पिता को भावुक श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने उन्हें अपना मार्गदर्शक, दोस्त और एजेंट बताते हुए उनके साथ बिताए पलों को याद किया। मेसी की यह वापसी उनके जज्बे और पेशेवर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इंग्लैंड क्रिकेट में बड़ा बदलाव खिलाड़ियों से हटा मिडनाइट कर्फ्यू

एजेंसी, नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने खिलाड़ियों के लिए लागू मिडनाइट कर्फ्यू को खत्म कर दिया है। नए टेस्ट कप्तान जो रूट ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को मैदान के बाहर अपने फैसलों की जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए। यह नियम करीब सात महीने पहले एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद लागू किया गया था। उस दौरान खिलाड़ियों से जुड़े नाइट क्लब विवाद के बाद टीम प्रबंधन ने रात 12 बजे के बाद बाहर रहने पर रोक लगा दी थी। बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद कप्तानी संभालने वाले रूट ने कहा कि खिलाड़ियों के साथ बच्चों जैसा व्यवहार करने की जरूरत नहीं है। कर्फ्यू हटाने का फैसला सफेद गेंद वाली टीमों पर भी लागू होगा। हालांकि, मैचों के आसपास शराब सेवन को लेकर व्यवहार संबंधी दिशानिर्देश जारी रहेंगे। टीम प्रबंधन अब खिलाड़ियों की स्वतंत्रता, अनुशासन और फिटनेस के बीच संतुलन पर नजर रखेगा।

पहली बार साथ-साथ होंगे महिला और पुरुष हॉकी विश्व कप के मुकाबले

एजेंसी, नई दिल्ली। आज से बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में हॉकी विश्व कप का आगाज होगा। इस बार पहली बार महिला और पुरुष दोनों वर्गों के विश्व कप का आयोजन एक साथ किया जा रहा है। 16 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 50 मुकाबले खेले जाएंगे। पुरुष और महिला वर्ग में 16-16 टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले दो स्थानों पर आयोजित होंगे। भारतीय प्रशंसकों की नजर दोनों टीमों के प्रदर्शन पर रहेगी। भारतीय पुरुष टीम पूल-डी में वेल्स, पाकिस्तान और इंग्लैंड के साथ है। उसका पहला मुकाबला आज वेल्स के खिलाफ भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे होगा। वहीं भारतीय महिला टीम 16 अगस्त को चीन के खिलाफ अभियान शुरू करेगी। टूर्नामेंट में ग्रुप चरण के बाद क्रॉसओवर, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

हरभजन ने विराट कोहली को दिया फिटनेस क्रांति का 90 फीसदी श्रेय

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने विराट कोहली के भारतीय क्रिकेट में योगदान की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि विराट का सबसे बड़ा योगदान केवल रन बनाना नहीं, बल्कि टीम की सोच, फिटनेस और फील्डिंग के स्तर में बदलाव लाना रहा है। हरभजन के अनुसार विराट कोहली ने खिलाड़ियों के अंदर बड़े लक्ष्य हासिल करने की मानसिकता विकसित की। उन्होंने कप्तानी के दौरान टीम को सिखाया कि लक्ष्य कितना भी बड़ा हो, जीत के लिए प्रयास करना जरूरी है। हार के डर से नकारात्मक क्रिकेट खेलने के बजाय टीम को आक्रामक रवैया अपनाना चाहिए। हरभजन ने भारतीय क्रिकेट में फिटनेस का स्तर बढ़ाने का 90 प्रतिशत श्रेय भी विराट कोहली को दिया। उन्होंने कहा कि विराट ने खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस पर गंभीरता से काम करने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा हरभजन ने भारतीय फील्डिंग में आए बदलाव की भी तारीफ की। उनके मुताबिक अब भारतीय खिलाड़ी कैच लेने, रन रोकने और रन आउट करने के लिए पूरी ताकत लगाते हैं। उन्होंने कहा कि आज भारतीय फील्डिंग दुनिया की किसी भी टीम से कम नहीं है।

कश्मीर की रुतबा शब्बीर ने 36 सेकंड में जीता एमएमए स्वर्ण पदक

एजेंसी, श्रीनगर

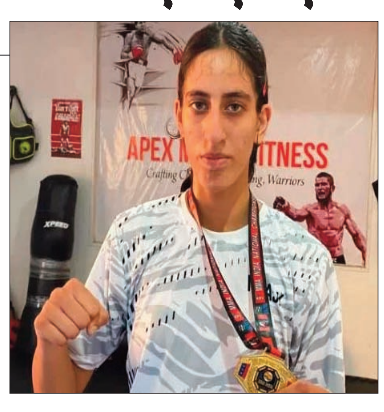

मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित 9वीं एमएमए इंडिया नेशनल चैंपियनशिप में जम्मू-कश्मीर की 17 वर्षीय रुतबा शब्बीर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। श्रीनगर की रहने वाली रुतबा ने बैंटमवेट वर्ग के फाइनल मुकाबले में अपनी प्रतिद्वंद्वी को महज 36 सेकंड में नॉकआउट कर खिताब जीत लिया। उनके इस दमदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'बेस्ट फीमेल यूथ एथलीट' के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

रुतबा की इस सफलता ने जम्मू-कश्मीर के खेल जगत में नई उम्मीद जगाई है। 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली रुतबा ने छोटी उम्र से ही मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। उन्होंने शुरुआत वुशु से की और बाद में मिक्स्ड मार्शल आर्ट की ओर रुख किया। कोच आसिफ हुसैन के मार्गदर्शन में उन्होंने करीब आठ से नौ वर्षों तक कड़ी मेहनत और नियमित अभ्यास किया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रुतबा ने अपनी फुर्ती, तकनीक और रणनीतिक कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। फाइनल में उनके आक्रामक खेल के सामने प्रतिद्वंद्वी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। मात्र 36 सेकंड में मुकाबला खत्म कर रुतबा ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस चैंपियनशिप में जम्मू-कश्मीर की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया और कुल 10 पदक हासिल किए। रुतबा की उपलब्धि से घाटी के युवा खिलाड़ियों में उत्साह बढ़ा है।

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को बैकफुट पर धकेला तन्जीद ने जड़ा शतक

एजेंसी, नई दिल्ली। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दिन अपनी पकड़ मजबूत कर ली। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 198 रन पर समेटने के बाद बांग्लादेश ने बल्लेबाजी में भी दम दिखाया। दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने छह विकेट पर 351 रन बना लिए थे और उसे 153 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हो गई। बांग्लादेश की पारी के सबसे बड़े नायक तन्जीद हसन रहे, जिन्होंने शानदार शतक जड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने भी 84 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर दबाव बनाया और टीम को बड़ी बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। पहली पारी में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने भी ऑस्ट्रेलिया को बैकफुट पर धकेल दिया। चार विकेट शेष होने के कारण मेहमान टीम अपनी बढ़त को और बड़ा करने की स्थिति में है।

विकेटकीपर बनना चाहते थे मिचेल स्टार्क बने दुनिया के खतरनाक तेज गेंदबाज

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क आज क्रिकेट जगत में अपनी तेज रफ्तार, घातक यॉर्कर और सटीक गेंदबाजी के लिए पहचाने जाते हैं। हालांकि, उनका बचपन का सपना तेज गेंदबाज बनने का नहीं, बल्कि विकेटकीपर बनने का था। स्थानीय कोच की सलाह ने उनके करियर की दिशा बदल दी। उन्होंने विकेटकीपिंग के दस्ताने छोड़कर बाएं हाथ से गेंदबाजी शुरू की और धीरे-धीरे अपनी पहचान एक शानदार तेज गेंदबाज के रूप में बनाई।

शुरुआती करियर में स्टार्क के सामने कई चुनौतियां थीं। उनके पास स्वाभाविक रूप से अच्छी गति थी, लेकिन गेंद पर नियंत्रण हासिल करना आसान नहीं था। इसके अलावा लगातार चोटों ने भी उनके करियर को प्रभावित किया। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी तकनीक पर लगातार काम करते रहे। स्टार्क ने महान ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन के साथ भी काम किया।

इस दौरान उन्होंने गेंदबाजी की तकनीक, गति और सटीकता को बेहतर बनाया। समय के साथ उनकी तेज रफ्तार और खतरनाक यॉर्कर बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन गई। खासकर सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी गेंदबाजी ने उन्हें दुनिया के सबसे प्रभावशाली तेज गेंदबाजों में शामिल कर दिया।

नरम महंगाई आंकड़ों से निवेशकों का बढ़ा भरोसा , सीमित दायरे में फिसला शेयर बाजार

एजेंसी, मुंबई

अमेरिका और भारत में महंगाई के आंकड़े उम्मीद से कम रहने से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को सीमित दायरे में कारोबार हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 113.61 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,079.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 40.10 अंक यानी 0.16 प्रतिशत टूटकर 24,395.85 अंक पर रहा।

क्षेत्रीय सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.55 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ प्रमुख लाभ वाले सूचकांक रहे। इसके अलावा निफ्टी एफएमसीजी, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु, सूचना प्रौद्योगिकी, उपभोग, मीडिया, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम और वाहन क्षेत्र में भी तेजी देखने को मिली।

इसके विपरीत निफ्टी धातु, निजी बैंक, जिंस, तेल एवं गैस, वित्तीय सेवाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई।

छोटे और मझोले शेयरों में अपेक्षाकृत मजबूती रही। निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक 97.15 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64,121.55 अंक पर पहुंचा। निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक में भी 0.27 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

सेंसेक्स के प्रमुख लाभ वाले शेयरों में इंडिगो, एनटीपीसी, बीईएल, एलएंडटी, एचयूएल, इटरनल, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, एचसीएल टेक, आईटीसी, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा और एमएंडएम शामिल रहे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी और एक्सिस बैंक दबाव में रहे।

सोने ने रचा नया रिकॉर्ड चांदी भी 2.46 लाख के पार

एजेंसी, नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में तेजी और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के बीच भारतीय सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों ने नया रिकॉर्ड बनाया है। 24 कैरेट सोने का भाव बढ़कर 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। वहीं चांदी की कीमत भी 2,46,000 रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गई है।

विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट, डॉलर में स्थिरता और ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव के कारण सोने की मांग मजबूत हुई है। वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की ओर रुख कर रहे हैं। इसका सीधा असर घरेलू बाजार में भी दिखाई दे रहा है। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं।

चंद्रशेखरन के बाद कौन संभालेगा टाटा की कमान? चेयरमैन पद पर बढ़ी हलचल

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा समूह में आने वाले महीनों में बड़ा नेतृत्व बदलाव देखने को मिल सकता है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन का मौजूदा कार्यकाल फरवरी 2027 में पूरा होने वाला है। उनके कार्यकाल को आगे बढ़ाने की सिफारिश किए जाने की चर्चा के बीच निदेशक मंडल में इस प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद टाटा संस के अगले चेयरमैन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि चंद्रशेखरन के बाद टाटा संस की कमान किसके हाथों में होगी। संभावित नामों में सबसे अधिक चर्चा नोएल टाटा की हो रही है। नोएल टाटा वर्तमान में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन हैं। ऐसे में नए चेयरमैन के चयन की प्रक्रिया में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नोएल टाटा स्वयं इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे या किसी अन्य नाम पर सहमति बनेगी।

नोएल टाटा के अलावा टाटा स्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक टी.वी. नरेंद्रन का नाम भी संभावित दावेदारों में सामने आ रहा है। नरेंद्रन लंबे समय से टाटा समूह से जुड़े हुए हैं और समूह के प्रमुख कारोबार का नेतृत्व कर रहे हैं। उनका लंबा अनुभव उन्हें संभावित उम्मीदवारों में मजबूत दावेदार बनाता है। नए चेयरमैन के चयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसमें टाटा ट्रस्ट्स की भूमिका अहम रहने की उम्मीद है।

रूस पर बढ़ी तेल निर्भरता, भारत के कच्चे तेल आयात में 52 प्रतिशत पहुंची हिस्सेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली

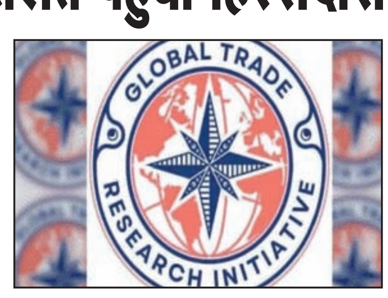

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की हालिया रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़कर 52 प्रतिशत हो गई है। चार वर्ष पहले रूस से भारत के कुल तेल आयात की हिस्सेदारी करीब 15 प्रतिशत थी। इस अवधि में रूस भारत के लिए कच्चे तेल के सबसे प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में शामिल हो गया है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से होने वाले तेल आयात में लगातार वृद्धि हुई है। वैश्विक बाजार में बदलती परिस्थितियों और भू-राजनीतिक घटनाक्रम के बीच भारत ने रूसी तेल की खरीद बढ़ाई है। इससे भारत के कुल तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ गई है।

रूस से आयात बढ़ने के साथ सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख खाड़ी देशों की भारत के तेल आयात में हिस्सेदारी में कमी आई है। वर्ष 2022 में इन देशों की संयुक्त हिस्सेदारी 55 प्रतिशत से अधिक थी, जो अब घटकर 30 प्रतिशत से भी कम रह गई है।

विशेषज्ञों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में आपूर्ति के बदलते समीकरण, भू-राजनीतिक तनाव और समुद्री मार्गों की असुरक्षा ने भी भारत की तेल खरीद रणनीति को प्रभावित किया है। रूस से उपलब्ध तेल की कीमत और आपूर्ति की स्थिति ने भी उसे भारतीय खरीदारों के लिए महत्वपूर्ण विकल्प बनाया है।

रूस से भारत की बढ़ती तेल खरीद अमेरिका के लिए चिंता का विषय बन सकती है। रूस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच भारतीय कंपनियों और व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क या अन्य कार्रवाई का जोखिम बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

टाटा मोटर्स का घटा मुनाफा इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में जबरदस्त उछाल

एजेंसी, मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल ने चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही के वित्तीय परिणाम जारी कर दिए हैं। कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 9.3 प्रतिशत बढ़कर 95,799 करोड़ रुपये पहुंच गया। हालांकि परिचालन लाभ मार्जिन में 130 आधार अंक की गिरावट के कारण कंपनी के शुद्ध मुनाफे में करीब 80 प्रतिशत की बड़ी कमी दर्ज की गई। कंपनी के लग्जरी वाहन ब्रांड जेएलआर के प्रदर्शन पर भी दबाव देखने को मिला। तिमाही के दौरान जेएलआर के राजस्व में 9.6 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके साथ ही परिचालन लाभ मार्जिन भी कमजोर रहा। वैश्विक बाजार की चुनौतियों और मांग से जुड़े दबावों का असर कंपनी के प्रदर्शन पर दिखाई दिया।

बॉन्ड निवेशकों के लिए सेबी का रंगीन जोखिम पैमाना प्रस्तावित

एजेंसी, हैदराबाद

◆ बॉन्ड निवेशकों को जोखिम समझने में मिलेगी आसानी

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने बॉन्ड बाजार में निवेशकों के लिए जोखिम को आसानी से समझने योग्य बनाने की दिशा में एक नई पहल का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत छह अलग-अलग रंगों वाले क्रेडिट जोखिम सूचकांक की व्यवस्था की जा सकती है। इसका उद्देश्य आम निवेशकों को जटिल तकनीकी रेटिंग के बजाय रंगों के माध्यम से यह समझने में मदद करना है कि किसी बॉन्ड में कितना ऋण जोखिम मौजूद है।

प्रस्तावित व्यवस्था में हरे रंग से लेकर लाल रंग तक अलग-अलग स्तर निर्धारित किए जाएंगे। इससे निवेशक किसी बॉन्ड में पैसा लगाने से पहले उसके जोखिम का प्राथमिक आकलन आसानी से कर सकेंगे। नियामक का मानना है कि सरल और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध होने से निवेश संबंधी निर्णय लेने में निवेशकों को सुविधा होगी।

प्रस्तावित नियमों के अनुसार बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों और ऑनलाइन निवेश मंचों को अपने विज्ञापनों तथा अनुप्रयोगों पर क्रेडिट जोखिम सूचकांक को प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। इससे निवेशकों को किसी बॉन्ड की जोखिम स्थिति सीधे नजर आ सकेगी।

यदि किसी बॉन्ड को एक से अधिक रेटिंग मिली हुई है तो जोखिम का रंग सबसे खराब रेटिंग के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। इसके अलावा रेटिंग में बदलाव होने पर संबंधित जानकारी को 24 घंटे के भीतर अद्यतन करना अनिवार्य किया जा सकता है।

अक्सर छोटे निवेशक तकनीकी रेटिंग और वित्तीय शब्दावली को आसानी से नहीं समझ पाते। ऐसे में रंग आधारित व्यवस्था उनके लिए अधिक सरल साबित हो सकती है। हरे रंग का संकेत अपेक्षाकृत कम क्रेडिट जोखिम और लाल रंग का संकेत अधिक जोखिम की ओर कर सकता है।

हालांकि, यह व्यवस्था केवल क्रेडिट जोखिम को दर्शाएगी। इसका अर्थ यह नहीं होगा कि बॉन्ड में किसी भी प्रकार का नुकसान संभव नहीं है। बाजार में ब्याज दरों, कीमतों और अन्य परिस्थितियों के कारण होने वाले उतार-चढ़ाव को यह सूचकांक नहीं दर्शाएगा।